MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 27 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-144

बंडी संग संघ नहीं

भागीरथ मामले पर द'रार

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

17 वर्षीय नाबालिग लड़की और उसके दोस्तों ने मिलकर नए साल की पार्टी रखी। 31 दिसंबर 2025 की रात मोइनाबाद के एक फार्महाउस पर जश्न शुरू हुआ। इस पार्टी में नाबालिग के साथ एक लड़की और पांच लड़के थे। इनमें केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार का 25 वर्षीय बेटा साई भागीरथ भी शामिल था।

आरोप है कि पार्टी के दौरान भागीरथ ने नाबालिग पर शराब पीने का दबाव बनाया। इसके बाद उससे छेड़छाड़ करने लगा। भागीरथ नशे में धुत था। उसने लड़की को पहले गलत तरीके से छुआ, फिर फिजिकल होने के लिए उकसाने लगा। लड़की अकेली पड़ गई और मजबूरी में विरोध नहीं कर सकी।

घटना के बाद लड़की ने अपनी मां को आपबीती बताई। परिवार ने शिकायत कराने की कोशिश की, लेकिन उन पर केस न करने का दबाव डाला गया। करीब चार महीने बाद 8 मई 2026 को मां की शिकायत पर भागीरथ के खिलाफ पॉक्सो का मामला दर्ज हुआ। भागीरथ को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस

गिरफ्तारी के बाद केस में आरए-सएस को भी खींचने की कोशिश की गई। इस पर संघ ने बयान जारी कर कहा कि ये पूरी तरह से बीजेपी का आंतरिक मामला है, इससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है।

पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन (हैदराबाद सिटी से 15 किलोमीटर दूर) में पॉक्सो का मामला दर्ज कराया गया था। सुरक्षा को देखते हुए पीड़ित परिवार अभी पुलिस निगरानी में है। वे मीडिया से बात करने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि खतरा हो सकता है। पीड़ित के रिश्तेदार ने ऑल इंडिया स्टूडेंट डेमोक्रेटिक एसोसिएशन का नंबर दिया। यह संस्था विक्टिम की कानूनी लड़ाई लड़ रही है और उसके लिए विरोध प्रदर्शन कर रही है। संस्था की लीगल टीम की मेंबर वैशाली ने केस से जुड़े लीगल डॉक्यूमेंट्स उपलब्ध कराए। इसमें पीड़ित की मां के स्टेटमेंट और अहम जानकारियां शामिल हैं।

शिकायत में पीड़ित की मां ने बताया, जून 2025 के आसपास मेरी बेटी की भागीरथ से पहचान हुई। इसके बाद इंस्टाग्राम और सोशल मीडिया के जरिए दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी। भागीरथ ने मेरी बेटी को बालिग होने पर शादी करने का झूठा भरोसा दिलाया और अपने जाल में फंसाया। उसका भरोसा जीतने के बाद भागीरथ उसे इमोशनली ब्लैकमेल करने लगा। इतना ही नहीं वो पढ़ाई-लिखाई और करियर से जुड़े फैसलों पर रोक लगाने लगा।

भागीरथ के संपर्क में रहने के दौरान मेरी बेटी को कई बार निजी अपार्टमेंट और फार्म हाउस में ले जाया गया, जहां उसे यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। खासतौर पर 31 दिसंबर 2025 की रात, जब मोइनाबाद के फार्महाउस में उसे जबरदस्ती शराब पिलाई गई। फिर उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

▶8पर

बंडी भागीरथ को 3 दिन पुलिस हिरासत

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): मलकाजगिरी की एक स्थानीय अदालत ने पेटबशीरबाग पुलिस को प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस (पोक्सो) मामले के सिलसिले में बंडी भागीरथ से पूछताछ के लिए तीन दिनों की पुलिस हिरासत (कस्टडी) मंजूर की है।

मामले की जांच कर रही पुलिस टीम ने विस्तृत पूछताछ के लिए अदालत से सात दिनों की हिरासत की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने केवल तीन दिनों की ही अनुमति दी। बंडी भागीरथ को 16 मई 2026 को गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह रिमांड कैदी के रूप में चेरलापल्ली केंद्रीय जेल में बंद है। उम्मीद है कि पुलिस जांच शुरू करने के लिए जल्द ही उसे आधिकारिक तौर पर जेल परिसर से अपनी हिरासत में लेगी।

सिद्धारमैया कल देंगे इस्तीफा

कर्नाटक में शिव सरकार

बेंगलुरु, 26 मई (एजेंसियां)।

कर्नाटक में सियासी उथल-पुथल पर विराम लगता नजर आ रहा है। खबर है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 28 मई यानी गुरुवार को पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इससे पहले आज दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की बैठक हुई थी। अब कहा जा रहा है कि सिद्धारमैया 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। वह इससे पहले बुधवार को बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे। सिद्धारमैया 28 मई को अपने आवास पर कैबिनेट के लिए ब्रेकफास्ट मीटिंग की मेजबानी करेंगे। कर्नाटक कांग्रेस के प्रभारी रणदीप सुरजेवाला बुधवार को बेंगलुरु पहुंचेंगे। इन राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच सुरजेवाला पार्टी के प्रमुख नेताओं के साथ मीटिंग कर सकते हैं।

वेणुगोपाल ने किया इनकार, लेकिन सूत्रों का दावा

इससे पहले आज दिल्ली में कई घंटे चली मैराथन बैठकों के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा था कि आज की मैराथन बैठकों में आगामी राज्यसभा चुनाव और एमएलसी चुनाव पर ही चर्चा हुई है। आप लोग मुख्यमंत्री बदलने की जो अटकलें लगा रहे हैं, उनमें कोई सच्चाई नहीं है।

वेणुगोपाल ने कहा था कि आज हमारी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ विस्तृत बैठक हुई। सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, कर्नाटक के पार्टी प्रभारी रणदीप सुरजेवाला और मैं इस बैठक का हिस्सा थे। पूरी बातचीत आगामी राज्यसभा चुनाव और एमएलसी चुनाव पर केंद्रित थी। आप लोग जो भी अटकलें लगा रहे हैं, उनमें कोई दम नहीं है। कोई वास्तविकता नहीं है। आज की बैठक में बस यही तय हुआ है। लेकिन इस बयान के बाद सूत्रों के हवाले से खबर आई कि बैठक में कांग्रेस हाईकमान ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से इस्तीफा देने को कहा था। कांग्रेस हाईकमान ने उन्हें राज्यसभा भेजने की बात कही थी और दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी का आश्वासन दिया था, लेकिन सिद्धारमैया इसके लिए तैयार नहीं हुए।

ओबीसी चेहरे के रूप में सिद्धारमैया को दिल्ली में बड़ी भूमिका

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस नेतृत्व चाहता है कि सिद्धारमैया पार्टी के प्रमुख ओबीसी चेहरों में से एक के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर उभरें। राहुल गांधी आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की सामाजिक न्याय और जातिगत प्रतिनिधित्व की रणनीति को और मजबूत कर रहे हैं। ▶8पर

विजय दे रहे कांग्रेस को हाथ

एकला चलो रे!

नयी दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने तमिलनाडु में गठबंधन की सरकार बनाई जरूर है, लेकिन उनका इरादा कुछ और ही लगता है। विजय जल्द से जल्द अपने बूते पर सरकार चलाना चाहते हैं और यह गठबंधन साथियों, खास तौर पर कांग्रेस, के लिए काफी चिंता वाली बात हो सकती है।

एक तरफ विजय लोक कल्याणकारी कदम उठा रहे हैं, तो ठीक उसी वक्त विरोधी खेमे में बगैर बुलडोजर के ही तोड़-फोड़ की कार्रवाई चल रही होती है। विजय के सलाहकारों की टीम देशभर के नेताओं से सीखने और उस पर अमल करने की रणनीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने सहकारी बैंकों से लिए गए किसानों के 50,000 रुपये तक के फसल ऋण माफ कर दिए हैं। सरकारी ऐलान के मुताबिक, जिन बड़े किसानों ने सहकारी बैंकों से फसल ऋण लिया है, उन्हें भी 5,000 रुपये की राहत दिए जाने की बात कही गई है।

राज्यसभा में डेब्यू और उपचुनावों की तैयारी

तमिलनाडु में 18 जून को राज्यसभा की एक सीट के लिए उपचुनाव होना है। मेलम विधानसभा सीट से चुने जाने के बाद सीवी शनमुगम ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री विजय उसी सीट के जरिए टीवीके की राज्यसभा में एंट्री करना चाहते हैं। चर्चा है कि टीवीके में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी यू सगायम को राज्यसभा भेजने पर विचार किया जा रहा है। तमिलनाडु में यू सगायम ईमानदारी और सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के खिलाफ अपने कड़े रुख के लिए मशहूर रहे हैं। उनकी ईमानदारी के कई किस्से सुनाए जाते हैं। खास बात यह है कि यू सगायम ऐसे अधिकारी हैं, जिनका 28 साल की सेवा में 25 बार तबादला हुआ। यू सगायम को राज्यसभा भेजकर मुख्यमंत्री थलपति विजय तमिलनाडु की जनता को संदेश देना चाहते हैं कि ▶8पर

बांग्लादेशी भारत छोड़ो!

शेल्टरों में भेजे जा रहे घुसपैठिये

"जो लोग CAA के दायरे में नहीं आते, उन्हें अवैध घुसपैठिया माना जाएगा। ऐसे लोगों को पुलिस गिरफ्तार कर बीएसएफ को सौंपेगी।

शुभेंदु अधिकारी
CM, पश्चिम बंगाल

नॉर्थ 24 परगना/मुर्शिदाबाद, 26 मई (एजेंसियां)।

बंगाल के सीएम शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को बांग्लादेशियों को देश छोड़कर जाने को कहा। उन्होंने कहा, राज्य में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें पुलिस को सौंपा जाए। इसके बाद बीएसएफ उनकी वापसी में मदद करेगी। उन्होंने कहा ˝जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना एक्शन लेंगे। हम घुसपैठियों को जेल भेजकर रोटी नहीं खिलाएंगे। वह दामाद नहीं हैं। उन्हें भगाया जाएगा। उनके (बांग्लादेश के) अधिकारी भी कह चुके हैं कि जो हमारे लोग होंगे, उन्हें ले लेंगे।

इधर, नॉर्थ 24 परगना में मंगलवार सुबह से ही 100 से ज्यादा विदेशी नागरिक हाकिमपुर चेक पोस्ट पर पहुंचे। दावा है कि यह लोग पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में अवैध तरीके से रह रहे थे। राज्य का मुर्शिदाबाद ऐसा पहला जिला बन गया है, जहां 3 बांग्लादेशी नागरिकों को होल्डिंग सेंटर भेजा गया है। तीनों को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 23 मई को शुभेंदु सरकार ने डिटेक्ट, डिलीट एंड डिपोर्ट पॉलिसी के तहत सभी जिलों को आदेश दिया कि संदिग्ध विदेशी नागरिकों और डिपोर्टेशन का इंतजार कर रहे घुसपैठियों के लिए होल्डिंग सेंटर बनाएं। इन सेंटर्स में पकड़े गए संदिग्ध विदेशियों को अधिकतम 30 दिन तक रखा जा सकेगा। इस दौरान उनके दस्तावेज, पहचान और नागरिकता की जांच होगी। ▶8पर

बंगाल में खेला

ममता के 6 विधायक भाजपा बैठक में, 100 पार्षद अलग

कोलकाता, 26 मई (एजेंसियां)।

बंगाल चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार के बाद पार्टी के भीतर हलचल जारी है। टीएमसी सांसद काकोली घोष ने खुलकर असंतोष जताना शुरू कर दिया है, जबकि टीएमसी नियंत्रित नगर निकायों में चल रही अंदरूनी कलह की वजह से सामूहिक इस्तीफों का दौर शुरू हो गया है। इस बीच मंगलवार को काकोली सहित पार्टी के छह विधायकों ने बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की प्रशासनिक समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। बंगाल के राजनीतिक गलियारों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। काकोली ने हाल ही में जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे समय में राज्य की बीजेपी सरकार के आधिकारिक मंच पर उनकी मौजूदगी ने राजनीतिक चर्चाओं को और हवा दे दी है। काकोली के अलावा इस बैठक में देगंगा से टीएमसी विधायक अनीसुर रहमान बिस्वास, स्वरूपनगर की बीना मंडल, हरोआ के मोहम्मद अब्दुल मतीन और बसीरहाट क्षेत्र के तीन अन्य विधायक भी शामिल हुए। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 27^0

ईरान पर यूएस का बड़ा हमला

इधर बात उधर लात

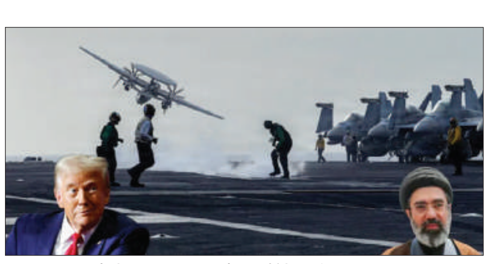

नई दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका के बीच एक तरफ युद्धविराम और शांति समझौते को लेकर बातचीत चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी सेना ने दक्षिणी ईरान में सैन्य कार्रवाई कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। अमेरिका ने दावा किया कि उसने उन ठिकानों को निशाना बनाया, जहां से ईरानी बल खदानें बिछाने और मिसाइल लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन सवाल उठ रहा है कि आखिर बातचीत के बीच अमेरिका ने हमला क्यों किया? विशेषज्ञों का मानना है कि इस हमले के पीछे सबसे बड़ी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण और ईरान पर दबाव बनाना हो सकता है। दरअसल, दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल होर्मुज स्ट्रेट से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल गुजरता है।

अगर ईरान इस इलाके में दबाव बनाता है या समुद्री गतिविधियां बाधित करता है, तो इसका सीधा असर वैश्विक तेल बाजार और पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि यह कार्रवाई रक्षात्मक थी और इसका मकसद अमेरिकी सैनिकों को ईरानी खतरों से बचाना था। हालांकि आलोचकों का कहना है कि यह हमला ऐसे समय में हुआ, ▶8पर

लाहौर ने पतली गली पकड़ी!

कट्टरपंथियों के दबाव में यू-टर्न

नयी दिल्ली, 26 मई (एजेंसियां)।

लाहौर की कई सड़कों और चौकों का नाम बदलने की घोषणा कर पाकिस्तान ने मुफ्त में खूब वाहवाही बटोरी। लेकिन पाकिस्तान की लाहौर सरकार ने अब कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक दिए हैं और अब लाहौर में कोई नाम नहीं बदला जाएगा। लाहौर प्रशासन ने पहले कहा था कि लाहौर के इस्लामपुरा इलाका एक बार फिर कृष्ण नगर बन जाएगा। इसी तरह बाबरी मस्जिद चौक का नाम बदलकर दोबारा जैन मंदिर चौक कर दिया जाएगा। इसके अलावा सुन्नत नगर को संत नगर और मुस्तफाबाद को फिर से धर्मपुरा के नाम से जाना जाएगा। लेकिन पाकिस्तान का ये सारा दावा खोखला निकला और इस तरह का कोई नाम नहीं बदला गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर की सड़कों और कई गलियों के मूल ऐतिहासिक नाम बहाल करने की अपनी योजना को टाल दिया है। ऐसा इसलिए किया गया ताकि कट्टरपंथी तत्वों की ओर से होने वाले विरोध से बचा जा सके।

लाहौर हेरिटेज एरियाज़ रिवाइवल (एलएचएआर) ने अपनी हाल ही में हुई बैठक में लाहौर और उसके आस-पास की सड़कों और गलियों के मूल ऐतिहासिक नाम बहाल करने को मंजूरी दे दी थी। इस बैठक की संयुक्त अध्यक्षता पीएमएल-एन के अध्यक्ष और तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ और उनकी बेटी, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज़ ने की थी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में मीडिया को ▶8पर

अमेरिका ने किया बड़ा हमला, समुद्री सुरंग बिछा रही नावों को उड़ाया

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अज्ञात स्थान पर गए

वाशिंगटन

पश्चिम एशिया में कुछ दिनों से थमी ईरान और अमेरिका की जंग एक बार फिर भड़क उठी है। अमेरिकी सेना ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में जोरदार सैन्य हमले किए हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में रणनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी सैन्य कमान का दावा है कि उसने यह कार्रवाई पूरी तरह आत्मरक्षा में की है। इस हमले में मुख्य रूप से ईरानी मिसाइल लान्च साइटों और समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने वाली विशेष नावों को निशाना बनाया गया है।

रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज समुद्री मार्ग से सटे ईरानी शहर बंदर अब्बास में सोमवार को कई जोरदार धमाके सुने गए। बताया जा रहा है कि अमेरिकी कार्रवाई के वक्त ईरानी नावें वहां बारूदी सुरंगें बिछाने का प्रयास कर रही थीं। इस भीषण हमले के तुरंत बाद ईरान ने अपने एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को हाई अलर्ट पर डाल दिया है।

अमेरिकी सेना ने यह सैन्य कार्रवाई ठीक ऐसे समय पर की है, जब दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर दावा किया है कि ईरान के साथ शांति स्थापित करने के लिए बातचीत काफी अच्छे ढंग से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हाकिन्स ने साफ किया कि दक्षिणी ईरान में ये हमले इसलिए किए गए ताकि अमेरिकी सैनिकों को ईरानी सेनाओं से होने वाले संभावित खतरों से बचाया जा सके। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिकी सेना दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष-विराम के दौरान पूरा संयम बरत रही है।

दूसरी ओर, राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति वार्ता के बीच ईरान और मध्यस्थता कर रहे अन्य देशों पर अब्राहम अकार्ड (अब्राहम समझौते) पर हस्ताक्षर करने का भारी दबाव बनाया है, जो इजरायल और अरब देशों के बीच राजनयिक व आर्थिक संबंध स्थापित करने से जुड़ा है। ट्रंप चाहते हैं कि सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्किये, मिस्र और जार्डन जैसे देश भी इस समझौते का हिस्सा बनें।

इस पूरे सैन्य और कूटनीतिक घटनाक्रम के बीच अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी है कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई इस समय किसी अज्ञात स्थान से देश का संचालन कर रहे हैं, जिसका बाहरी दुनिया से बहुत सीमित संपर्क है। खामेनेई से केवल संदेशवाहकों के एक बेहद जटिल नेटवर्क के माध्यम से ही संपर्क किया जा रहा है।

यही वजह है कि जब अमेरिका शांति समझौते से जुड़ी अपनी प्रस्तावित शर्तों का विवरण भेजता है, तो उसे सर्वोच्च नेता तक पहुंचाने और वहां से प्रतिक्रिया आने में लंबा समय लग रहा है। ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ईरान के सर्वोच्च नेता मसौदा समझौते की मौजूदा रूपरेखा पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो चुके हैं और उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में इस पर अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की उच्च अधिकारी सारा रोजर्स का नेपाल भ्रमण तय, शनिवार को पहुंचेंगी

काठमांडू। अमेरिका से उच्च अधिकारियों का एक और प्रतिनिधिमंडल नेपाल आने वाला है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय में सार्वजनिक कूटनीति मामलों की उप विदेशमंत्री सारा बी रोजर्स तीन दिवसीय नेपाल यात्रा के लिए शनिवार को काठमांडू पहुंचने वाली हैं।

बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद नेपाल आने वाली रोजर्स अब तक की सबसे वरिष्ठ अमेरिकी कूटनीतिज्ञ होंगी। सरकार गठन के बाद से अमेरिका की ओर से लगातार उच्चस्तरीय अधिकारियों के दौरे हो रहे हैं। इससे पहले 20 अप्रैल को दक्षिण और मध्य एशिया मामलों को देखने वाले अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री समीर पाल कपूर नेपाल आए थे। तीन दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने सत्तारूढ़ दल के अध्यक्ष रवि लामिछाने, विदेश मंत्री शिशिर खनाल और वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले से मुलाकात की थी। कपूर की यात्रा समाप्त होने के एक सप्ताह बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के विशेष दूत तथा भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी नेपाल पहुंचे थे। उन्होंने विदेश मंत्री खनाल और वित्त मंत्री वाग्ले के साथ बैठक की थी। दोनों अमेरिकी अधिकारियों से प्रधानमंत्री शाह ने मुलाकात नहीं की थी। उपविदेश मंत्री रोजर्स की प्रधानमंत्री शाह से मुलाकात होगी या नहीं, यह अभी तय नहीं हुआ है, हालांकि विदेशमंत्री शिशिर खनाल से मिलने की जानकारी दी गई है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री देउवा और उनकी पत्नी के गिरफ्तारी आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा और उनकी पत्नी डा. आरजू राणा देउवा की गिरफ्तारी के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति महेश शर्मा पौडेल और न्यायमूर्ति नित्यानंद पाण्डेय की संयुक्त पीठ ने सरकार के गिरफ्तारी वारंट के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया। देउवा दंपत्ति इस समय हांगकांग में हैं। इससे पहले इंटरपोल ने भी कथित तौर पर इस मामले में सरकार के अनुरोध पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। 19 मई को न्यायाधीश मेघराज पोखरेल की पीठ ने इसी मामले में कारण बताओ आदेश जारी करते हुए सरकार को 15 दिनों के भीतर लिखित जवाब पेश करने का निर्देश दिया था। मनी लान्ड्रिंग विभाग ने काठमांडू जिला अदालत से देउबा को गिरफ्तार करने की अनुमति प्राप्त की थी।

समुद्री तूफान के बाद दिखे लाखों की संख्या में जीव, लोगों में बढी दहशत

ब्यूनस आयर्स। कई बार प्रकृति ऐसे विचित्र नजारे सामने ले आती है, जिन्हें देखकर लोग हैरान और भयभीत हो जाते हैं। कुदरत अपने भीतर अनगिनत रहस्य समेटे हुए है और समुद्र की गहराइयों में छिपी दुनिया आज भी वैज्ञानिकों के लिए पूरी तरह अनसुलझी बनी हुई है। दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना से एक ऐसा ही चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां अटलांटिक महासागर में आए भीषण तूफान के बाद समुद्र तटों पर लाखों की संख्या में रहस्यमयी समुद्री जीव दिखाई दिए। इस अनोखी घटना ने स्थानीय निवासियों के साथ-साथ वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया है। यह घटना अर्जेंटीना के चुबुत प्रांत के तटीय शहरों कोमोडोरो रिवादाविया और प्यूर्टो मैड्रिन में देखने को मिली। यहां सुबह जब लोग समुद्र किनारे पहुंचे तो उन्होंने रेत पर हजारों अजीबोगरीब जीवों को रेंगते और तड़पते देखा। दूर-दूर तक फैले इन जीवों को देखकर लोगों में डर का माहौल बन गया। कई लोगों ने इसे किसी रहस्यमयी प्राकृतिक आपदा से जोड़कर देखा। इस दौरान एक स्थानीय नागरिक ने पूरे दृश्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद यह वीडियो तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में दिखाई देने वाले जीव बेलनाकार आकार के थे और उनकी बनावट बेहद विचित्र नजर आ रही थी। कई लोग इन्हें देखकर डर गए, क्योंकि इनका रूप सामान्य समुद्री जीवों से बिल्कुल अलग था। इसी बीच समुद्र तट पर एक और अनोखा जीव मिला, जो देखने में छोटे चूहे जैसा दिखाई दे रहा था। उसके शरीर पर घने रेशमी बाल और चमकदार कांटेदार परत मौजूद थी।

बुर्किना फासो से सोना नहीं ले जा सकेंगे दूसरे देश, विदेश दबदबा होगा खत्म

राष्ट्रपति ने कहा- सरकार का रहेगा कब्जा हम अपना सोना खुद निकालेंगे

बुर्किना फासो

अफ्रीका को लंबे समय से दुनिया को लूटती रही है। यहां का सोना-चांदी और हीरा यूरोप समेत दुनिया के कई देशों में जाता है, लेकिन पश्चिम अफ्रीका में बसा देश बुर्किना फासो इन दिनों ऐसा कदम उठा रहा है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। सोना उसके पास था, लेकिन कमाई विदेशी कंपनियां ले जाती थीं। अब बुर्किना फासो ने खेल पलट दिया है। देश की कई बड़ी सोने की खदानों पर स्थानीय कंपनियों और सरकार ने सीधा कब्जा दे दिया है। राष्ट्रपति इब्राहिम त्राओरे इसे आर्थिक संप्रभुता यानी अपनी संपत्ति पर अपना हक बता रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुर्किना फासो अफ्रीका के बड़े सोना उत्पादक देशों में गिना जाता है। लेकिन दशकों तक यहां का औद्योगिक खनन सेक्टर विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथ में रहा है। सोना जमीन से निकलता था, लेकिन मुनाफे का बड़ा हिस्सा बाहर चला जाता था। खास तौर से फ्रांस, यूके और कनाडा को। अब सरकार ने इस माडल को बदलना शुरू किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2025 के आखिर तक बुर्किना फासो की 15 सक्रिय औद्योगिक सोना खदानों में से 6 ऐसी हो गईं, जिनमें बहुमत हिस्सेदारी बुर्किनाबे कंपनियों की है। इनमें से 3 खदानों पर सरकार की कंपनी का नियंत्रण है। इसे दशकों पुराने विदेशी दबदबे से बड़ा ब्रेक माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति इब्राहिम त्राओरे पहले ही साफ कह चुके हैं, हम अपना सोना खुद निकालेंगे। 2023 में राष्ट्रीय गोल्ड रिफाइनरी प्रोजेक्ट लान्च करते समय उन्होंने यही संदेश दिया था। सरकार का कहना है कि खनन से मिलने वाला पैसा अब देश के अंदर ही रहेगा और उससे सड़क, उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास परियोजनाओं को फंड मिलेगा। बुर्किना फासो सिर्फ खदानों की हिस्सेदारी नहीं बदल रहा, बल्कि औपनिवेशिक दौर से चले आ रहे आर्थिक माडल को चुनौती दे रहा है। बात दें बुर्किना फासो कभी फ्रांस की कालोनी था। 1890 के दशक से 1960 तक यह फ्रेंच शासन के अधीन रहा। तब इसका नाम अपर वोल्टा था और यह फ्रेंच वेस्ट अफ्रीका का हिस्सा था। 5 अगस्त 1960 को इसे आजादी मिली। बाद में 1984 में राष्ट्रपति थामस संकारा ने इसका नाम बदलकर बुर्किना फासो रखा, जिसका मतलब है ईमानदार लोगों की भूमि। लेकिन राजनीतिक आजादी के बाद भी आर्थिक ढांचा काफी हद तक विदेशी कंपनियों और पश्चिमी प्रभाव के इर्द-गिर्द ही घूमता रहा। खासकर सोना, जो देश की सबसे बड़ी संपत्तियों में से एक है, उस पर विदेशी कंपनियों का दबदबा बना रहा। इब्राहिम त्राओरे का नाम अचानक दुनिया में नहीं उभरा। वे सेना के एक युवा कैप्टन थे। त्राओरे के समर्थक उन्हें अफ्रीका का नया पैन-अफ्रीकनिस्ट चेहरा बताते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने फ्रांस का प्रभाव कम किया, विदेशी कंपनियों की पकड़ ढीली की और संसाधनों पर देश का हक मजबूत किया।

जेलों में निकाल लिए जाते है किडनी, लीवर तथा फेफडे, चीनी कैदी का दावा

बीजिंग। चीन की जेलों में बंद कैदियों से जबरन अंग निकालने के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं, लेकिन अब एक पूर्व कैदी की आपबीती ने इन दावों को फिर सुर्खियों में ला दिया है। पूर्व कैदी चेंग पेई मिंग ने दावा किया है कि जेल में कैदियों को नशे का इंजेक्शन देकर बेहोश किया जाता था और फिर उनके शरीर से किडनी, लीवर तथा फेफड़ों जैसे महत्वपूर्ण अंग निकाल लिए जाते थे। चेंग के अनुसार वह स्वयं भी इस अमानवीय प्रक्रिया का शिकार बन चुके हैं। चेंग फालुन गोंग नामक आध्यात्मिक संगठन के अनुयायी रहे हैं। चीन सरकार ने वर्ष 1999 में फालुन गोंग को प्रतिबंधित कर उसे खतरनाक पंथ घोषित कर दिया था। इसके बाद संगठन से जुड़े लाखों लोगों को गिरफ्तार किया गया। चेंग को भी इसी अभियान के दौरान जेल भेजा गया था। उन्होंने बताया कि जेल में उन्हें लगातार शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गईं। एक दिन उन्हें जबरन अस्पताल ले जाया गया, जहां छह सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें पकड़कर इंजेक्शन लगा दिया। चेंग के मुताबिक जब उन्हें होश आया तो वह अस्पताल के बिस्तर पर पड़े थे। उनकी नाक में ट्यूब लगी हुई थी और वे बार-बार बेहोश हो रहे थे। उन्होंने देखा कि उनकी छाती पर बड़ा सर्जिकल चीरा लगा हुआ था और शरीर से खून मिश्रित तरल पदार्थ निकल रहा था। बाद में उन्हें पता चला कि उनके लीवर और फेफड़े का एक हिस्सा निकाल लिया गया है।

जिनपिंग के दौर से पहले किम लेंगे अहम बैठक, ट्रंप-दक्षिण कोरिया की बढ़ी टेंशन

बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उत्तर कोरिया के दौरे पर जाने वाले हैं, इससे पहले जून के आखिरी सप्ताह में किम जोंग उन की सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी आफ कोरिया (डब्ल्यूपीके) एक अहम बैठक करने जा रही है। मीडिया के मुताबिक वर्कर्स पार्टी की पालिटिकल ब्यूरो ने 9वीं सेंट्रल कमिटी की दूसरी प्लेनरी बैइक जून में आयोजित करने का फैसला लिया है। यह बैठक 2026 के पहले 6 महीनों में पार्टी और राज्य नीतियों की समीक्षा, दूसरे छमाही के कामकाज और कई अहम मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में उत्तर कोरिया अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील, मिसाइल कार्यक्रम और आर्थिक राहत पर अपनी नई पोजीशन तय कर सकता है। ट्रंप प्रशासन के साथ पिछले कुछ समय में अप्रत्यक्ष संवाद चल रहा है।

चीन इस प्रक्रिया में मध्यस्थ बनना चाहता है और दोनों देशों के बीच ब्रिज का काम करना चाहता है। नार्थ कोरिया के लिए ये दौरा अहम इसलिए है क्योंकि दक्षिण कोरिया के खिलाफ आक्रामक नीति में उसे किसी देश का मजबूत सहयोग चाहिए, खासतौर पर तब, जब दक्षिण कोरिया का रहनुमा अमेरिका बना है।

इस बैइक का समय खासतौर पर अहम है क्योंकि दक्षिण कोरियाई मीडिया योनहैप के मुताबिक, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते उत्तर कोरिया का दौरा कर सकते हैं। माना जा रहा है कि शी जिनपिंग, किम और ट्रंप के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने की कोशिश करेंगे। चीन के दौरे से ठीक पहले पार्टी की यह उच्चस्तरीय बैठक उत्तर कोरिया अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने और चीन के सामने एक मजबूत पोजीशन लेकर जाने के लिए बुला रहा है। चीन, उत्तर कोरिया को अमेरिका-दक्षिण कोरिया गठबंधन के खिलाफ बैलेंस के रूप में इस्तेमाल करता है और शी जिनपिंग के दौरे से पहले यह मीटिंग बीजिंग और प्योंगयांग के बीच रणनीतिक तालमेल बैठाने का मौका है। इसके अलावा बैठक में 2026 की दूसरी छमाही के आर्थिक लक्ष्य, खाद्य सुरक्षा और सैन्य आधुनिकीकरण पर भी फैसले हो सकते हैं। उत्तर कोरिया नियमित रूप से जून और दिसंबर में प्लेनरी मीटिंग करता है, लेकिन इस बार इसका समय बेहद संवेदनशील है।

चीन के तिब्बत स्वशासी क्षेत्र के उपाध्यक्ष के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल नेपाल पहुंचा

काठमांडू। चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्रीय सरकार के उपाध्यक्ष झाओ पेंग के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल पांच दिवसीय दौरे पर आज सुबह काठमांडू पहुंचा है। यह प्रतिनिधिमंडल हिमालयन एयरलाइंस की उड़ान संख्या एच 9775 से ल्हासा से काठमांडू पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में पाओ थिङ, थे चेन, काउ लिव, वु काङ और सिरेन याङ्जी सदस्य के रूप में शामिल हैं। काठमांडू स्थित चीनी दूतावास ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले, विदेश मंत्री शिशिर खनाल सहित अन्य अन्य नेताओं से मुलाकात करेगा। प्रतिनिधिमंडल, भक्तपुर और लुंबिनी का भी दौरा करेगा।

नेपाल के दो दो दिवसीय दौरे पर यूरोपीय देशों के राजदूतों का प्रतिनिधिमंडल काठमांडू पहुंचा

काठमांडू

भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के राजदूतों और उप मिशन प्रमुखों सहित 23 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल नेपाल दौरे पर आया है। इस उच्चस्तरीय दो दिवसीय यात्रा का उद्देश्य बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के साथ संबंधों को मजबूत करना बताया गया है।

नेपाल में यूरोपीय संघ की आवासीय राजदूत वेरोनिक लोरेंजो के नेतृत्व में यह प्रतिनिधिमंडल 26 मई से नेपाल भ्रमण पर है। ईयू ने इसे नई बालेन्द्र शाह सरकार से मुलाकात और नेपाल-ईयू के मजबूत संबंधों की पुन: पुष्टि का अवसर बताया है।

इस प्रतिनिधिमंडल की प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, विदेश मंत्री शिशिर खनाल, संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री खडग राज पौडेल और शिक्षा, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री सस्मित पोखरेल के साथ वार्ता होनी है।

प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के साथ यूरोपीय यूनियन के गैर आवासीय राजदूतों के साथ यह बैठक अप्रैल 8 को काठमांडू स्थित विभिन्न देशों के आवासीय राजदूतों के सामूहिक सम्मेलन के बाद दूसरी औपचारिक मुलाकात होगी।

राजदूत लोरेंजो ने कहा, यह मिशन नेपाल के प्रति यूरोपीय संघ की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम नई सरकार को बधाई देने, नेपाल की विकास प्राथमिकताओं के प्रति अपने समर्थन को दोहराने और व्यापार, निवेश, जलवायु कार्रवाई तथा बहुपक्षीय मुद्दों सहित सहयोग के नए अवसर तलाशने आए हैं। नेपाल स्थित यूरोपीय यूनियन प्रतिनिधि के बयान में कहा गया कि यूरोपीय संघ नेपाल के सबसे बड़े और विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय साझेदारों में से एक है।

इस प्रतिनिधिमंडल में आस्ट्रिया, बेल्जियम, बुल्गारिया, साइप्रस, चेक गणराज्य, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, नीदरलैंड्स, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, स्पेन और स्वीडन के राजदूत तथा उप राजदूत शामिल हैं।

भारत के दुश्मनों की चीन में जमकर हो रही खातिरदारी, भारत के लिए रणनीतिक चुनौती

बीजिंग

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इन दिनों बीजिंग में पाकिस्तानी नेताओं की विशेष खातिरदारी में जुटे हैं। हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर बीजिंग पहुंचे। हालांकि, इस दौरे का आधिकारिक उद्देश्य पश्चिम एशिया (ईरान-अमेरिका तनाव) में शांति स्थापित करने के रास्ते तलाशना बताया गया है, लेकिन धरातल पर दोनों देश अपना पुराना भाईचारा और कूटनीतिक गठजोड़ दिखाने में व्यस्त हैं। ग्रेट हाल आफ द पीपल में हुई बैठक के दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने शहबाज शरीफ को अपना पुराना मित्र और पाकिस्तान को एक अटूट दोस्त बताया।

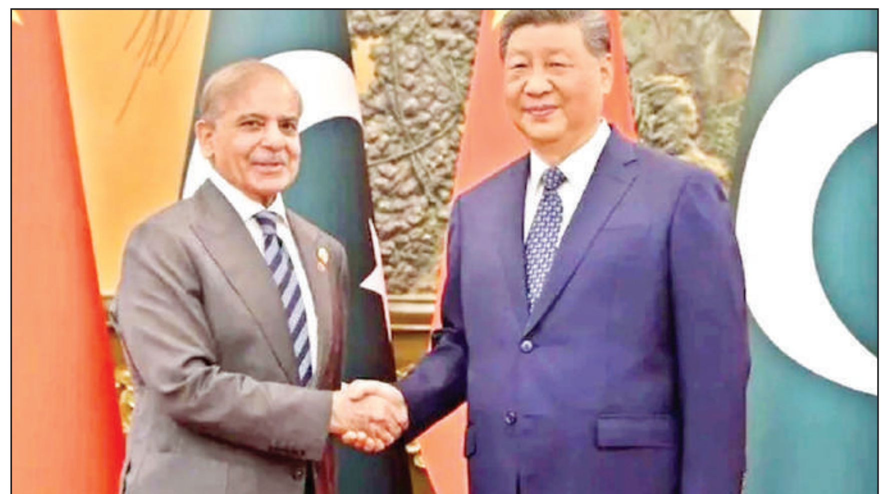

जिनपिंग ने अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता करने की कोशिशों के लिए पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भी खुलकर तारीफ की। दूसरी तरफ, शहबाज शरीफ ने भी पश्चिम एशिया की स्थिति पर चीनी प्रस्तावों की सराहना की और चीनी प्रधानमंत्री ली क्विंग से मुलाकात कर शांति बहाली के प्रयासों में चीन का सहयोग मांगा। दरअसल, पाकिस्तान इस क्षेत्र में मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है, लेकिन कोई बड़ी कामयाबी न मिलने के बाद उसने चीन का रुख किया है। चीन और पाकिस्तान का यह खुला प्रदर्शन भारत की रणनीतिक और सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाने वाला है। हाल ही में चीन ने पहली बार यह स्वीकार किया था कि वह एक सैन्य अभियान के दौरान भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद कर रहा था। ऐसे समय में जब ईरान-अमेरिका तनाव के कारण वैश्विक संतुलन डगमगा रहा है, चीन और पाकिस्तान की यह जुगलबंदी भारत के लिए दोहरे मोर्चे की चुनौती को और गंभीर बना सकती है। चीन, पाकिस्तान के जरिए इस पूरे क्षेत्र में अपनी कूटनीतिक और सैन्य पकड़ को मजबूत करना चाहता है।

इस बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के अगले चरण के काम में तेजी लाने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत शुरू से ही सीपीईसी का कड़ा विरोध करता रहा है, क्योंकि इस परियोजना का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत ने हमेशा स्पष्ट रुख अपनाया है कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है और वहां किसी भी देश द्वारा किया जाने वाला कोई भी निर्माण कार्य पूरी तरह अवैध है। इसके बावजूद, चीन इस परियोजना के माध्यम से वैश्विक कनेक्टिविटी पर अपना नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश में है, जो भारतीय संप्रभुता के लिहाज से एक बड़ा खतरा है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में फँसा सकती है। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। अगर आप खुले दिल से अपनी बात रखें, रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जीवन की गाड़ी को अच्छे से चलाना चाहते हैं तो आज आपको पैसे की आवाजाही पर विशेष ध्यान देना होगा। अगर आप अपने आकर्षण और होशियारी का इस्तेमाल करें, तो लोगों से मनचाहा व्यवहार पा सकते हैं। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आज आप एक ऐसी परियोजना पूरी कर राहत की सांस लेंगे, जिसे आपके बहुत पहले शुरू किया था। अगर आपके पास हालात से उबरने के लिए दृढ़ इच्छा-शक्ति है, तो कुछ भी असंभव नहीं है। जीवनसाथी के साथ वाद-विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता हैं हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ दिलचस्पी पैदा करेगा अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। रिश्तेदारों के यहाँ छोटी यात्रा आपके भागदौड़ भरे दिन में आराम और सुकून देने वाली साबित होगी। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। आज घर में किसी पार्टी की वजह से आपका कीमती समय बर्बाद हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

दोस्तों के साथ शाम सुखद रहेगी लेकिन ज़्यादा खाने से बचें। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने बच्चों को अपने उदार बर्ताव का बेजा फ़ायदा न उठाने दें। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। दूसरे आपसे काफ़ी ज़्यादा समय की मांग कर सकते हैं। उनसे किसी भी तरह का वादा करने से पहले यह देख लें कि आपका काम उससे प्रभावित न हो किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप महसूस करेंगे कि आस-पास के लोग बहुत ज़्यादा मांग करने वाले हैं। लेकिन जितना आप कर सकते हैं, उससे ज़्यादा करने का वादा न करें और केवल दूसरे को ख़ुश करने के लिए ख़ुद को तनाव से नहीं थकाएँ। अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। जो कला और रंगमंच आदि से जुड़े हैं, उन्हें आज अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फँसने से बचे रहेंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुजुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें आप जीतोड़ मेहनत और धीरज के बल पर अपने उद्देश्य हासिल कर सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सकारात्मक सोच के ज़रिए इस समस्या से निजात पाएँ। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। अपने प्रिय की बेजा मांग के आगे न झुकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें। आपकी शैली और काम करने का नया अन्दाज़ उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा, जो आप पर नज़दीकी से ग़ौर करते हैं। पूजा-पाठ का आयोजन घर मे होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है। आपका आकर्षक स्वभाव और ख़ुशमिज़ाज व्यक्तित्व नए दोस्त बनाने में आपकी मदद करेगा और आपके सम्पर्क में इज़ाफ़ा करेगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपनी ओर से सबसे अच्छा बर्ताव करने की ज़रूरत है, क्योंकि आपके प्रिय का मूड बहुत अनिश्चित होगा। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 मई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 06:24 तक
नक्षत्र : हस्त प्रात: 05:57 तक
योग : व्यतिपात प्रात: 03:24 तक
करण : विष्टि प्रात: 06:24 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 07:00 तक
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:45 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:41 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:34 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कमला एकादशी व्रत ,अधिक मास चालू है , भद्रा प्रात: 06:24 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का षष्ठम दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न

कथावाचक रसिया बाबा का हुआ सम्मान, लक्ष्मी सहस्त्रनाम अर्चना आयोजित

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल में श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा आयोजित पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का षष्ठम दिवस श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस व विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह महायज्ञ 21 मई से 27 मई तक आयोजित किया जा रहा है।

महायज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में श्री बजरंग प्रसाद गुप्ता एवं श्रीमती संतोष गुप्ता, श्री अंकित गुप्ता एवं श्रीमती भाविका गुप्ता तथा श्री योगेश गुप्ता एवं श्रीमती सांची गुप्ता उपस्थित रहे।

विभिन्न परिवारों ने निभाई यजमान की भूमिका

मंगलवार के यज्ञ के यजमानों में श्री बालाजी ग्रैंड बाज़ार के श्री अशोक कुमार अग्रवाल परिवार से श्री कुणाल अग्रवाल एवं श्रीमती निहारिका अग्रवाल, श्री किशन चंद सुरेश कुमार सिंघल परिवार से श्री सुरेश कुमार सिंघल एवं श्रीमती उषा सिंघल, श्री मुरारी लाल मनसाराम परिवार से श्री रुपेश कुमार गुप्ता एवं श्रीमती रश्मिका गुप्ता, श्री किशनचंद सुरेश कुमार सिंघल परिवार से श्री सौरभ अग्रवाल एवं श्रीमती सुलभा अग्रवाल, श्री ग्यारसी लाल महेश कुमार दिल्लीवाले परिवार से श्री अरुण कुमार अग्रवाल एवं श्रीमती एकता अग्रवाल उपस्थित थे।

इसी प्रकार श्री बद्रीप्रसाद गोविंद प्रसाद गुप्ता परिवार से श्री धनराज गुप्ता एवं श्रीमती सलोनी गुप्ता, श्री बद्रीप्रसाद गोपाल चंद गुप्ता परिवार से गोपाल कुमार गुप्ता एवं ज्योति गुप्ता, श्री पुष्कर लाल ओमप्रकाश टिबरेवाला परिवार से श्री अभिषेक टिबरेवाला एवं श्रीमती काजल टिबरेवाला, श्री रामकिशन राजेंद्र कुमार गुप्ता परिवार से श्री रितेश गुप्ता एवं श्रीमती प्रियंका गुप्ता, श्री अनसुखराय राजेंद्र कुमार बाज़ारी परिवार से श्री मोंटी अग्रवाल एवं श्रीमती कुसुम अग्रवाल तथा श्री सत्यनारायण बाजरंगलाल परिवार से श्री रितेश गुप्ता एवं श्रीमती नवीना गुप्ता ने यज्ञ में सहभागिता निभाई।

रसिया बाबा का शॉल एवं पुष्पहार से स्वागत

महायज्ञ स्थल पर प्रसिद्ध कथावाचक रसिया बाबा के आगमन पर मुख्य यजमान श्री रामप्रसाद बजरंग लाल परिवार एवं समिति पदाधिकारियों द्वारा उनका शॉल एवं पुष्पहार से सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल सहित अन्य यजमान उपस्थित रहे।

मध्याह्न में श्री लक्ष्मी सहस्त्रनाम अर्चना का आयोजन किया गया, जिसके यजमानों में महेश कुमार डाकोतिया, सीए रविंद्र कुमार अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, गुलाब चंद अग्रवाल, धनराज अग्रवाल, सौरभ सिंघल, योगेश गुप्ता, शंकर लाल अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, रूपेश अग्रवाल, अरुण कुमार दिल्लीवाला, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुनील कुमार गुप्ता एवं माणक गुप्ता शामिल रहे।

प्रसाद सेवा में भी रही श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी

प्रसाद सेवा के यजमानों में श्री प्रमोद कुमार आगरा वाले, श्री ताराचंद बंसल, श्री विजय कुमार अंजनेश सिंघानिया, श्री किशन चंद सुरेश कुमार सिंघल, श्री घनश्याम दास सुरेंद्र कुमार गोयल, श्री ललिता प्रसाद हनुमंत राय संघी, श्री मधुसूदन धीरज कुमार सोंथालिया तथा श्री ग्यारसी लाल सुभाष कुमार दिल्लीवाले प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सहमंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल, यज्ञ स्थल संयोजक माणक गुप्ता, कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, भूमि पूजन संयोजक राजेंद्र कुमार अग्रवाल एवं प्रसाद संयोजक कैलाश अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य अजय कुमार दोचानिया, ओमप्रकाश बंसल, सीए सुरेश कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता मुकुंद लाल सोंथालिया, महेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, सुरेंद्र कुमार गोयल, मनसाराम अग्रवाल, सुरेश कुमार टी. रामा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अन्य प्रमुख उपस्थितजनों में विनोद टिकमानी, अशोक कुमार अग्रवाल, विठ्ठल दास अग्रवाल, एस. राजेंद्र कुमार गुप्ता एवं प्रेम सिंह राठौड़ शामिल रहे। अंत में समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकर लाल अग्रवाल ने सभी सनातन प्रेमियों से महायज्ञ में पधारकर दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया।

भाजपा डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कैंप का शुभारंभ, कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने का आह्वान

बांसवाड़ा, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग कैंप के प्रथम दिवस का उद्घाटन मंगलवार को बांसवाड़ा शहर स्थित जीआरआर फंक्शन हॉल में जिला अध्यक्ष नीलम चिन्ना राजुलु द्वारा किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर दो दिनों तक आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण शिविर में कामारेड्डी जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों के मंडल अध्यक्षों सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नीलम चिन्ना राजुलु ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सीमा पर तैनात सैनिक की तरह संगठन के लिए कार्य करे तथा पार्टी को और अधिक मजबूत बनाए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करें, लोगों के साथ एकजुट होकर कार्य करें तथा अधिकारियों एवं सत्ताधारी दल के नेताओं के समक्ष जनसमस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाएं।

उन्होंने आगामी विधानसभा एवं लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए कार्यकर्ताओं से अभी से सक्रिय होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे जनआंदोलन किए जाएं, जिससे जनता का भाजपा के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री छरॲशपवॲर चेवळ द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

दादाजी रामप्रकाश अग्रवाल की सेवा साधना से प्रेरित हो रही नई पीढ़ी

राधे-राधे ग्रुप के अन्नदान में दिखा मानवता और संस्कारों का सुंदर संगम

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा, संस्कार और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में सेवाभावी सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे और जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान पूरे वातावरण में भक्ति, अपनापन और सेवा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्यों की सभी ने सराहना की और कहा कि यह संस्था आज समाज में मानवता, सहयोग और सनातन संस्कारों को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस अवसर पर सान्वी अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दादाजी रामप्रकाश अग्रवाल वर्षों से जिस निस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में लगे हुए हैं, वह पूरे परिवार और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि दादाजी ने हमेशा यह सिखाया कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल स्वयं के लिए जीना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाना भी है।

सान्वी अग्रवाल ने भावुक शब्दों में कहा कि उन्हें इस बात का बहुत गर्व है कि उनके दादाजी समाज सेवा और अन्नदान जैसे पुण्य कार्यों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि रामप्रकाश अग्रवाल हर छोटे-बड़े व्यक्ति को साथ लेकर चलते हैं और सभी को परिवार की तरह सम्मान देते हैं। यही कारण है कि राधे-राधे ग्रुप आज एक विशाल परिवार के रूप में समाज के बीच पहचान बना चुका है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को भी ऐसे सेवा कार्यों से जुड़ना चाहिए, क्योंकि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब युवा पीढ़ी अपने बड़ों के संस्कारों और सेवा भाव को अपनाती है, तब समाज मजबूत बनता है और सनातन संस्कृति को नई ऊर्जा मिलती है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्था समाज में प्रेम, भाईचारा, धार्मिक जागरूकता और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का निरंतर कार्य कर रही है। ग्रुप के माध्यम से अनेक परिवार सेवा कार्यों से जुड़ रहे हैं और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आ रहे हैं।

अन्नदान कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ सदस्यों ने समान रूप से भाग लेकर समाज को एकता और सहयोग का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राधे-राधे नाम संकीर्तन के साथ समाज में सेवा कार्यों को और अधिक बढ़ाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सान्वी अग्रवाल, लेहक अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत एवं जय प्रकाश सारडा सहित अनेक गणमान्य एवं सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

चिकित्सा जगत में भारत की 'महा-उड़ान'

हैदराबाद के मरीज की वूहान से रोबोटिक टेली-सर्जरी

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): भारतीय स्वास्थ्य सेवा और सर्जिकल नवाचार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। भारत की सबसे बड़ी सिंगल-स्पेशियलिटी यूरो/नेफ्रो अस्पताल श्रृंखलाएशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजिकल एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) के एक वरिष्ठ सर्जन ने हवाई मार्ग से 3900 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित एक मरीज की सफल रिमोट रोबोटिक-असिस्टेड सर्जरी (दूरस्थ रोबोट-सहायता प्राप्त सर्जरी) की है। यह सफलता भौगोलिक सीमाओं के पार विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने में टेली-सर्जरी की क्रांतिकारी क्षमता को प्रदर्शित करती है।

रोबोटिक सर्जरी ने सटीकता में सुधार करके और सर्जनों की कार्यकुशलता को तेजी से बढ़ाकर चिकित्सा देखभाल का चेहरा बदल दिया है। हालांकि, वास्तविक चुनौती अभी भी शहरी केंद्रों से परे कुशल प्रतिभाओं को तैयार करने की है। 5जी-सक्षम कनेक्टिविटी के साथ, भविष्य अब 'टेली-प्रॉक्टरिंग' में निहित है जहां विशेषज्ञ जटिल प्रक्रियाओं के दौरान दूर बैठकर भी सर्जनों का मार्गदर्शन करते हैं। यह हब-एंड-स्पोक मॉडल पहुंच को बढ़ाता है, यात्रा की आवश्यकता को कम करता है, और स्थानीय स्तर पर क्षमताओं को मजबूत करता है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करता है कि जवाबदेही और मरीज की देखभाल हमेशा पूरी तरह से ऑन-ग्राउंड (वहां मौजूद) ऑपरेटिंग सर्जन के हाथों में रहे। एआईएनयू में रोबोटिक एंड मिनिमल एक्सेस यूरोलॉजिकल सर्जरी के निदेशक, डॉ. सैयद मोहम्मद गौस ने वूहान (चीन) और हैदराबाद (भारत) को जोड़कर लगभग 3900 किमी (हवाई मार्ग) की दूरी से दुनिया की पहली टेली-रोबोटिक यूरेटेरिक रीइम्प्लांटेशन सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। यह प्रक्रिया टोंगजी अस्पताल और एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजिकल एंड यूरोलॉजी (एआईएनयू) के बीच एक ऐतिहासिक सहयोग का प्रतीक बनी।

हैदराबाद की रहने वाली एक 57 वर्षीय महिला मरीज लोअर यूरेटेरिक स्ट्रक्चर (मूत्रवाहिनी में संकुचन) के कारण बार-बार होने वाले यूरेटेरिक ऑबस्ट्रक्शन (मूत्र मार्ग में रुकावट) से पीड़ित थीं। स्टेंटिंग के माध्यम से कुछ समय के लिए राहत मिलने के बाद उनके लक्षण फिर से उभर आए थे, और आगे की जांच में लगातार ब्लॉकेज होने की पुष्टि हुई। इसके बाद, सर्जिकल टीम ने सामान्य मूत्र प्रवाह को बहाल करने के लिए एक 'एंटी-रिफ्लक्स यूरेटेरिक रीइम्प्लांटेशन' प्रक्रिया को अंजाम दिया। 100 मिलीसेकंड से भी कम की लेटेंसी (देरी) वाली उन्नत रोबोटिक तकनीक का उपयोग करके, इस सर्जरी को रियल-टाइम सटीकता के साथ पूरा किया गया।

हेड कॉन्स्टेबल बापूराव को श्रद्धांजलि दी

आसिफाबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के वांकिडी मंडल अंतर्गत बंबारा गांव निवासी जाड़ी बापूराव (1993 पुलिस बैच), जो रेब्बेन पुलिस स्टेशन में हेड कॉन्स्टेबल के पद पर कार्यरत थे, का सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया। मंगलवार को उनके पैतृक गांव बंबारा में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला एसपी नितिका पंत ने पहुंचकर दिवंगत हेड कॉन्स्टेबल को पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान एसपी नितिका पंत ने भावुक होकर शोक संतप्त परिवारजनों को सांत्वना दी तथा गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने पुलिस विभाग की ओर से अंतिम संस्कार हेतु तात्कालिक सहायता के रूप में 30,000 की राशि परिवार को प्रदान की। एसपी ने परिवार को भरोसा दिलाते हुए कहा कि पुलिस विभाग इस कठिन समय में उनके साथ मजबूती से खड़ा है और हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला अतिरिक्त एसपी चित्तरंजन, आसिफाबाद डीएसपी अशोक, जिला पुलिस संघ अध्यक्ष विजय शंकर रेड्डी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जानिये पंजाबी दुल्हनें क्यूं पहनती हैं चूडा

अगर आप किसी पंजाबी फ्रेंड की शादी में गई होंगी, तो आपने दुल्हन को चूडा पहने हुए जरुर देखा होगा। वैसे तो दुल्हनें ढेर सारी ज्वैलरी पहनती हैं मगर उनमें से चूडे का महत्व सबसे ज्यादा होता है। आज कल तो चूडा पहनने का रिवाज ना सिर्फ पंजाबियों में ही बलकि भारत के अलग अलग कोनों में भी होने लगा है।

साल भर तक पहनना होता है चूडा

पंजाबियों में शादी के दिन होने वाली दुल्हन के घर पर चूडा और कलीरा नामक सेरेमनी भी होती है। इन लाल रंग की चूडियों का आखिर इतना महत्व क्यूं है और इसे क्यों पहना जाता है, आज हम इसी के बारे में खुलासा करेंगे।

क्या है चूडे से जुड़ हुए रिवाज

चूडा सेरेमनी शादी की सुबह दुल्हन के घर पर ही होती है। दुल्हन के मामा, उसके लिये चूडा ले कर आते हैं, जिसमें लाल और सफेद रंगों की 21 चूडियां होती हैं। दुल्हन इस चूडे को तब तक नहीं दे पाती है जब तक की वह पूरी तरह से तैयार ना हो जाए और मंडप पर दुल्हे के साथ ना बैठ जाए।

पंजाबी रिवाज के हिसाब से दुल्हन को लगभग 1 साल तक चूडा पहनना होता है। हांलाकि आज कल दुल्हने ज्यादा से ज्यादा 40 दिनों तक ही इसे पहनती हैं।

चूडे का महत्व

चूडा, शादी शुदा होने का प्रतीक है। साथ ही यह प्रजनन और समृद्धि का संकेत भी होता है। यह पति की भलाई के लिए भी पहना जाता है।

चूडे की रस्म

दुल्हन को चूडा शादी के मंडप में ही उसकी मामा जी ही देते हैं। उस दौरान दुल्हन की आंखें उसकी मां बंद कर देती हैं।

जिससे वह चूडे को ना देख पाएं नहीं तो खुद उसी की नजर उस चूडे पर लग जाएगी। चूडे को शादी की एक रात पहले दूध में भिगो कर रखा जाता है।

चूडा उतारने की रस्म

पहले के जमाने में जब चूडा उतारना होता था तब घर पर छोटा सा आयोजन किया जाता था। उसमें दुल्हन को शगुन और मिठाई दी जाती थी और फिर चूडा उतार कर उसकी जगह पर कांच की चूडियां पहना दी जाती थीं। चूडे को किसी नदी के पास उतारा जाता था और छोटी सी पूजा के बाद नदी में ही उसे बहा दिया जाता था।

कलीराकी रस्म

हर पंजाबी दुल्हन अपनी चूडियों में कलीरा बांधती है जो उसकी प्रिय सहेलियों ने बांधा होगा। कलीरा की सेरेमनी ठीक चूडा सेरेमनी के बाद होती है।

जब सिर पर गिरे कलीरा

एक बार जब कलेरी दुल्हन की चूडियों के साथ बांध दी जाती है, तब उसे अपने हाथों को अपनी सिंगल सहेलियों के सिर पर झटकना होता है। फिर कलीरा जिसके सिर पर भी गिरती है, शादी का नेक्सट नंबर उसी का होता है।

अपने घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर करने के लिये अपनाएं ये उपाय

घर, जिससे हम ना चाह कर भी कुछ नहीं छुपा सकते। इसकी रंगीन दीवारे चुपके से हमारी सीरी बाते सुन रही हैं, हवा में लहराते पर्दे हमारी खुशियों में झूम रहे हैं। बिसतर पर बिछी चादर खुद में हमारे आंसूओं को समेट रही है और घर के दरवाज़े, आने वाल हर शख्स की आहट को पहचानते हैं।

घर इतने करीब रह कर हमारा घर स्वयं में हमारी नकारात्मक ऊर्जा को समेट लेता है जो कई बार हमारी उदासी या जीवन में पैदा होने वाली रूकावटों का कारण बनते हैं।

ऐसी नकारात्मक ऊर्जा को घर से बाहर निकालने के लिए हम आपके लिए कुछ उपाय ले कर आए हैं। तो अगर आपको भी ऐसा लगता है कि घर में घुसते ही तनाव का माहौल भर उठता है और मन में उदासी होने लगती है तो आपको जरुर आजमाने चाहिये ये तरीके।

1 घर की पेंटिंग कराएँ

हमारी नकारात्मक ऊर्जा केवल हमारे साथ नहीं चलती बल्कि हम जिन चीजों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बस जाती है। घर के पर्दे, दीवारे या घर का फर्नीचर हमें हमारे मुश्किल वक्त का एहसास कराता रहता है, जैसे उस ने भी वह पल जीया हो।

अत: अगर आप किराए पर घर ढूंढ रहे हैं तो बेहतर होगा कि एक वेल फर्निश्ड घर की बजाय एक खाली मकान खरीदें।

घर में प्रवेश करने से पहले मकान मालिक से कह कर घर की पेंटिंग कराएं तथा प्रवेश करने से एक दिन पहले पूरे घर में नमक के पानी से पोछा लगाएं एवं घर के दरवाजे एवं खिडकियों को भी अच्छे से पोछें।

2 ताजी हवा एवं धूप

सूरज की किरणों घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाने में बहुत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। घर की सारी खिडकियों व दरवाजों को खोलें और ताजी हवा को अंदर आने दें। आप चाहें तो पंखा भी चला सकते हैं।

3 नमक के पानी से फर्श पोछें

एक बाल्टी पानी में एक कप मोटा नमक डालें और इस पानी से पूरे घर में पोछा लगाएं। नमक को काफी शुभ माना जाता है तथा कुछ लोग घर खाली करते वक्त घर में नमक छोड कर जाते हैं। नमक आपके घर में नकारात्मकता को प्रवेश करने से रोकता है। यदि आप अपने घर के माहौल को सकारात्मक बनाए रखना चाहते हैं तो माह में एक दिन इस नमक वाले पानी से अपने घर में पोछा लगाएं।

4 अगरबत्ती या धूप जलाएं

अगरबत्ती और धूप में मौजूद खुशबू आपके घर को महक से भर देगी। ये सुगंधित चीजें आपके घर को एक नई ऊर्जा के साथ भरती हैं।

5 तिल का तेल जलाएं

कहते हैं कि तिल के तेल को जलाने से आपके आस-पास बुरी शक्तियां नहीं भटकती। यह काला जादू को भी विफल करने की शक्ति रखता है।

6 भजन सुनें व गायत्री मंत्र का उच्चारण करें

यदि आपको कोई मंत्र या शल्को आता है तो रोज सुबह नहाने के बाद उसका उच्चारण करें। घर के वातावरण को भक्तिमय बनाने के लिए किसी भजन गायक की सीडी चलाएं। इस तरह आपका मन शांत रहेगा एवं आप अपने दिन की शुरूआत सही तरीके से कर पाएंगे। यह आदत आपके ध्यान को केंद्रित रखती है एवं आपके मन में बुरे विचारों को पनपने से रोकती है। चाहे तो इसे आजमा कर देख सकते हैं।

7 पूजा व हवन

घर में प्रवेश करने से पहले भगवान का आशीर्वाद लें। इसके लिए आप किसी पंडित को बुलाकर हवन या पूजा करवाएं। भगवान के आशीर्वाद से रखा गया पहला कदम आपके लिए शुभ साबित होगा।

8 ध्यान

ध्यान, आपके विचलित मन को शांति से भरता है। ध्यान करने के बाद व्यक्ति को सुकून महसूस होता है। प्राणायाम वायु के माध्यम से आपके शरीर में मौजूद अशुद्धियों को बाहर निकालता है। प्राणायाम से आप अपनी भावनाओं पर काबू पा सकते हैं।

9 बेकार पडी चीजों को दान करें

अक्सर हमारे पास पुरानी चीजों का अंबार लगा होता है। इन पुरानी चीजों के साथ हमारी पुरानी यादें भी जुडी होती हैं। कुछ अच्छी तो कुछ बुरी। जब तक आप पुरानी चीजों को निकाल बाहर नहीं करेंगे नई चीजों के लिए स्थान नहीं बनेंगे। आप चाहें तो इन चीजों को दान में दे सकते हैं या बेच भी सकते हैं।

10 अपने घर को व्यवस्थित रखें

घर के कोनों की अच्छे से सफाई करें तथा टूटी व बेकार पडी चीजों को बाहर फेंके। अपने घर को साफव सही ठंग से सजाकर रखें क्योंकि खूबसूरत वस्तु अपनी जगह पर सजी अच्छी लगती है। ऐसे सजे हुए घर में बैठकर आपको भी अच्छा महसूस होगा और इसका सीधा प्रभाव आपके मन पर पडेगा।

सत्य का ज्ञान

जाबाल के पुत्र सत्यकाम गुरुकुल में रहकर ब्रहम के सत्य के बारे में जानना चाहते थे। मां जाबाल की आज्ञा लेकर वे गौतम ऋषि के आश्रम चले आए। ऋषि ने चार सौ दुर्बल गायों को उन्हें सौंपते हुए कहा, 'वत्स। इन गायों के स्वस्थ होने के साथ-साथ जब इनकी संख्या भी बढ जाए , तब मेरे पास आ जाना। सत्यकाम उन गायों को लेकर तुरंत वन चले गए। दिन-रात गायों की हिंसक पशुओं से सुरक्षा और उनकी देखभाल ही उनकी साधना बन गई।

जंगल की खुली हवा, ताजा घास और स्वच्छ पानी मिलने के कारण समय के साथ न केवल गायें पूरी तरह स्वस्थ हो गईं, बल्कि उनकी संख्या भी पूरी एक हजार हो गई। गायों के निंरतर ध्यान, शुद्ध एवं शांत वातावरण ने सत्यकाम को पूरी तरह एकाग्रचित्त बना दिया। उनकी सेवा रूपी तपस्या से ईश्वर उन पर प्रसन्न हुए और उन्हें ब्रहम का ज्ञान हो गया। जब वे गायों को लेकर आश्रम पहुंचे, तो उनकी उपलब्धियां देखकर आचार्य अत्यंत प्रसन्न हुए। तब सत्यकाम ने उनसे ब्रहमज्ञान का उपदेश देने का आग्रह किया। इसके जवाब में आचार्य ने कहा कि तुम्हें सत्य का ज्ञान हो गया है। अब और किसी उपदेश की जरूरत नहीं है। तब सत्यकाम ने उनसे कहा कि वह अपने गुरु के मुख से सत्य को, ब्रहम को जानना चाहते हैं। इस तरह उन्होंने आचार्य से संपूर्ण ज्ञान प्राप्त किया। सत्यकाम पूर्ण ज्ञानी होकर वापस घर आ गए और शांति के साथ अपने धर्म का पालन करने लगे।

भूल कर भी न करें ये 5 काम, इनसे मिलता है अपमान

जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब मान-सम्मान की रक्षा के लिए लोगों ने अपने प्राण भी गंवा दिए।

इसके विपरीत कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें उनके बुरे कामों के कारण जीवन में कभी न कभी अपयश यानी अपमान का सामना करना पडता है। गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पडता है। आज हम आपको उन्हीं कामों के बारे में बता रहे हैं। गरुण पुराण के अनुसार वो 5 काम इस प्रकार हैं-

शलोक-

दाता दरिद्रः कृपणोर्थयुक्तः पुत्रोविधेयः कुजनस्य सेवा।
परापकारेषु नरस्य मृत्युः प्रजायते दुश्चरितानि पञ्च।।

अर्थात - 1. दरिद्र होकर दाता होना, 2. धनवान होने पर भी कंजूस होना, 3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना, 4. दुष्ट लोगों की सेवा करना तथा 5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना। इन 5 कामों से अपमान ही मिलता है।

1. दरिद्र होकर दाता होना

जब कोई गरीब व्यक्ति अपनी हैसियत से अधिक दान देता है तो उसे व उसके परिवार को धन से संबंधित अनेक समस्याओं का सामना करना पडता है। यदि ऐसा वह बार-बार करता है तो कई बार स्थिति बहुत ही कठिन हो जाती है। ऐसा कुछ लोग दूसरों को दिखाने के लिए भी करते हैं, लेकिन इस दिखावे में वह यह भूल जाते हैं कि इसके कारण उसके परिवार को परेशानी हो सकती है। इसलिए दान देते समय अपनी आर्थिक स्थिति जरूर देख लेना चाहिए, नहीं तो आगे जाकर अपमान का सामना करना पड सकता है।

2. धनवान होने पर भी कंजूस होना

अगर आपके पास पर्याप्त धन है और फिर भी आप कंजूस हैं तो इसके कारण भी आपको अपमानित होना पड सकता है। सोच-समझकर पैसा खर्च करना अच्छी बात है, लेकिन जब ये जरूरत से ज्यादा हो जाता है तो आप कंजूस की श्रेणी में आ जाते हैं। जिस जगह जितना खर्च करना जरूरी है, उतना तो करना ही चाहिए। अगर आप वहां से भी पैसा बचाने की कोशिश करेंगे तो लोग आपको कंजूस ही समझेंगे। कंजूस लोगों को अपनी इस आदत के कारण कई बार अपमान का सामना करना पडता है। इसलिए पैसों का सही उपयोग करें, लेकिन कंजूस न बनें।

3. पुत्र का आज्ञाकारी न होना

जिस व्यक्ति का पुत्र उसके कहने में नहीं होता, उसे भी परिवार, समाज के सामने अपमानित होना पडता है। पुत्र आज्ञाकारी नहीं होगा तो वह अपनी मनमानी करेगा। कई बार ऐसे पुत्र कुछ ऐसा काम कर देते हैं, जिसके कारण न सिर्फपिता को बल्कि पूरे परिवार व कुटुंब को ही अपमान झेलना पडता है। ऐसे एक नहीं कई उदाहरण देखने को मिलते हैं, जहां पुत्र के कारण पिता को अपमानित होना पडा जैसे- दुर्योधन के कारण धृतराष्ट्र का राजपाठ ही नहीं बल्कि पूरे परिवार का ही नाश हो गया। इसलिए कहते हैं कि पुत्र आज्ञाकारी हो तो इससे बडा सुख दुनिया में और कोई नहीं है। और यदि पुत्र अपने पिता की बात नहीं मानता तो इससे बडा कोई दुख नहीं है।

4. दुष्ट लोगों की सेवा करना

जो लोग दुष्ट यानी बुरे काम करने वाले लोगों के साथ रहते हैं व उनकी सेवा करते हैं अर्थात उनकी बात मानते हैं, ऐसे लोगों को भी अपने जीवन में कभी न कभी अपमानित जरूर होना पडता है। जो लोग बुरे काम करते हैं, वे हमेशा अपने निजी स्वार्थ के बारे में सोचते हैं। जरूरत पडने पर वह अपने साथी को भी बलि का बकरा बना सकते हैं। जिस दिन इन लोगों की सच्चाई सामने आती हैं इनके परिवार वालों की भी शर्मिंदा होना पडता है। उनके साथ-साथ ऐसे लोगों के साथ रहने वाले लोगों भी अपमानित होना पडता है। इसलिए बुरे काम करने वाले लोगों से दूर रहने में भलाई है।

5. किसी का अहित करते हुए मृत्यु होना

अगर किसी का नुकसान करते हुए आपकी मौत हो जाती है तो ये भी अपमान का कारण है। हालांकि मृत्यु के बाद मान- अपमान का कोई महत्व नहीं रह जाता, लेकिन आपकी सालों से कमाई इज्जत पर इसका असर जरूर पडता है। आपके परिवार व आने वाली पीढियों को भी आपके द्वारा किए गए इस काम के कारण शर्मिंदा होना पड सकता है। इसलिए कभी भी किसी का नुकसान नहीं करना चाहिए , यहां तक कि सोचना भी नहीं चाहिए।

गरुड पुराण में कुछ ऐसे कामों के बारे में बताया भी गया है, जिसके कारण व्यक्ति को अपमानित होना पडता है। जीवन में मान-सम्मान का बहुत महत्व है। यह भी कहा जाता है कि जिस व्यक्ति का घर-परिवार, समाज आदि में कोई मान-सम्मान नहीं होता उसे जीते-जी मरे हुए के समान समझना चाहिए।

मानसिक शांति के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू पंचांग में भाद्रपद माह की अमावस्या तिथि को कुशोत्पाटिनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष यह एकादशी 12 सितंबर के दिन है। इस एकादशी को कुशग्रहणी अमावस्या भी कहते हैं। इस दिन वर्ष भर किए जाने वाले धार्मिक कार्यों तथा श्राद्ध आदि कार्यों के लिए कुश (एक विशेष प्रकार की घास, जिसका उपयोग धार्मिक कार्यों में किया जाता है) एकत्रित किया जाता है। शास्त्रों में दस प्रकार के कुशों का वर्णन मिलता है।

कुशाः काशा यवा दूर्वा उशीराच्छ सकुन्दकाः। गोधूमा ब्राहमयो मौन्जा दश दभा : सबल्वजाः।।

कुशोत्पाटिनी एकादशी का महत्व हिंदू पौराणिक ग्रंथों में अमावस्या तिथि का स्वामी पितृदेव को माना जाता है। इसलिए इस दिन पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान-पुण्य का महत्व है।

जब अमावस्या के दिन सोमवार, मंगलवार और गुरुवार के साथ जब अनुराधा, विशाखा और स्वाति नक्षत्र का योग बनता है, तो यह बहुत पवित्र योग माना गया है।

यह मिलता है फल

कुशाग्रहणी अमावस्या के दिन तीर्थ, स्नान, जप, तप और व्रत के पुण्य से ऋण और पापों से छुटकारा मिलता है। इसलिए यह संयम, साधना और तप के लिए श्रेष्ठ दिन माना जाता है। यह व्रत एक वर्ष तक किया जाता है। जिससे मानसिक शांति मिलती है।

स्टडी रूम के दक्षिण-पूर्व में लगाएं मनीप्लांट

फेंगशुई का उपयोग आज कल बहुत तेजी से बढ गया है। खासकर लोग इनको अपनी समस्यायों के समाधान के लिए ज्यादा प्रयोग करते हैं, फेंगशुई का प्रयोग हम एकाग्रता बढाने के लिए भी कर सकते हैं, जानते हैं कैसे।

- अपनी स्टडी रूम में हरे पर्दों का प्रयोग करें। स्टडी रूम या घर में कहीं टूटे खिलौने हैं तो उन्हे तुरंत हटा दें, क्योंकि इनसे उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा नाक, कान, गला व आंख के इंफेक्शन का कारण होती है।
- स्टडी रूम व घर में कहीं भी बंद घडियां नहीं होनी चाहिए , क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करती हैं और अगर किसी कारण से आप इन्हें फेंकना या बेचना नहीं चाह रहे हैं तो इन्हे ठीक करा लें।
- अपनी टेबल पर ग्लास, क्रिस्टल की वस्तुएं रखें जैसे कांच के हनुमान जी, गणेश जी, पिरमिड, प्रिज्म, और एजुकेशन टावर रखें।
- सकारात्मक ऊर्जा और पढाई में एकाग्रता के लिए पढाई के कमरे के दक्षिण-पूर्व कोने में मनी प्लांट लगाएं तथा उत्तर-पूर्व दिशा में फिश एक्वेरियम रखें।
- विधार्थी अपनी स्टडी टेबल पर ईशान कोण में ग्लास हैंडीक्राट की मूर्ति रखें, इससे शिक्षा और ज्ञान में वृद्धि होती है व अपेक्षित परिणाम मिलते है। उनके मित्र भी सक्रिय होकर उनकी मदद करते हैं।
- विधार्थी अपनी पूर्व की दीवार साफ-सुथरी रखें। हरा बल्ब, हरा पौधा, हरा पिरामिड पूर्व में रखें। बैंबू प्लांट भी रख सकते हैं।
- स्टडी रूम के लिहाज से पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा का कमरा बेहतर माना जाता है। साथ ही अगर बच्चा ईशाण कोण या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुंह करके पढता है तो परिणाम बेहतर होंगे। ऐसे में कमरे की इस दिशा में क्वाट्र्ज क्रिस्टल को रखें। इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहेगा।
- शतरंज-रणनीति, किताबें-अध्ययन, पेंटिंग-रचनात्मकता और बांसुरी-संगीत का प्रतिनिधित्व करता है। लिहाजा स्टडी रूम के उत्तर-पूर्व दिशा में इन चिन्हों को रखने से शैक्षणिक सफलता मिल सकती है।
- कई बार कमरे में सारी चीजें सही दिशा और सही जगह पर रहने के बाद भी सकारात्मक प्रभाव नहीं मिलता। ऐसे इसलिए होता है कि क्योंकि कमरे में स्थिरता आ जाती है। ऐसे में कमरे को पुन:व्यवस्थित करें और चीजों को नए क्रम में सजाएं। साथ ही सप्ताह में एक बार बच्चों के स्टडी रूम में नमक के पानी से पोछा लगाएं। इससे भी कमरे में पॉजिटिव माहौल बना रहता है।
- बच्चों के अध्ययन कक्ष में यदि आईना है तो उसे इस तरह से न रखें कि पढाई करते वक्त उसमें बच्चों की परछाई पडे, क्योंकि इससे बच्चों की पढाई का बोझ दोगुना हो सकता है।

ऐसा करेंगे तो शिव होंगे जल्द प्रसन्न

देवों के देव महादेव सबसे जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं।

शिव पूजा करते समय बिल्वपत्र, कमल, कुश, दुर्वा, धतूरा, आक, कनेर, श्रंगार, शमी, शहद, दुग्ध, कुषा, ईख, गंगा जल, और ऋतु फल के रस से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने से भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि श्रावण माह में यदि शिव को प्रसन्न करना है, तो उनकी आराधना जरूर करनी चाहिए।

इसीलिए सप्ताह के सातों दिन शिव की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि रविवार को शिव आराधना करने से पाप का नाश होता है। सोमवार को शिवलिंग की पूजा करने पर धन लाभ, मंगलवार को शिवपूजा करने पर स्वास्थ्य लाभ मिलता है। बुधवार को शिवपूजा करने से संतान प्राप्ति होती है।

गुरुवार को शिव की आराधना करने से आयु में वृद्धि होती है। शुक्रवार को शिव की पूजा करने पर इंद्रिय सुखों की प्राप्ति होती है और शनिवार को भगवान शिव की आराधना करने पर मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। श्रावण माह में सप्ताह के सातों दिन पूजा करने पर भगवान शिव जरूर प्रसन्न होते हैं।

मोलर गर्भधारण बन सकता है समस्या का कारण

मोलर गर्भधारण, गर्भावस्था की एक दुर्लभ समस्या को कहा जाता है। यह समस्या गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की गलती या कमी रह जाने के कारण उत्पन्न होती है, जिस कारण से नाल का निर्माण करने वाली कोशिकाओं में खराबी आ जाती है।

मोलर गर्भधारण मोलर गर्भाधान को कभी-कभी हाइडेटिडिफॉर्म मोल भी कहा जाता है। जो कि गेस्टेशनल ट्रोफोब्लास्टिक ट्यूमर्स नाम की कई स्थितियों के समूह का एक हिस्सा होता है। सामान्यतः ये हानिकारक नहीं होते हैं। यह गर्भाशय से आगे तक भी फैल सकते हैं। हालांकि इनका अपचार किया जा सकता है। भ्रूण के विकास में आने वाली समस्या गर्भधारण की दर को कम करने वाली विकृति में मोलर गर्भधारण भी एक है। यह समस्या आमतौर पर गर्भाधान के दौरान निषेचन में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उत्पन्न होती है। मोलर गर्भाधान हाइडेटिडिफॉर्म मोल के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य गर्भावस्था में निषेचित अंडे में पिता और मां दोनों के 23-23 क्रोमोजोम मौजूद होते हैं। लेकिन, एक संपूर्ण मोलर गर्भाधान में निषेचित अंडे में माता का कोई क्रोमोजोम नहीं होता, किंतु पिता के शुक्राणुओं की संख्या दोगुनी हो जाती है। जिस कारण से पिता के क्रोमोजोम की संख्या भी दुगुनी हो जाती है। ऐसा होने पर निषेचित हुए अंडे में माता का एक भी क्रोमोजोम नहीं होता पर पिता के क्रोमोजोम के 2 सेट आ जाते हैं।

जानें कुछ और ऐसी ही महत्वपूर्ण बातें

- मोलर गर्भधारण की स्थिति में महिला का कोई क्रोमोसोम निषेचित अंडे में मौजूद नहीं होता और पुरूष के शुक्राणुओं की संख्या अधिक होने से क्रामोजोम की संख्या दुगुनी हो जाती है।
- मोलर गर्भधारण होने पर त्रुटिपूर्ण ऊतकों का गुच्छा बनने लगता है जो कि अल्ट्रासाउंड में आसानी से दिखाई देता है।
- बी रक्त वाली महिलाओं में मोलर गर्भधारण की आशंका ज्यादा होती है।
- मोलर गर्भधारण में शुरूआती अवस्था सामान्य गर्भधारण के लक्षणों जैसी ही होती है लेकिन कुछ समय के अंतराल के बाद रक्तस्राव होने लगता है।
- गर्भावस्था में रक्तस्राव हमेशा किसी गंभीर रोग का लक्षण नहीं होता, पर यह मोलर गर्भधारण का लक्षण हो सकता है।
- मोलर गर्भधारण के बारे में आप अल्ट्रासाउंड स्कैन के माध्यम से पता कर सकते है।
- मोलर गर्भधारण का पता रक्तजांच के माध्यम से एचसीजी स्तर पता करके भी लगा सकते हैं। ऐसे में एचसीजी स्तर अधिक तेजी से बढ़ने लगता है।
- मोलर गर्भधारण के दौरान 6 से 16वें हफ्ते के बीच रक्त स्राव शुरू हो जाता है और उल्टियां आने लगती हैं, उदर में सूजन आना इत्यादि लक्षण भी दिखाई देने लगते हैं।
- मोलर गर्भधारण का पता चलने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- मोलर गर्भधारण में त्रुटिपूर्ण ऊतकों को हटाया जाता है जिसके लिए डी एंड सी (डायलेशन एंड क्युरेटेज) शल्य-चिकित्सा की जाती है या फिर दवाईयों के जरिए भी इसे दूर किया जा सकता है।
- इलाज के बाद दोबारा मोलर गर्भधारण न हो, इसके लिए लगभग 6 महीने तक निगरानी रखना आवश्यक है।
- मोलर गर्भधारण के इलाज के दौरान दोबारा गर्भधारण के लिए कुछ समय का अंतराल जरूरी है। जैसे 6 महीने तक लगातार जांच उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर ही पुन: गर्भधारण की सोचें।

कैसी हो पानी की बोतल...

अक्सर लोग बोतल से पानी पी लेते हैं तो कुछ लोग प्लास्टिक के गिलास में पानी पीते हैं। बोतल और गिलास में बहुत वैराइटी आती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी बोतल पानी पीने के लिए हेल्दी हैं। बीपीए यानी बिसफेनोल ए एक खतरनाक रसायन है जो कि पानी के साथ मिलकर काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए जब भी आप प्लास्टिक की बोतल खरीदें तो इस बात का ध्यान रखें की आपकी बोतल बीपीए मुक्त हो। कांच की बोतल को नैचुरल चीजों जैसे लाइम और रेत से बनाया जाता है। इसलिए कांच की बोतल का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकता है। कांच की बोतल में पानी कितने ही दिन तक रखें लेकिन पानी का स्वाद नहीं बदलता जबकि प्लास्टिक की बोतल में पानी का स्वाद बदल जाता है। सूरज की किरणों से प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन काफी जल्दी पानी में मिल जाता है। ऐसे में प्लास्टिक की बोतल में पानी है तो उसे धूप से बचाएं। प्लास्टिक की बोतल को यदि ठीक से साफ ना किया जाए तो उसमें जीवाणु पैदा हो जाते हैं। वैसे भी प्लास्टिक से ज्यादा कांच की बोतल साफ करना ज्यादा आसान होता है। छोटे बच्चों को भी कांच की बोतल से ही दूध पिलाना बेहतर होता है। यूं तो कांच की बोतल टूटने का डर बरकरार रहता है। ऐसे में आप ऐसी कांच की बोतल लें जिस पर सिलिकॉन की एक परत चढ़ी हो जो कांच को जल्दी टूटने से बचाती हैं। प्लास्टिक की बोतल को साफ करने के लिए कड़े क्लीनर्स का इस्तेमाल न करें। खासतौर पर उन बोतलों को जिनमें पॉलीकार्बोनेट हो क्योंकि इससे पॉलीकार्बोनेट जल्दी टूटता हैं। गर्म पानी या तरल पदार्थों को प्लास्टिक की बोतलों में न रखें क्योंकि प्लास्टिक की बोतल में मौजूद रसायन इनमें मिक्स हो जाता है जिससे तरल पदार्थ खराब होने की आशंका रहती है। हर तरह की प्लास्टिक की बोतल को दोबारा इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। जैसे कोल्ड ड्रिंक्स की बोतल, मिनरल पानी की बोतल। यदि आप गौर करेंगे तो इन बोतलों के नीरे सिरे पर एक त्रिकोण बना होता है जिस पर 1 लिखा होता है। इसका मतलब है कि इस बोतल का इस्तेमाल सिर्फ एक बार हो सकता है। इन बोतलों का दोबारा इस्तेमाल करने से आप बीमारियों को बुलावा दे रहे हैं।

एक वक्त था जब लड़कियों की दुनिया शादी और शौहर के साथ जिंदगी बिताने के ख्वाबों में जाकर खत्म हो जाया करती थी। लेकिन यह वक्त दूसरा है और लड़कियों के ख्वाब दूसरे। इन दिनों दुनिया में अविवाहित महिलाओं की तादाद तेजी से बढ़ी है। यह ट्रेंड एशिया के देशों सहित तमाम मुल्कों में देखने को मिल रहा है। अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है।

घर और रिश्तों की परिभाषा बदली...

ताइवान की नई नेता त्साई इंग-वेन पर चीन की सरकारी मीडिया में लिखे गए एक लेख पर बवाल मच गया है। लेख में कहा गया है कि शादीशुदा न होने के कारण त्साई इंग-वेन की काम करने की शैली उग्र है। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लेख में कहा गया है कि वेन पर परिवार का भावनात्मक बोझ नहीं है इसलिए उनके काम करने की आक्रामक शैली है। कई महिलाएं त्साई की दृढ़ता और जोश की वजह से उनकी प्रशंसक हैं, खास कर इस तथ्य को लेकर भी कि वो बहुत मजबूत और आजाद महिला हैं और उन्हें किसी ऐसे पुरुष की जरूरत नहीं जो उनपर शासन करे। वास्तव में एशिया में महिलाओं का शादी से भागने का एक कारण यह भी है कि यहां एक शादीशुदा कामकाजी महिला के लिए ज्यादा मुश्किलें होती हैं। महिलाओं की प्राथमिकता अपने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता और बच्चों का ध्यान रखना होती है। काम के साथ-साथ उनसे यह भी उम्मीद की जाती है कि वे अपने इस रोल को भी कामयाबी के साथ निभाएं। वैसे तो यह दुनिया की हर महिला की परेशानी है, लेकिन एशियन महिलाओं पर यह बोझ ज्यादा लाद दिया जाता है।

आजादी का सेलिब्रेशन

अविवाहित महिलाओं ने घर और रिश्तों की परिभाषा को ही बदल दिया है। पैसिफिक माइक्रोमार्केटिंग नामक अनुसंधान संस्था के अनुसार ज्यादा से ज्यादा महिलाएं जीवन भर अविवाहित रहने का फैसला कर रही हैं। ऐसे में बाजार और सरकार दोनों को यह स्वीकार करना होगा कि घर का मतलब अब पति-पत्नी और बच्चे नहीं रह गया है। शादी न करने का एक कारण यह भी है कि एशियन महिलाएं अपनी आजादी को इंजॉय करने लगी हैं। वे अपनी आजादी को सेलिब्रेट करने लगी हैं, पर इससे कई सामाजिक समस्याएं भी पैदा होने लगी हैं। अगर पश्चिमी देशों से तुलना की जाए तो एशिया के देश अपनी पेंशन और सोशल प्रोटेक्शन में बहुत कम इन्वेस्ट करते हैं। वे यह कल्पना कर लेते हैं कि बुढ़ापे या बीमार पड़ने पर उनका परिवार उनकी देखभाल कर लेगा। अब इस बात को इतनी आसानी से नहीं लिया जा सकता है। शादियों की संख्या में कमी आने से बर्थ रेट में भी गिरावट आई है। ईस्ट एशिया में 1960 के दौरान प्रत्येक महिला के 5.3 बच्चे होते थे जो कि अब 1.6 रेश्यो है। जिन देशों में शादियों की संख्या में गिरावट हो रही है, वहां फर्टिलिटी रेट 1.0 है। शादी करने से कोई भी व्यक्ति ज्यादा सोशल बनता है, लेकिन शादियों में कमी आने से सामाजिक व्यवहार में भी बदलाव आता है। शादियों में कमी से क्राइम रेट में इजाफा होता है। शादी होने से व्यक्ति फैमिली के साथ जुड़ा रहता है।

सामाजिक कारण भी

सामाजिक कार्यकर्ता मानते हैं कि महिलाओं के शादी देर से करने के पीछे मुख्य वजहों में से एक सामाजिक स्थितियां भी हैं। उनके मुताबिक शादी की महंगी आलीशान पार्टियां, शादी के बाद बढ़ने वाला खर्च और करियर को बिना किसी रोक-टोक को आगे ले जाने की इच्छा ने लड़कियों में शादी के प्रति गंभीरता को खत्म कर दिया है। मनोवैज्ञानिक महिलाओं के भीतर शादी के प्रति इस नीरसता के पीछे कई मनोवैज्ञानिक कारणों को गिनाते हैं। वे कहते हैं कि आज के हाईटेक होते समाज में इस तरह की मानसिकता स्त्री और पुरुषों दोनों में ही सामान्य है।

भारत में भी सिंगल पेरैंट

इक्कीसवीं सदी में शब्दकोश में सिंगल पेरैंट के नाम से एक नया शब्द जुड़ गया है। भारत में भी सिंगल पेरैंट का रिवाज बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। पहले बीमारी, युद्ध, मृत्यु के कारण सिंगल पेरैंट होना विवशता थी। तब विधवा या विधुर बच्चों का पालन करते थे। बच्चे वाली विधवा या बच्चे वाले विधुर को सिंगल पेरैंट के नाम से नहीं पुकारा जाता था। पहले कुंआरी मां की कल्पना भी नहीं की जाती थी, सभ्य समाज में कुंआरी मां बहुत घृणात्मक शब्द गिना जाता था, परंतु अब यह एक सामान्य शब्द है। अब इसे पसंद किया जाने लगा है। केवल इतना ही नहीं, अब तो यह रिवाज और स्टेटस सिंबल बन गया है। वैसे तो उस समय कोई कुंआरी मां नहीं थी, यदि होती भी तो ऐसी महिला को कोई किराए पर भी मकान नहीं देता था। यही स्थिति कुंआरे पुरुष की भी थी, परंतु अब समय बदल गया है। उस समय केवल विवाहित दंपती को ही बच्चे पैदा करने का अधिकार था। पति-पत्नी दोनों मिल कर बच्चों का पालनपोषण करते थे। पहले जब 2 विवाहित महिलाएं मिलती थीं, एक महिला अपने लड़के की ओर संकेत करती हुई कहती थी, इस के पिता बाहर गए हुए हैं, कहना नहीं मानता तथा बहुत परेशान करता है। कहने का तात्पर्य है कि माता-पिता दोनों मिल कर ही बच्चों का पालनपोषण करने में समर्थ थे, अकेले नहीं। यद्यपि माता की गरिमा पृथ्वी से भी भारी है तो पिता का सम्मान आकाश से भी उच्चतर है। इस के विपरीत अब सिंगल मदर सहर्ष फुलटाइम काम भी करती है तथा बच्चों को पालती भी है।

क्या बदलाव की गुंजाइश है ?

एशियाई देशों की सरकारों को अब इस भूल में नहीं जीना चाहिए कि उनके यहां फैमिली लाइफ पश्मिमी देशों से बेहतर है क्योंकि उनका यह भ्रम कभी भी टूट सकता है। दरअसल एशियाई देशों में जिस तरह से तेजी से सामाजिक बदलाव हो रहे हैं उससे इन देशों को अब संभलने की जरूरत है और इन बदलावों से कैसे निपटा जाए, सोचने की जरूरत है। क्या एशिया में शादियां दोबारा प्रचलन में आ सकती हैं? कुछ रास्ते हैं, जिनसे ऐसा हो सकता है। इसके लिए सरकार को भी कानून बनाने पड़ेंगे। महिलाएं शादी में तभी बंधना चाहेंगी जब उन्हें पता होगा कि अगर शादी काम नहीं करती तो वह इससे कभी भी आजादी पा सकती हैं। परिवार कानून के अंतर्गत तलाक लेने वाली महिला को संपत्ति का अच्छा खासा शेयर मिले। एशियाई देशों की सरकारों को ऐसे कानून बनाने चाहिए, जिसमें वे अपने कर्मचारियों को मेटरनल के साथ-साथ पेटरनल लीव भी दें। यानी बच्चे के पैदा होने के बाद मां के साथ-साथ पिता को भी छुट्टियां मिलें, जिससे पति-पत्नी दोनों मिलकर बच्चे की देखभाल कर सकें। इन कोशिशों से फैमिली लाइफ को प्रमोट करने में काफी मदद मिलेगी और महिलाओं के ऊपर से अतिरिक्त बोझ भी थोड़ा कम होगा।

महंगाई भी बनी वजह

अविवाहित महिलाओं की बढ़ती संख्या के पीछे लगातार बढ़ती महंगाई, नौकरी की अस्थिरता और आज की चमक-धमक वाली लाइफ स्टाइल भी है, जिसे शादी करके और परिवार बढ़ाकर मेंटेन करना बहुत मुश्किल है। यह आर्थिक जिम्मेदारी को बढ़ाने वाला काम है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि कई युवक और युवतियां मकानों की बढ़ती कीमतों, घरों के बढ़ते किराए और महंगाई के चलते शादी की जिम्मेदारी उठाने से बचते हैं। वे अकेले रहकर ज्यादा पैसा जोड़ना चाहते हैं और इस तरह शादी की उम्र बीतती रहती है।

भारत की स्थिति

जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 39 फीसदी की वृद्धी हुई है। वर्ष 2001 में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 51.2 मिलियन पाई गई थी जबकि 2011 के आंकड़ों के अनुसार यह आंकड़े बढ़ कर 71.4 मिलियन हुए हैं। अकेली रहने वाली महिलाओं में विधवाएं, तलाकशुदा महिलाएं, अविवाहित एवं पति से अलग रहने वाली महिलाएं शामिल हैं। एकल महिलाओं की संख्या में वृद्धि की कारण पति की मृत्यु होना, पति से अलग होना एवं तलाक लेना है। 20 से 24 की आयु वर्ग की महिलाओं (16.9 मिलियन) में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 23 फीसदी है। यह आंकड़े संकेत है कि देश में लड़कियों की विवाह की उम्र और उपर हुई है। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 1990 में जहां लड़कियों की शादी की आयु 19.3 वर्ष थी वहीं 2011 में यह बढ़ कर 21.2 वर्ष हुई है। 20 से 24 वर्ष के आयु वर्ग के बाद सबसे अधिक अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 से 64 के आयु वर्ग में है। 2011 के आंकड़ों के मुताबिक इस वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या सात मिलियन है। 2001 से 2011 के बीच 25 से 29 वर्ष के आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि (68 फीसदी) देखी गई है, वहीं 20 से 24 आयु वर्ग में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या 60 फीसदी दर्ज की गई है। यह आंकड़े निश्चित तौर पर विवाह व्यवस्था में विकार का संकेत देती है। ग्रामीण इलाकों में विधवाओं की संख्या, 29.2 मिलियन, सबसे अधिक दर्ज की गई है। वहीं अविवाहित महिलाओं की संख्या 13.2 मिलियन पाई गई है। शहरी इलाकों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। यहां भी विधवा महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, 13.6 मिलियन है जबकि अविवाहित महिलाओं की संख्या 12.3 मिलियन दर्ज की गई है। देश के ग्रामीण इलाकों में करीब 44.4 अकेले रहने वाली महिलाएं रहती हैं यानी देश की 62 फीसदी अकेले रहने वाली महिलाएं ग्रामीण क्षेत्र से हैं। हालांकि शहरी इलाकों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में अकेली रहने वाली महिलाओं की संख्या अधिक है, शहरों में अकली रहने वाली महिलाओं की संख्या में 58 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2001 में शहरी इलाकों में ऐसी महिलाओं की संख्या 17.1 मिलियन थी जबकि 2011 में यह बढ़ कर 27 मिलियन हुए हैं।

चीन की स्थिति

चीन के शहरों में अविवाहित महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। चीन में तेज आर्थिक प्रगति के बीच महिलाओं का वित्तीय विकास तेजी से हो रहा है। इस बीच ऐसी महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है जो शादी करने की बजाए अकेले जिंदगी गुजारना पंसद करती हैं। आर्थिक तरक्की के बीच महिलाओं को स्वतंत्र होकर रहने के बढ़ते चलन के बीच यहां के पारंपरिक समाज में उन्हें दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता है। जनगणना के मुताबिक शंघाई में पांच लाख से अधिक अविवाहित महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 20 से 50 साल के बीच है। एक शोधकर्ता का कहना है, चीन के समाज में अब भी अविवाहित महिलाओं को 'एलियन' माना जाता है। यहां का मीडिया भी 30 पार कर चुकी अवविवाहित महिलाओं को अकेला करार देता है। युवा अविवाहित महिलाएं अब समाज में प्रचलित अपमानजनक लेबल शेंग नू या लेफ्टओवर वुमन को सख्ती से नकार रही हैं। वे साफ कर रही हैं कि अविवाहित महिलाएं कैसे अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का आनंद ले रही हैं। अपनी पहचान को केवल शादी से जुड़ा न मानते हुए वे पूरे समाज को इसे नए नजरिए से दिखा रही हैं। सफल अविवाहित लड़कियों पर एक खास उम्र तक शादी कर लेने का दबाव उन्हें पावर वुमन मानने के बजाए लेफ्टओवर वुमन की संज्ञा देने से नहीं चूकता। चीन के कई शहरों में लगने वाले शादी के बाजार भी अपने आप में अनोखे होते हैं। यहां शादी के लायक लड़के-लड़की के माता-पिता उनके इश्तेहार लगाते हैं।

जापान की स्थिति

जापानी महिलाएं जो कि ऑफिस में एक हफ्ते में 40 घंटे काम करती हैं, वहीं उन्हें 30 घंटे घर का काम भी करना पड़ता है। उनके पति घर का काम सिर्फ 3 घंटे करते हैं। ऑफिस और घर संभालने के साथ-साथ बच्चों को देखना उनके लिए बेहद मुश्किल हो जाता है। इस साल एक सर्वे के अनुसार जापानी पुरुषों की अपेक्षा बहुत कम जापानी महिलाएं शादी को लेकर पोजिटिव महसूस करती हैं। बाहर के वर्क कल्चर ने शादी को लेकर महिलाओं को अकेले रहने का एक विकल्प दे दिया है। ज्यादातर महिलाएं फाइनैंशली इंडिपेंडेंट हैं और इस वजह से वे आसानी से अकेले जिंदगी गुजार सकती हैं। महिलाओं में बढ़ते एजुकेशन के ग्राफ ने भी शादियों की संख्या घटाई है। आज कई एशियन महिलाएं बेहद पढ़ी लिखी हैं और वे शादी को लेकर ज्यादा उत्सुक नहीं होती हैं।

सऊदी अरब का हाल

चौंकाने वाली बात यह है कि अविवाहित महिलाओं की संख्या के मामले में सऊदी अरब दूसरे पायदान पर है। एक तरह से सऊदी अरब दुनिया में अविवाहित महिलाओं और पुरुषों का गढ़ बनता जा रहा है। सऊदी समाज में हो रहे इस बदलाव को समाजशास्त्री और मनोवैज्ञानिक दोनों ही अलग-अलग निगाह से देखते हैं। सऊदी सरकार के विवाहित महिलाओं और पुरुषों की संख्या को लेकर जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 1995 के बाद से देश में अविवाहित महिलाओं की संख्या में तकरीबन 15 फीसदी का इजाफा हुआ है। ये पिछले दो दशकों में सर्वाधिक है। विशेषज्ञों की मानें तो अविवाहित महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी के मामले में अन्य देशों की तुलना में सऊदी अरब दूसरे नंबर पर है। उनके मुताबिक अकेले रहने वाली स्त्रियों की संख्या में अब तक की यह सबसे बड़ी बढोतरी है। सऊदी समाज में लगातार बढ़ती अविवाहित महिलाओं की संख्या के पीछे समाजशास्त्रियों की अपनी-अपनी राय है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लड़कियां शादी का फैसला मानसिक और शारीरिक परिपक्वता के आधार पर करने लगी हैं, जब तक वे खुद को शादी के लिए इस स्तर पर तैयार नहीं पातीं तब तक वे शादी जैसे बंधन में बंधने से हिचकने लगी हैं।

अब बन गई सेकेंड स्किन...

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम त्वचा विकसित की है, जिसे आप किसी टाइट कपड़े की तरह शरीर पर पहन सकते हैं। मजे की बात यह कि कोई इसे देख नहीं पाएगा यानी यह कृत्रिम त्वचा तकरीबन अदृश्य होगी। शोधकर्ताओं ने इसे 'सेकेंड स्किन' नाम दिया है, क्योंकि इसे मूल त्वचा के ऊपर धारण किया जाएगा। इससे आपकी झुर्रियां नहीं दिखेंगी और आप अपनी वास्तविक उम्र से काफी जवां दिखेंगे। इसलिए इसे लेकर दुनियाभर में व्यापक जिज्ञासा है।

उम्र बढ़ने के साथ इंसान की त्वचा ढीली पड़ने लगती है और उसके अनेक हिस्सों में झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसा किसी बीमारी के कारण नहीं होता, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन, ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएं, त्वचा की कसावट को बरकरार रखना चाहती हैं, ताकि ढलती उम्र में भी वे युवा दिख सकें।

इसके लिए महिलाएं अनेक प्रकार की कॉसमेटिक्स का इस्तेमाल करती हैं। साधन संपन्न परिवारों की महिलाएं इसके लिए नवीनतम तकनीक आधारित स्किन ट्रीटमेंट भी करवाती हैं।

अब इनके नए विकल्प के तौर पर वैज्ञानिकों ने 'सेकेंड स्किन' का विकास किया है, जिसे शरीर पर धारण किया जा सकेगा।

क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर

वैज्ञानिकों ने एक्सपीएल यानी क्रॉसलिंक्ड पॉलिमर लेयर के रूप में इलास्टिक की तरह पहना जानेवाला एक नया प्रोडक्ट तैयार किया है, जिसमें प्राकृतिक त्वचा की तरह अनेक गुण मौजूद हैं और यह बिल्कुल उसका डुप्लीकेट प्रतीत होता है। एक्सपीएल एक ट्यूनेबल पॉलिसाइलोक्सेन आधारित मैटेरियल है, जिसे खास इलास्टिसिटी और ऐसे अनेक गुणों के साथ इंजीनियर्ड किया जा सकता है। एक्सपीएल को बिना किसी हीट या लाइट मीडिएटेड एक्टिवेशन के प्रयुक्त किया जा सकता है। हाल ही में इनसानों पर इसका एक पायलट अध्ययन किया गया है। इस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि त्वचा के खिंचाव की दशा में एक्सपीएल के टेन्सिल मॉड्यूल्स ने ठीक वैसी ही प्रतिक्रिया दी, जैसी सामान्य प्राकृतिक त्वचा देती है। वैज्ञानिकों ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार दिया है। इसके विकास से यह उम्मीद भी जगी है कि जल्द ही हम सनबर्न से सुरक्षा के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा एक्जिमा जैसी त्वचा की बीमारियों का इलाज भी इससे मुमकिन होगा। हालांकि, सामान्य लोगों में इसके प्रति जो उत्साह पैदा हुआ है, वह कुछ अलग तरीके का देखने में आ रहा है। उन्हें यह एहसास काफी गुदगुदाता है कि वे सुबह में इस डुप्लीकेट त्वचा को पहन लेंगे और दिनभर पहनने के बाद रात में उसे निकाल देंगे।

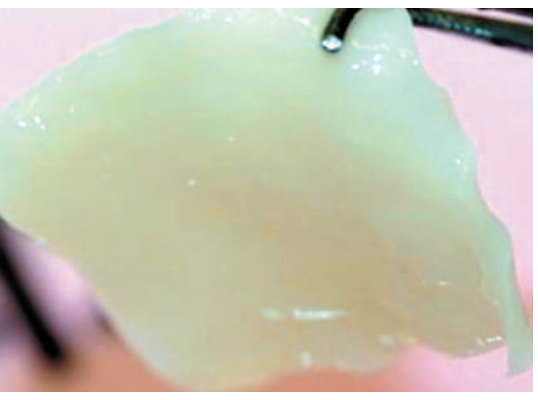

आंखों के नीचे पहला परीक्षण

शोधकर्ताओं ने इसका सबसे पहला परीक्षण इंसान की आंखों के हिस्से में किया है, जिससे बेहद आशाजनक नतीजे सामने आए हैं। शोधकर्ताओं को इससे एक नई उम्मीद जगी है कि वे शरीर के अन्य भागों में ढीली पड़ चुकी या झुर्रियोंवाली त्वचा को ठीक कर पाएंगे। इस शोध टीम में शामिल अमेरिका के मेसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के डेनियल एंडरसन का कहना है कि ओरिजनल स्किन पर पहनी जानेवाली यह अदृश्य परतवाली त्वचा मूल त्वचा को किसी प्रकार के बाहरी खराब असर से बचाती है, जिसके लिए आम तौर पर लोग दवाओं का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई है कि भविष्य में यदि इसे किसी अन्य कम्पोनेंट के साथ मिला कर कोई नया उत्पाद बनाया जाएगा, तो वह इनसान की त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने में सक्षम होगा। हालांकि, मौजूदा समय में त्वचा को अल्ट्रावायलेट किरणों के दुष्प्रभाव से बचाने के लिए ज्यादातर लोग सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन लंबे समय तक इसका इस्तेमाल सही नहीं माना जाता और अनेक लोगों में उसका साइड इफेक्ट देखा गया है।

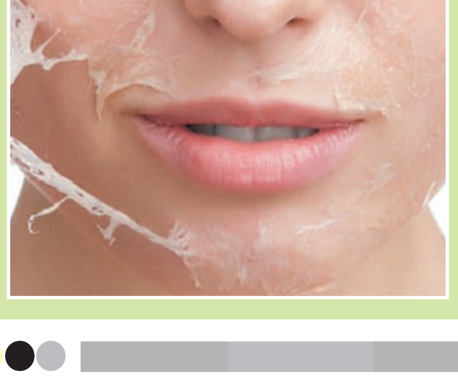

सुरक्षित रसायनों का इस्तेमाल

त्वचा रूपी इस 'सेकेंड स्किन' को बनाने में इस्तेमाल किए गए तत्व और रायायनिक पदार्थों को अमेरिका की संबंधित एजेंसी 'फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन' ने सुरक्षित बताया है। इसमें इस्तेमाल किए गए केमिकल्स साइलोक्सेंस हैं, जिसमें ऑक्सीजन का एक अणु और सिलिकॉन के दो अणु होते हैं। शोधकर्ताओं ने इनके आण्विक गुणों में सुधार करते हुए इनका एक बड़ा समूह तैयार किया और इन्हीं गुणों के आधार पर इस उत्पाद को विकसित करने में कामयाब हुए। उन्होंने इसे दो प्रक्रियाओं में विभाजित किया। पहला, पॉलिमर को अप्लाई किया, जो पूरी तरह से द्रव है। हालांकि, सीरीज में यह ज्यादा मजबूत नहीं होते, लेकिन अगले चरण में इसे दूसरे प्रोडक्ट के साथ जोड़ दिया जाता है। सीरीज की केमिस्ट्री में सुधार लाते हुए शोधकर्ता सेकेंड स्किन के गुणों में विविधता ला सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि उसका कैसे इस्तेमाल किया जाना है। बायोटेक्नोलॉजी विधा से संबंधित कैंब्रिज की एक निजी कंपनी लिविंग प्रूफ ने अपनी प्रयोगशाला में इसे विकसित किया है।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

संपादकीय

मां-बाप का हक

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक संस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था। जिसमें अपना हक पाने हेतु उसे न्यायिक हस्तक्षेप का सहारा लेना पड़ा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि किसी वृद्ध मां को आश्रय और आत्म स्वाभिमान हेतु बच्चे के खिलाफ कोर्ट-कचहरी करनी पड़े। निस्संदेह, यह उस भारतीय स्वस्थ पारिवारिक परंपरा का पराभव ही है जिसकी मिसाल पश्चिमी भोगवादी संस्कृति के अगुवा दिया करते थे। यहां न्यायालय के संवेदनशील व न्यायपूर्ण निर्णय की मुक्त कंठ से सराहना करनी होगी, जिसमें कोर्ट ने निर्णय के खिलाफ दी गई पुत्र की याचिका को खारिज कर जुर्माना लगाया। यह कष्टकारी ही है कि देशभर की अदालतें परित्यक्त-प्रताड़ित माता-पिता से जुड़े विवादों का सामना कर रही हैं। न्यायाधिकरणों और उच्च न्यायालयों ने दुर्व्यवहार करने वाले बच्चों को बेदखल करने तक के आदेश दिए हैं। अदालतों द्वारा माता-पिता द्वारा अर्जित संपत्ति पर उनके अधिकारों को बरकरार रखने ने वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 को सुदृढ़ ही किया है। न्यायपालिका ने संपत्ति के अधिकार के साथ ही कल्याण संबंधी चिंताओं को भी सावधानीपूर्वक संतुलित किया है। न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पारिवारिक झगड़ों में कानून का दुरुपयोग न हो। लेकिन फिर भी संकट का समाधान सिर्फ कानून से संभव नहीं है। हाईकोर्ट का फैसला संदेश देता है कि विरासत पर बातचीत हो सकती है, लेकिन मानवता पर नहीं।

मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है।

एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया

क्या एआई मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी?

ललित गर्ग

एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं रह गई है, बल्कि वह मानव सभ्यता के भविष्य का निर्णायक मोड़ बनती जा रही है। जिस गति से यह तकनीक विकसित हुई है, उसने दुनिया को आश्चर्यचकित भी किया है और चिंतित भी। अभी तक विज्ञान और तकनीक मनुष्य के हाथों में उपकरण थे, किंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता पहली ऐसी शक्ति है जो निर्णय लेने, सीखने, विश्लेषण करने और सृजन करने की क्षमता के साथ स्वयं को निरंतर विकसित कर रही है। यही कारण है कि विश्व के प्रमुख धर्मगुरु, वैज्ञानिक और नीति-निर्माता इसके खतरों को लेकर गंभीर चेतावनियां दे रहे हैं। हाल ही में वर्तमान पोप लियो चौदहवें द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संदर्भ में व्यक्त की गई चिंताएं अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध को नैतिक नहीं बनाया जा सकता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणाली मानवता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टि नहीं, बल्कि मानवीय अस्तित्व की रक्षा का प्रश्न है। दुनिया को इसे गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। पोप ने सामाजिक और वैश्विक मुद्दों पर जारी अपने आधिकारिक संदेश में एआई को मानवता के समक्ष उभरती सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता व्यक्त की कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी परिवर्तन का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह युद्ध, राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक संरचना को प्रभावित करने वाली शक्ति बनती जा रही है। उन्होंने दुनिया को चेताया कि तकनीक का उद्देश्य मनुष्य पर प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, बल्कि उसकी सेवा करना होना चाहिए। उनका संदेश मानव-केंद्रित विकास की अवधारणा को बल देता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक को नैतिकता, मानवीय गरिमा और करुणा के अधीन रखा जाए। पोप की यह चेतावनी केवल धार्मिक दृष्टिकोण नहीं है, बल्कि एक वैश्विक मानवीय आह्वान है कि एआई की अंधी दौड़ में मानवता, संवेदना और नैतिकता का क्षरण न होने दिया जाए। आज जब महाशक्तियां एआई के माध्यम से प्रभाव और नियंत्रण की प्रतिस्पर्धा में लगी हैं, तब पोप का यह संदेश विश्व समुदाय को संयम, उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है। पोप ने स्पष्ट कहा कि कोई भी एल्गोरिद्म युद्ध को नैतिक नहीं बना सकता और तकनीक को मानव विवेक का विकल्प नहीं बनने दिया जा सकता। पोप ने चर्च के सामाजिक सरोकारों से जुड़े अपने इस आधिकारिक पत्र में पहली बार एआई को प्रमुख विषय बनाया, जो इस बात का संकेत है कि इसका प्रभाव केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मानव जीवन, समाज और वैश्विक व्यवस्था को व्यापक रूप से प्रभावित कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से एआई आधारित स्वायत्त हथियार प्रणालियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि इस तकनीक को पूर्णतः मानवीय नियंत्रण में नहीं रखा गया तो यह युद्ध, शोषण और दासता के नए रूपों को जन्म दे सकती

है। पोप ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को "निरस्त्र" करने का आह्वान करते हुए उसका आशय तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि उसके अनियंत्रित और अमानवीय उपयोग पर रोक लगाना बताया। उनका कहना था कि युद्ध और शांति से जुड़े निर्णय अंततः नैतिकता, करुणा और विवेक पर आधारित होने चाहिए, उन्हें मशीनों के हवाले नहीं किया जा सकता। आज जब अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हैं और युद्ध तकनीकों में इसका उपयोग बढ़ रहा है, तब पोप का यह संदेश मानवता के लिए एक नैतिक दिशा-सूचक के रूप में सामने आया है कि तकनीक मनुष्य की सेवक बने, स्वामी नहीं; और विकास का केंद्र मानव गरिमा, संवेदना तथा विश्वशांति ही रहे। निश्चित रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बैंकिंग, व्यापार, प्रशासन और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। रोगों के निदान से लेकर वित्तीय प्रबंधन तक और शिक्षा से लेकर अनुसंधान तक, इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। लेकिन हर तकनीकी क्रांति अपने साथ संकट भी लाती है। आज वही संकट स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। सबसे बड़ा संकट रोजगार का है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने लाखों लोगों के कार्यों को प्रतिस्थापित करना शुरू कर दिया है। ग्राहक सेवा, लेखन, अनुवाद, लेखांकन, सूचना प्रबंधन, प्रोग्रामिंग और कार्यालयी कार्यों में मनुष्य की आवश्यकता तेजी से घट रही है। मशीनें कम लागत, अधिक गति और निरंतर कार्य क्षमता के कारण मनुष्य का स्थान ले रही हैं। इससे केवल बेरोजगारी नहीं बढ़ेगी, बल्कि सामाजिक असंतुलन और आर्थिक विषमता भी गहराएगी। जिन देशों और कंपनियों के पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, आर्थिक शक्ति भी उन्हीं के हाथों में केंद्रित हो जाएगी। इससे विश्व व्यवस्था में असमानता का नया स्वरूप उभरेगा। इससे भी अधिक गंभीर प्रश्न वैश्विक सुरक्षा का है। आज अमेरिका, चीन और अन्य महाशक्तियां कृत्रिम बुद्धिमत्ता की होड़ में लगी हुई हैं। यह प्रतिस्पर्धा केवल तकनीकी श्रेष्ठता तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रभुत्व का नया संघर्ष बन चुकी है। जैसे कभी परमाणु हथियारों और घातक अस्त्र-शस्त्रों के माध्यम से शक्ति संतुलन स्थापित हुआ था, वैसे ही अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता भविष्य की सामरिक शक्ति बन रही है। स्वायत्त हथियार प्रणाली, बुद्धिमान ड्रोन और बिना मानवीय हस्तक्षेप के निर्णय लेने वाली युद्ध तकनीकें मानवता के लिए भयावह संकेत हैं। यदि युद्ध का निर्णय मशीनों के हाथों में चला गया तो संवेदना, विवेक और नैतिकता समाप्त हो जाएगी। मशीनों के लिए मानव जीवन केवल आंकड़े होंगे। ऐसी स्थिति महाविनाश की संभावना को जन्म दे सकती है। पोप की यह चेतावनी इसी संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है कि युद्ध का अंतिम निर्णय मानव विवेक के अधीन रहना चाहिए। साइबर सुरक्षा भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण नई चुनौतियों से घिर गई है। बैंकिंग व्यवस्था, विद्युत तंत्र, रक्षा नेटवर्क और संचार प्रणाली आज डिजिटल माध्यमों पर निर्भर हैं। एआई आधारित साइबर हमले किसी भी राष्ट्र को कुछ घंटों में अस्थिर कर सकते हैं। झूठे संदेश, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम चित्र और आवाजों के माध्यम से सामाजिक तनाव उत्पन्न किए जा सकते हैं। सत्य और असत्य का अंतर मिटने लगा है। यह सूचना तंत्र और लोकतंत्र दोनों के लिए गंभीर संकट है। एआई का एक और चिंताजनक पक्ष है-मानवीय नियंत्रण का कमजोर पड़ना। वैज्ञानिक समुदाय का एक वर्ग मानता है कि भविष्य में ऐसी बुद्धिमत्ता विकसित हो सकती है जो मनुष्य की क्षमता से कई गुना आगे निकल जाए। यदि ऐसा हुआ तो नियंत्रण का प्रश्न सबसे बड़ा संकट बनेगा। यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व का प्रश्न होगा। भारत के लिए यह विषय और अधिक महत्वपूर्ण है। भारत युवा शक्ति, विशाल जनसंख्या और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था वाला देश है। यदि एआई को बिना स्पष्ट नीति और नियंत्रण के बढ़ने दिया गया तो रोजगार, शिक्षा और सामाजिक संरचना पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत को विकास और नियंत्रण दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। एआई को रोकना समाधान नहीं है, लेकिन इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के अधीन रखना अनिवार्य है। भारत को ऐसी राष्ट्रीय नीति बनानी होगी जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग मानव कल्याण, शिक्षा, चिकित्सा और आर्थिक विकास के लिए हो, लेकिन रोजगार संरक्षण, डेटा सुरक्षा, नैतिक मानदंड और युद्ध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही वैश्विक स्तर पर भी एआई के उपयोग हेतु साझा नियम और अंतरराष्ट्रीय संधियां आवश्यक हैं। आज सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, मानवता का है। क्या मनुष्य अपनी बनाई हुई शक्ति पर नियंत्रण बनाए रख सकेगा? क्या कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को समृद्ध बनाएगी या उसे नियंत्रित करेगी? क्या विकास संवेदनाओं से बड़ा हो जाएगा? क्या एआई रूपी विस्फोट मानवता के महाविनाश का कारण बनेगी? यही वे प्रश्न हैं जिन पर दुनिया को गंभीर चिंतन करना होगा।

देश दुनिया से

शादी खूबसूरत हो, दिखावटी नहीं

आजकल देशभर में भोपाल की टविशा शर्मा, ग्रेटर नोएडा की दीपिका नागर और अमरोहा की पुष्पेंद्री देवी की दहेज उत्पीडऩ के कारण संदिग्ध मौत चर्चा का विषय बना हुआ है। क्या इन मौतों का जिम्मेदार सिर्फ संबंधित परिवार है? शायद नहीं, वो समाज भी बराबर का भागीदार है जहां शादी के नाम पर लाखों, करोड़ों रुपए पानी की तरह बहाए जाते हैं और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष तौर पर देहज देने में हामी भरी जाती है। इस संदर्भ में अच्छी शादी का आधार खर्चीली और दिखावटी शादी को बनाया जाता है और वर तथा वधू के संस्कार, वैचारिक समानता सब पहलू दोयम दर्जे के बन जाते हैं। क्योंकि इस तरह की शादियों में वधू का परिवार में मान-सम्मान भी मायके द्वारा दिए गए महंगे गिफ्ट और शादी में किए गए खर्चे पर निर्भर करता है। हद तो तब हो जाती है जब दहेज लोभी ससुराल वाले अपनी इच्छाओं को पूरा करने का हथियार नई नवेली दुल्हन को बना लेते हैं। ऐसी परिस्थिति में लडक़ी का परिवार अपनी बेटी की खुशी के लिए अपनी औकात अनुसार और गिफ्ट देता है, जिसका कि अंत नहीं होता। लेकिन जिसका समापन या बच्ची की मौत के साथ होता है, शादी की इति के साथ। नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक देश में दहेज के कारण हर वर्ष 6 से 7 हजार महिलाओं को मार दिया जाता है। यानी कि हर घंटे एक महिला दहेज के कारण जान गंवा रही है। इस तरह के कई गुमनाम केस तो न कहीं दर्ज होते हैं और न ही प्रकाश में आते हैं, क्योंकि उनका परिवार इसे अपनी शान के खिलाफ समझता है। हालांकि शहरों या कुछ रसूख परिवारों की बच्चियों की खबर मीडिया की सुर्खियां बन पाती हैं। तब एक ही सवाल मन में आता है कि आखिर क्यों पढ़ी-लिखी लड़कियां निर्मम हत्या का शिकार हो जाती हैं। इसका एक ही जवाब है दिखावटी उड़ाऊ शादियां, जो सिर्फ लोगों की संतुष्टि के लिए की जाती हैं, बेशक उन शादियों में प्यार, आदर और नैतिकता कम रह जाए। हमारे विकासशील देश भारत में ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक 130 बिलियन अमरीकी डॉलर का कारोबार है, जो दुनिया के सबसे बड़ा बाजारों में से एक है। यहां मध्यम वर्ग के लिए शादियां शिक्षा से दोगुना खर्चीली हो गई हैं, जिसमें एक समारोह का खर्चा 10 लाख से 50 लाख तक पहुंच जाता है। एक सर्वे के मुताबिक देश के निम्न और मध्यवर्गीय लगभग 40 प्रतिशत परिवार शादियों का खर्चा पूरा करने के लिए लोन तक लेते हैं, क्योंकि इन परिवारों के बच्चों पर अमीरों की शादियों के स्टाइल, बॉलीवुड वैडिंग का और घर के सदस्यों पर करना पड़ता है, जैसे शब्दों का प्रभाव बहुत होता है। बेशक इस उद्योग से हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है लेकिन दूरदर्शिता समाज को शादी के बेजोड़ रिश्ते की जगह दिखावटी शादी की ओर धकेल रही है, जो अच्छी बात नहीं है। जाने-माने समाजशास्त्री पेट्रीसिया ओबेरॉय का मानना है कि भव्य और महंगी शादियों के बल धन का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि ये प्रतिष्ठित उपभोग और स्पष्ट बर्बादी का दृश्यमान स्थल है। अगर दहेज के मूल कारण पर जाएं तो खर्चीली शादियां सबसे बड़ा कारण हैं। इस पहलू पर समाज को सोचना होगा, विशेषकर युवा वर्ग को जो आजकल आजाद सोच के नाम पर स्वयं आत्मनिर्भर बन हर निर्णय लेते हैं, तो इस मुद्दे पर क्यों परिवारों के प्रभाव में आ जाते हैं। शायद कुछ तो शादी का खर्चा या जिम्मेदारी परिवार पर डालना चाहते हैं या कुछ स्वयं दिखावटी शादी करना पसंद करते हैं। लेकिन इस सब में सबसे ज्यादा नुकसान उस युवा दपंत्ति का होता है जिनकी शादी का आधार समर्पण नहीं बल्कि दिखावटी शादी होती है। उन सभी युवाओं से यही आह्वान है कि हमारे देश के सबसे खूबसूरत शादी के आदर्श को और खूबसूरत बनाने के लिए अनावश्यक खर्च वाली शादी की जगह आपसी समझ और प्यार के बंधन वाले पवित्र रिश्ते में बंधे, लेकिन ये सब वर और वधू के आपसी समझ और परिवार के सहयोग से ही संभव है। ये कोई सपना नहीं बल्कि खूबसूरत विचार है, जो संभव है। शायद घर की बेटियां अपने परिवार के साथ और मुस्कुरा सकें। विवाह में बढ़ते दिखावे के प्रमुख रूप निम्नलिखित हैं : भव्य आयोजन और थीम : साधारण जयमाला और रिसेप्शन की जगह डेस्टिनेशन वेडिंग, कॉकटेल पार्टियां और बॉलीवुड स्टाइल के 'संगीत' समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। सोशियल मीडिया का दबाव : प्री-वेडिंग शूट, वीडियोग्राफी के लिए ड्रोन, और हर रस्म के लिए अलग थीम और महंगे डिजाइनर कपड़ों का चलन बढ़ गया है। बजट से बाहर खर्च : लोग अपनी क्षमता (चादर) से बाहर जाकर कर्ज लेकर शादियां कर रहे हैं, जिससे बाद में उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक अपनापन कम होना : इस दिखावे के कारण सगे-संबंधियों और संस्कारों से ज्यादा फोकस सजावट, महंगी गाडियों, वीआईपी मेहमानों पर होता है।

कुछ अलग

एक और मिल्खा सिंह

एक प्रेरक कहावत है कि सुबह जिसकी हुई, सचमुच वो सारी रात नहीं सोया होगा। आज जब हम पंजाब के पुत्र गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड तोड़ कामयाबी की बात कर रहे हैं तो हमें इस मुकाम तक पहुंचने के उसके संघर्ष को भी याद करना चाहिए। कोई भी कामयाबी रातों-रात नहीं मिलती। महज 10.09 सेकंड में सौ मीटर की रेस पूरी करने वाले गुरिंदरवीर सिंह ने, निस्संदेह नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर देशवासियों को गर्व करने का मौका दिया है। निर्विवाद रूप से उनके भारत के सबसे तेज धावक बनने की कहानी महज चंद घड़ियों की बदौलत नहीं नापी जा सकती। गांव की धूल से भरी सड़कों में उनका अभ्यास, प्रशिक्षण मैदानों में पसीने के साथ थका देने वाला सफर और संसाधन के अभावों से जूझकर ही वे इस मुकाम तक पहुंचे हैं। वहीं इस कामयाबी में उनके परिवार का खामोश त्याग भी शामिल है, जो उनकी कामयाबी के बाद ही सुर्खियों में नजर आ पाया है। जालंधर के निकट स्थित पटियाल गांव के स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में फेडरेशन कप में जब सौ मीटर की दौड़ 10.09 सेकेंड में पूरी की तो इस मुकाम तक पहुंचने वाले वे पहले भारतीय थे। एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना। इस इतिहास को रचकर गुरिंदरवीर सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ एथलीटों में शामिल हो गए हैं। इस सफलता का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इस कामयाबी के बाद वे स्वतः ही राष्ट्रमंडल खेलों में खेलने के हकदार हो गए हैं। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में एक और पदक जीतने की उम्मीद फिर से जगा दी है। उल्लेखनीय है कि स्प्रिंट किंग गुरिंदरवीर का सौ मीटर की दौड़ पूरी करने का यह समय इस सीजन में एशिया का दूसरा सबसे तेज समय है।

आप का नज़रिया

कोर्ट की सख्ती के मायने

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दर्शाता है। पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चर्चाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है। सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों, दोनों के हितों की रक्षा कर सके। हमेशा से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है। सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं। उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, जिनके चलते कुत्ते अचानक आक्रामक व्यवहार दिखाने लगे हैं। निश्चय ही बढ़ता तापमान बदलते मौसमों के प्रति संवेदनशील इन जीवों को बेचैन किए हुए है। भूख व आश्रय के अभाव से उपजे असुरक्षाबोध ने भी उन्हें आक्रामक बनाने में भूमिका निभायी है।

सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन-सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई।

दृष्टि कोण

रुपए की मजबूती के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी

हालांकि भारतीय रुपया लंबे समय से कमजोर हो रहा है, लेकिन अमरीका-इजरायल बनाम ईरान के बीच चल रहे युद्ध के ढाई महीने के बहुत कम समय में रुपए के मूल्य में आई हालिया गिरावट नीति निर्माताओं के लिए चिंता का एक बड़ा कारण है। हालांकि, भारतीय रुपए के मूल्य में गिरावट का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया गया, लेकिन यह कोई भी समझ सकता है कि जब 10 मई 2026 को प्रधानमंत्री ने राष्ट्र से पेट्रोल और डीजल बचाने की अपील की, जिसके लिए उन्होंने अनावश्यक पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल कम करने, विदेश यात्रा में कटौती करने, घर से काम करने और ऑनलाइन बैठकें करने का सुझाव दिया, तो असल में यह नागरिकों से विदेशी मुद्रा बचाकर भारतीय रुपए की रक्षा करने की अपील ही थी। इसी संदर्भ में, प्रधानमंत्री की नागरिकों से सोने की खरीद से बचने, खाना पकाने के तेल की खपत कम करने, विदेशी ब्रांड के सामान न खरीदने और स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने, रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और प्राकृतिक खेती की ओर बढने की अपील का उद्देश्य विदेशी देशों पर निर्भरता कम करना और कीमती विदेशी मुद्रा बचाना है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि खाड़ी युद्ध की इस अवधि के दौरान, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 38 अरब अमरीकी डॉलर कम हो गया है, और हमारा भंडार 27 फरवरी को 728.5 अरब अमरीकी डॉलर से घटकर 12 मई 2026 तक 690.7 अरब अमरीकी डॉलर रह गया है। आम तौर पर, रुपए की स्थिरता के बारे में दो तरह के विचार हैं। एक वर्ग मानता है कि विनिमय दर, बाजार द्वारा निर्धारित एक मूल्य से ज्यादा कुछ नहीं है, और अगर मुद्रा का मूल्य गिरता भी है, तो भी किसी को चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आयात और निर्यात विनिमय दर के अनुसार अपने आप समायोजित हो जाएंगे। उनका मानना है कि घरेलू मुद्रा के मूल्य में गिरावट आयात को हतोत्साहित और निर्यात को प्रोत्साहित कर सकती है। भारतीय रुपए के बारे में, कभी-कभी उनका मानना होता है कि इसका मूल्य जरूरत से ज्यादा है, और इसलिए यदि रिजर्व बैंक रुपए में किसी भी गिरावट को रोकने के लिए हस्तक्षेप करता है, तो इससे अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा, क्योंकि ऐसा करने से आयात को बढ़ावा मिलेगा और निर्यात हतोत्साहित होगा। दूसरा वर्ग एक मजबूत रुपए में विश्वास रखता है। उन्हें लगता है कि केवल एक मजबूत रुपया ही मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, और ऋण सेवाओं (मूलधन और ब्याज की अदायगी), लाभांश, रॉयल्टी, वेतन और अन्य आय हस्तांतरणों के कारण होने वाले विदेशी मुद्रा के बहिरप्रवाह को नियंत्रण में रख सकता है। सत्ता की बागडोर संभालने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह तर्क देते रहे हैं कि पिछली सरकार की गलत नीतियों के कारण ही रुपए में गिरावट आई है, और इसलिए केवल सही नीतियों द्वारा ही रुपए के अवमूल्यन को रोका जा सकता है। हालांकि, रुपए का मूल्य हमेशा से चर्चा का विषय रहा है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि सरकार चाहे कितनी भी मजबूत क्यों न हो, वह कृत्रिम रूप से विनिमय दर तय नहीं कर सकती और न ही इसे बढ़ाने में मदद कर सकती है। विनिमय दर विदेशी मुद्राओं (जैसे डॉलर) की मांग और आपूर्ति द्वारा तय होती है। जहां विदेशी मुद्रा की मांग वस्तुओं और सेवाओं के आयात, ऋण चुकाने (अतीत में लिए गए ऋणों के मूलधन और ब्याज की वापसी), लाभांश, रॉयल्टी, तकनीकी शुल्क, वेतन और अन्य आय हस्तांतरण के कारण होती है, वहीं विदेशी मुद्रा की आपूर्ति वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के शुद्ध प्रवाह, और विदेशों से प्राप्त विदेशी पोर्टफोलियो निवेश आदि से होती है। यदि सरकार रुपए को मजबूत बनाना चाहती है।

खेल प्रशासन में ऐतिहासिक बदलाव : केंद्र सरकार ने बनाया राष्ट्रीय खेल बोर्ड और खेल न्यायाधिकरण

अब खेल संघों पर होगी कड़ी निगरानी, खिलाड़ियों और संस्थाओं को मिलेगा तेज़ व सस्ता न्याय

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारतीय खेल व्यवस्था में बड़े सुधार की दिशा में अहम कदम उठाते हुए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम 2025 के तहत राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल बोर्ड) नियम 2026 और राष्ट्रीय खेल प्रशासन (राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण) नियम 2026 को अधिसूचित कर दिया है। प्रेस सूचना कार्यालय (पीआईबी) की ओर से मंगलवार सुबह जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन नए नियमों के लागू होने के बाद देश में खेल संघों की कार्यप्रणाली, पारदर्शिता और खेल विवादों के निपटारे की व्यवस्था पूरी तरह बदलने की उम्मीद है। सरकार का मानना है कि इससे खेल प्रशासन अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और पेशेवर बनेगा।

राष्ट्रीय खेल बोर्ड करेगा खेल संघों की निगरानी – नए नियमों के तहत राष्ट्रीय खेल बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसमें एक अध्यक्ष और दो सदस्य होंगे। इनकी नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा चयन समिति की सिफारिश पर की जाएगी। यह बोर्ड देश के राष्ट्रीय खेल निकायों को मान्यता देने, उनके प्रशासनिक ढांचे, वित्तीय पारदर्शिता और नैतिक मानकों की निगरानी करने का कार्य करेगा। सरकार के अनुसार अब खेल संघों को बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था और वित्तीय अनुशासन का पालन करना होगा।

खेल विवादों के लिए बनेगा विशेष न्यायाधिकरण – सरकार ने खेलों से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय खेल न्यायाधिकरण बनाने का भी फैसला किया है। यह न्यायाधिकरण खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल संघों और अन्य हितधारकों से जुड़े विवादों की सुनवाई करेगा। इसका उद्देश्य दीवानी अदालतों पर निर्भरता कम करना और कम खर्च में तेज़ न्याय उपलब्ध कराना है।

आनलाइन होगी पूरी प्रक्रिया – नए नियमों में डिजिटल व्यवस्था को विशेष महत्व दिया गया है। केंद्र सरकार एक विशेष आनलाइन पोर्टल शुरू करेगी, जहां विवाद दर्ज करने, दस्तावेज जमा करने, जवाब दाखिल करने और आदेश देखने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा वर्चुअल सुनवाई और आनलाइन रिकार्ड प्रबंधन की भी व्यवस्था होगी।

खेल व्यवस्था को मिलेगा नया ढांचा – सरकार का कहना है कि ये नियम भारत को वैश्विक खेल महाशक्ति बनाने की दिशा में अहम कदम हैं। इससे खिलाड़ियों को बेहतर माहौल, खेल संस्थाओं में पारदर्शिता और विवादों के त्वरित समाधान का लाभ मिलेगा।

न्यूज़ ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 के लिए कोलंबिया टीम घोषित, जेम्स रोड्रिगेज को मिली जगह

नई दिल्ली। कोलंबिया ने सोमवार को फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी। टीम में पूर्व रियल मैड्रिड स्टार जेम्स रोड्रिगेज को शामिल किया गया है, जबकि अल नास्र के डिफेंडर जान दुरान को जगह नहीं मिली। मुख्य कोच नेस्टर लोरेन्जो की टीम में बायर्न म्यूनिख के स्टार फारवर्ड लुइस डियाज़ सबसे बड़े आकर्षण होंगे। कोलंबिया इस बार पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। कोलंबिया वर्ष 2022 विश्व कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया था। वहीं 2018 विश्व कप में टीम इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गई थी। कोलंबिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2014 विश्व कप में रहा था, जब टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी और ब्राजील से हार गई थी। विश्व कप 2026 में कोलंबिया को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला पुर्तगाल, उज्बेकिस्तान और डीआर कांगो से होगा। फीफा विश्व कप 2026 के लिए कोलंबिया की टीम, गोलकीपर : कैमिलो वर्गास, अल्वारो मोंटेरो, डेविड ओस्पिना, डिफेंडर : डेविंसन सांचेज, जान लुकुमी, येरी मीना, विलियम डिट्टा, डेनियल मुनोज, सैंटियागो आरियास, जोहान मोजिका, डेविन मचाडो, मिडफील्डर : जेफरसन लेर्मा, जुआन पोर्टिला, रिचर्ड रियोस, केविन कास्टानो, गुस्तावो पुर्ता, जान एरियास, जार्ज कारास्कल, जुआन फर्नांडो किंटेरो, जेम्स रोड्रिगेज, फारवर्ड : लुइस डियाज़, जामिंटन कैंपाज, एंड्रेस गोमेज, लुइस सुआरेज़, जान कार्डोबा, जान हर्नांडेज़।

पांड्या के बचाव में उतरे कोच पोलार्ड

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस टीम के बल्लेबाजी कोच किरोन पोलार्ड ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र में खराब प्रदर्शन के लिए टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या का बचाव किया है। पोलार्ड ने हालांकि अगले सत्र में बदलावों से इंकार नहीं किया है। मुम्बई का प्रदर्शन सत्र में बेहद खराब रहा और वह नौवें स्थान पर रही। इससे पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर सवाल उठने लगे हैं। मुंबई इंडियंस इस सत्र में खिताब की प्रबल दावेदारों के तौर पर उतरी थी पर मैदान पर पूरी तरह से विफल रही। टीम का प्रदर्शन उम्मीदों से कहीं खराब रहा। पांड्या की कप्तानी में पिछले तीन सत्र में से दो बार टीम प्लेआफ की दौड़ से बाहर रही है। 2024 में पहली बार हार्दिक के नेतृत्व में टीम प्लेआफ में जगह नहीं बना पाई थी। 2025 में टीम ने शीर्ष चार में जगह बनाई थी, लेकिन क्वालीफायर 2 में हार का सामना करना पड़ा। और अब, आईपीएल 2026 में टीम नौवें स्थान पर रह गई है। मुंबई के लिए हार इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि उसके एक मजबूत कोर ग्रुप था। इसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव, हरफनमौला हार्दिक पांड्या, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा जैसे सितारे शामिल थे। इसके अतिरिक्त, पूर्व कप्तान और अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा भी टीम का अभिन्न हिस्सा थे। इन स्टार खिलाड़ियों के बाद भी टीम गेंद और बल्ले दोनों से संघर्ष करती नजर आई, जिससे हार्दिक पांड्या की नेतृत्व क्षमता पर गहन चर्चा छिड़ गई। पोलार्ड ने कहा, पांड्या नेतृत्व के मामले में इस सत्र में उतने अच्छे नहीं रहे जितनी उनसे अपेक्षा थी पर सभी जानते हैं कि हमने टीम को अच्छा करने के लिए सभी अवसर दिये। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हार की स्थिति में किसी पर आरोप लगाना ठीक नहीं है बल्कि पूरी टीम को मिलकर आंकलन करना चाहिए।

एकदिवसीय में अर्धशतक और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में तीन भारतीय भी शामिल

मुम्बई। एकदिवसीय क्रिकेट में कई रोमांचक और अनौखे रिकार्ड बने हैं। एक ऐसा ही रिकार्ड है एकदिवसीय में अर्धशतक के साथ ही मैच में पांच विकेट लेने का। ये रिकार्ड अब तक केवल 25 खिलाड़ियों के नाम है जिसमें तीन भारतीय खिलाड़ी और एक पाकिस्तानी खिलाड़ी भी शामिल हैं। सबसे पहले ये रिकार्ड साल 1987 में वेस्टइंडीज के वि रिचर्ड ने बनाया था। वहीं भारत की ओर से ये उपलब्धि सबसे पहले आक्रामक सलामी बल्लेबाज और वैकल्पिक स्पिनर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने अपने नाम की थी। श्रेकांत ने 10 दिसंबर 1988 को विशाखापत्तनम में न्यूजीलैंड के खिलाफ, उन्होंने पहले केवल 27 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। इसके बाद, उन्होंने बल्लेबाजी में भी जौहर दिखाते हुए 70 रनों की शानदार पारी खेली, जिससे भारत को जीत मिली।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अद्भुत जीत से आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस को यूं रौंदा, रजत पाटीदार जीत के हीरो

धर्मशाला: आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंसजर्स बेंगलुरु ने 2026 सीजन में भी फाइनल में एंट्री मार ली है। उसने टूर्नामेंट के क्वालीफायर-1 में गुजरात टाइटंस को बुरी तरह से हराया। धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में कप्तान रजत पाटीदार की धमाकेदार नाबाद 93 रनों की पारी के दम पर रिकॉर्ड 5 विकेट पर 254 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस बड़े स्कोर के दबाव में बिखर सी गई। 51 रनों के स्कोर तक उसके 5 बड़े बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे तो राहुल तेवतिया ने जरूर कुछ अच्छे शॉट्स से फैंस का मनोरंजन किया, लेकिन मैच खत्म होने तक जीटी 92 रन दूर रह गई। उसने 19.3 ओवरों में सभी विकेट खोकर 162 रन बनाए। आरसीबी के नाम इस तरह प्लेऑफ में रनों के मामले में दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज हुई। हालांकि, जीटी के फैंस के लिए निराश होने की जरूरत नहीं है। टीम के पास क्वलीफायर-2 जीतकर फाइनल में पहुंचने का मौका है।

शुभमन गिल टीम शुरुआत से रही दबाव में

इससे पहले गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही। साई सुदर्शन 14 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार बने, जबकि कप्तान शुभमन गिल सिर्फ 2 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर आउट हो गए। जोस बटलर ने जरूर 11 गेंदों में 29 रन बनाकर तेज शुरुआत देने की कोशिश की, लेकिन जोश हेजलवुड ने उनका विकेट लेकर गुजरात को बड़ा झटका दिया। इसके बाद गुजरात की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर और जेसन होल्डर सस्ते में पवेलियन लौट गए। एक समय टीम का स्कोर 51 रन पर 5 विकेट था। आरसीबी के गेंदबाज लगातार दबाव बनाकर विकेट निकालते रहे।

राहुल तेवतिया की दमदार 68 रनों की पारी

राहुल तेवतिया ने अकेले संघर्ष करते दिखे तो दूसरे छोर से उन्हें कोई खास समर्थन नहीं मिला। उन्होंने 34 गेंदों में हाफ सेंचुरी बनाई, लेकिन सेलिब्रेट नहीं किया। वह टीम के लिए सबसे अधिक 43 गेंदों में 8 चौके और 4 छक्के उड़ाते हुए 68 रनों की पारी खेली। राशिद खान 8 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कागिसो रबाडा ने 5 गेंदों में 9 रन बनाए। आरसीबी की ओर से जैकब डफी सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 4 ओवर में 39 रन देकर 3 विकेट झटके। रसिख सलाम डार, क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि जोश हेजलवुड 1 विकेट मिला।

आरसीबी की पारी का हाईलाइट्स: रजत पाटीदार के दम पर 254/5

इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने धर्मशाला में शानदार बल्लेबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस के सामने 255 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। यह प्लेऑफ में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर भी है, जबकि आरसीबी के लिए यह ओवरऑल तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बेंगलुरु की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। वेंकटेश अय्यर ने सिर्फ 7 गेंदों में 19 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जबकि विराट कोहली ने 25 गेंदों में 43 रनों की तेज पारी खेली। कोहली ने अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के बीच शानदार साझेदारी

देवदत्त पडिक्कल ने भी 19 गेंदों में 30 रन बनाए और दूसरे विकेट के लिए कोहली के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई। हालांकि, 94 रन के स्कोर तक बेंगलुरु ने तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। पाटीदार ने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 93 रन ठोक दिए। उनकी विस्फोटक पारी में 5 चौके और 9 लंबे छक्के शामिल रहे। उन्होंने मैदान के चारों ओर शानदार शॉट लगाए और गुजरात के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा।

आखिरी के ओवरों में रजत पाटीदार की ताबड़तोड़ बैटिंग, ठोके नाबाद 93 रन

क्रुणाल पंड्या ने भी उनका अच्छा साथ निभाया और 28 गेंदों में 43 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी हुई, जिसने बेंगलुरु को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। आखिर में जितेश शर्मा ने सिर्फ पांच गेंदों में 15 रन बनाकर टीम के स्कोर को 254/5 तक पहुंचा दिया।

गुजरात की ओर से जेसन होल्डर और कागिसो रबाडा ने दो-दो विकेट लिए, लेकिन बाकी गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी एक विकेट हासिल किया।

आईपीएल इतिहास के नॉकआउट और प्लेऑफ मुकाबलों में अब सबसे बड़ा स्कोर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम दर्ज हो गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड गुजरात टाइटंस के नाम था, जिन्होंने 2023 में अहमदाबाद में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 233/3 का स्कोर बनाया था। अब वह सूची में दूसरे स्थान पर खिसक गया है।

आईपीएल नॉकआउट या प्लेऑफ में सबसे बड़े स्कोर

254/5: आरसीबी बनाम गुजरात टाइटंस, धर्मशाला, 2026

233/3: गुजरात टाइटंस बनाम मुंबई इंडियंस, अहमदाबाद, 2023

228/5: मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात टाइटंस, न्यू चंडीगढ़, 2025

226/6: पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स, वानखेड़े, 2014

222/5: चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई, 2012

सिख प्रीमियर लीग

इंदौर। विष्णुपुरी के सचखंड मार्ग स्थित श्री गुरु अरजन देव जी खेल मैदान पर खेली जा रही चढ़दी कला ट्राफी सिख प्रीमियर लीग क्रिकेट स्पर्धा में इन दिनों रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। चौके-छक्कों की बरसात के बीच खिलाड़ी मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा का उम्दा प्रदर्शन कर रहे हैं। स्पर्धा के सातवें दिन सोमवार को खेले गए मैच में शेर-ए-पंजाब ने निमाड़ इलेवन पर 9 विकेट से एकतरफा और आसान जीत दर्ज की। मैच में टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी निमाड़ इलेवन की टीम शेर-ए-पंजाब की सधी हुई गेंदबाजी के आगे टिक नहीं सकी। टीम निर्धारित 8 ओवरों में 6 विकेट खोकर महज 46 रन ही बना सकी। निमाड़ इलेवन की ओर से सपन ने सर्वाधिक 19 रन और कप्तान निशांत ने 6 रनों का योगदान दिया। शेर-ए-पंजाब की तरफ से घातक गेंदबाजी करते हुए भाईजी सेवक सिंह और गुलदीप सिंह ने 2-2 विकेट चटकाए। आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी शेर-ए-पंजाब की टीम ने साहिब सिंह की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत केवल 4 ओवरों में 1 विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। साहिब सिंह ने विपक्षी गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुए अपनी आतिशी पारी में 4 गगनचुंबी छक्के और 3 चौके जड़कर नाबाद 40 रन बनाए। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, इंद्रजीत सिंह खनूजा और सुधीर कोल्हे मैदान पर पहुंचे और आयोजकों की इस पहल को सराहा। इस अवसर पर अमरजीत सिंह बग्गा और प्रीतपाल सिंह भाटिया भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

मेग लैनिंग ने विक्टोरिया अनुबंध छोड़ अपनाया फ्रीलांस क्रिकेटर का रास्ता

मेलबर्न

आस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने अगले सत्र के लिए विक्टोरिया का अनुबंध नहीं लेने का फैसला किया है और अब वह फ्रीलांस क्रिकेटर के रूप में खेलती नजर आएंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी लैनिंग विक्टोरिया टीम का हिस्सा बनी हुई थीं, लेकिन पिछले सत्र में उन्होंने टीम के लिए केवल चार मुकाबले खेले थे। महिला बिग बैश लीग के बाद वह किसी भी मैच में नहीं उतरीं।

मेग लैनिंग इस समय दुनिया की विभिन्न फ्रेंचाइजी लीगों में खेल रही हैं। वह महिला प्रीमियर लीग में यूपी वारियर्स, द हंड्रेड में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स और इस सत्र में लंकाशायर के लिए टी-20 ब्लास्ट में हिस्सा ले चुकी हैं। लैनिंग फिलहाल मेलबर्न स्टार्स के साथ भी अनुबंधित नहीं हैं। हालांकि पिछले महिला बिग बैश लीग सत्र में वह टीम की दूसरी सबसे सफल बल्लेबाज रहीं। उन्होंने 53.22 की औसत और 136.07 के स्ट्राइक रेट से 479 रन बनाए थे। क्रिकेट विक्टोरिया की महिला क्रिकेट प्रमुख किर्बी शार्ट ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा, हम मेग के फैसले का सम्मान करते हैं। महिला क्रिकेट तेजी से विकसित हो रहा है और खिलाड़ियों को अब दुनिया भर में खेलने के अवसर मिल रहे हैं। यह हमारे खेल के विकास का सकारात्मक संकेत है।

खराब सत्र पर विक्टोरिया ने जताई निराशा

किर्बी शार्ट ने स्वीकार किया कि 2025-26 सत्र विक्टोरिया के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां टीम अपने सभी 12 मुकाबले हार गई थी।

उन्होंने कहा, हम पिछले सत्र के परिणामों पर गर्व नहीं कर सकते और हमें पता है कि हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हालांकि समीक्षा के बाद खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के बीच सकारात्मक माहौल बनाने को लेकर स्पष्ट समझ बनी है। उन्होंने आगे कहा कि टीम धीरे-धीरे सुधार की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है और रातोंरात बदलाव की उम्मीद नहीं कर रही।

विक्टोरिया महिला टीम 2026-27 टीम

इरा एरी, सोफी डे, समारा डल्विन, निकोल फाल्टम, टेस फ्लिंटाफ, किम गर्थ, हसरत गिल, ओलिविया हेनरी, मिली इलिंगवर्थ, रीस मैककेना, सोफी मोलिनेक्स, इंडिगो नोबल, मिया पेरिन, जार्जिया प्रेस्टविज, जो सैमुअल, मौली स्ट्रानो, एनाबेल सदरलैंड, टायला व्लेमिन्क, जार्जिया वेयरहैम और ब्रोंटे लीशम।

नार्वे शतरंज 2026 में भारतीय खिलाड़ियों की शानदार शुरुआत, प्रज्ञानानंद, गुकेश और दिव्या ने आर्मागेडन में दर्ज की जीत

ओस्लो (नार्वे)

नार्वे शतरंज 2026 की शुरुआत रोमांचक मुकाबलों के साथ हुई, जहां पहले ही दौर में क्लासिकल और आर्मागेडन दोनों प्रारूपों में जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ियों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए मजबूत शुरुआत की।

सोमवार को शुरू हुए इस प्रतियोगिता में दिन का सबसे बड़ा उलटफेर तब हुआ जब फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल मुकाबले में हरा दिया। मुकाबले के अधिकांश समय तक कार्लसन मजबूत स्थिति में नजर आ रहे थे, लेकिन समय के दबाव में उनसे बड़ी गलती हो गई, जिसका फायदा उठाते हुए फिरोजा ने जीत दर्ज कर ली। इस जीत के साथ फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर ने प्रतियोगिता में बढ़त बना ली।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद और वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा।

इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में प्रज्ञानानंद ने आक्रामक खेल दिखाते हुए जीत हासिल की और अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

विश्व चैंपियन डी. गुकेश का सामना जर्मनी के शीर्ष खिलाड़ी विंसेंट कीमर से हुआ। एंडगेम में कीमर मजबूत स्थिति में पहुंच गए थे और जीत के करीब दिखाई दे रहे थे, लेकिन गुकेश ने शानदार बचाव करते हुए मुकाबला ड्रा कराया। इसके बाद आर्मागेडन टाईब्रेकर में गुकेश ने वापसी करते हुए जीत दर्ज की और महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल किए।

पहले दौर के बाद अलीरेजा फिरोजा क्लासिकल जीत के दम पर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

महिला वर्ग में दिव्या देशमुख की दमदार जीत – नार्वे शतरंज महिला प्रतियोगिता में भी पहले दिन रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

कजाकिस्तान की बिबिसारा अस्साउबायेवा ने भारत की नंबर-1 खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को क्लासिकल मुकाबले में हराकर बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने मिडिलगेम में मिले अवसरों का शानदार फायदा उठाते हुए सटीक खेल से जीत दर्ज की। अन्ना मुजिचुक और झू जिनर के बीच क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहा, जबकि आर्मागेडन में झू जिनर ने जीत हासिल की।

वहीं मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और भारत की दिव्या देशमुख के बीच क्लासिकल मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। जू वेनजुन जीत के लिए लगातार दबाव बना रही थीं, लेकिन दिव्या ने शानदार संयम दिखाया। इसके बाद आर्मागेडन मुकाबले में दिव्या ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। पहले दौर के बाद महिला वर्ग में बिबिसारा अस्साउबायेवा शीर्ष पर हैं।

5 जून तक चलेगी प्रतियोगिता – नार्वे शतरंज 2026 का आयोजन 25 मई से 5 जून तक ओस्लो में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग के दो सुपर टूर्नामेंट समानांतर रूप से खेले जा रहे हैं। दोनों प्रतियोगिताओं में छह-छह खिलाड़ी डबल राउंड-राबिन प्रारूप में हिस्सा ले रहे हैं और दोनों के लिए समान पुरस्कार राशि रखी गई है।

इस टूर्नामेंट की खास बात इसका अनोखा प्रारूप है। यदि क्लासिकल मुकाबला ड्रा रहता है तो विजेता तय करने के लिए आर्मागेडन मुकाबला खेला जाता है, जिससे हर दौर में निर्णायक परिणाम सुनिश्चित होता है।

भारत-कनाडा साल के अंत तक व्यापार समझौता वार्ता पूर्ण करने पर कर रहे विचार

गोयल ने कनाडा में भारत की विकास यात्रा और बाजार के अवसरों की सराहना की

कार्नी से भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर की वार्ता

ओटावा

भारत और कनाडा ने आर्थिक संबंधों को फिर से मजबूत करने की दिशा में नई पहल का संकेत दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देश इस साल के अंत तक मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी करने पर विचार कर रहे हैं। गोयल ने विश्वास जताया कि दोनों देश 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को तीन गुना बढ़ाकर 50 अरब डालर तक पहुंचा सकते हैं। साथ ही इस साल के अंत से पहले लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य भी रखा है। पीयूष गोयल ने मंगलवार को एक्स पोस्ट पर लिखा कि दोनों देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने के लिए काम कर रहे हैं।

गोयल ने कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में भारत की विकास यात्रा और बाजार में मौजूद बेहतरीन अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओटावा में हुई सार्थक चर्चाओं की सराहना भी की और अर्थव्यवस्था व संस्कृति जैसे विभिन्न क्षेत्रों में गहरे संबंध बनाने में भारतीय प्रवासियों के योगदान की तारीफ़ की। गोयल ने कहा कि मैंने भारत की असाधारण विकास यात्रा के बारे में बात की, जो यहां के लोगों की आकांक्षाओं, उद्यमशीलता की जीवंत भावना, विशाल प्रतिभा-भंडार और बाजार के व्यापक अवसरों से प्रेरित है। इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने भारत-कनाडा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के शीघ्र संपन्न होने को लेकर आशावाद भी व्यक्त किया। गोयल ने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उनकी हाल की भारत यात्रा को स्नेहपूर्वक याद किया, जिसने भारत-कनाडा साझेदारी को एक नई गति और नया आत्मविश्वास प्रदान किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

बहुप्रतीक्षित नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट 2026 लांच

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में होंडा कार्स इंडिया ने अपनी बहुप्रतीक्षित नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट 2026 को शानदार अपडेट्स के साथ लान्च कर दिया है। कंपनी ने इस माडल में कई नए फीचर्स और डिजाइन अपग्रेड दिए हैं, जो इसे पहले से कहीं अधिक प्रीमियम और आधुनिक बनाते हैं। इस सेडान की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 11.99 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। यह कार अब पेट्रोल और स्ट्रान्ग हाइब्रिड दोनों पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगी, जिससे ग्राहकों को अपनी पसंद और जरूरतों के अनुसार चुनाव करने की सुविधा मिलेगी। नई होंडा सिटी फेसलिफ्ट में नई एलईडी लाइटिंग, एक अपडेटेड फ्रंट ग्रिल, स्पोर्टी बंपर और नए डिजाइन के 16 इंच ड्यूल टोन अलाय व्हील्स दिए गए हैं, जो इसके बाहरी लुक को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। इंटीरियर की बात करें तो, इसमें टू-टोन डिजाइन, एक बड़ी फ्लोटिंग टचस्क्रीन, 360 डिग्री कैमरा, वेंटिलेटेड सीट्स और यूएसबी-सी चार्जिंग पोर्ट्स जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं, जो ड्राइवर और यात्रियों दोनों के लिए आरामदायक और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करते हैं। कार में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन और स्ट्रान्ग हाइब्रिड विकल्प मिलता है। हाइब्रिड माडल की खासियत यह है कि यह 27.26 किलोमीटर प्रति लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देने में सक्षम है। सुरक्षा के मोर्चे पर, होंडा ने इसमें अपनी उन्नत होंडा सेंसिंग एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) तकनीक दी है, जिसमें एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीप असिस्ट जैसे महत्वपूर्ण फीचर्स मौजूद हैं, जो सफर को और अधिक सुरक्षित बनाते हैं।

रक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव, डीआरडीओ निजी कंपनियों को देगा मिसाइल तकनीक का लाइसेंस

पाकिस्तान और वैश्विक संघर्षों से सबक, बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन में तेजी आएगी

नई दिल्ली

भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। पश्चिम एशिया और यूक्रेन में चल रहे युद्धों से मिली रणनीतिक सीखों और पड़ोसी पाकिस्तान द्वारा अपनी मिसाइल क्षमताओं के विस्तार को देखते हुए भारत लंबी दूरी की एयर-टू-एयर और सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों के उत्पादन में तेजी लाएगा। इस महत्वपूर्ण पहल में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) इन उन्नत हथियारों के निर्माण के लिए घरेलू निजी कंपनियों को साझीदार बनाएगा और उन्हें आवश्यक प्रौद्योगिकी का लाइसेंस प्रदान करेगा। रक्षा मंत्रालय के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने, नाम न छापने की शर्त पर, यह जानकारी दी है। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी सूत्रों के अनुसार डीआरडीओ को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह निजी क्षेत्र को मिसाइल प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण करे। यह कदम रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है।

डीआडीओ ने पहले ही छोटी दूरी की वायु-रक्षा मिसाइलों और एंटी-शिप मिसाइलों जैसे कुछ हथियारों के लिए निजी साझेदारों को सूचीबद्ध करना शुरू कर दिया है। आने वाले दिनों में, संगठन अन्य गैर-रणनीतिक मिसाइलों के लिए भी इसी तरह की साझेदारियां करेगा, जिससे रक्षा निर्माण में निजी उद्योग की भूमिका का विस्तार होगा। युद्ध के सबक और क्षेत्रीय चुनौतियां इस दिशा में तेजी लाने के पीछे कई महत्वपूर्ण रणनीतिक कारण हैं। वेस्ट एशिया और यूक्रेन में जारी संघर्षों ने आधुनिक युद्ध में लंबी दूरी की मारक क्षमता और वायु रक्षा प्रणालियों के महत्व को रेखांकित किया है। इसके अतिरिक्त, पाकिस्तान ने पिछले साल अगस्त में अपनी आर्मी राकेट फोर्स के गठन की घोषणा कर अपनी मिसाइल क्षमताओं को मजबूत करने का संकेत दिया था। इन क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों ने भारत को अपनी मिसाइल शक्ति को बढ़ाने और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया है।

प्रमुख मिसाइलें: एस्ट्रा और बैलिस्टिक हथियार इस पहल के तहत जिन मिसाइलों को निजी क्षेत्र की साझेदारी के लिए सबसे मुफीद चिह्नित किया गया है, उनमें एस्ट्रा बियान्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल और विकास के अधीन विभिन्न प्रकार की सतह से सतह पर मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल हैं। एस्ट्रा, डीआरडीओ द्वारा विकसित एक स्वदेशी गाइडेड मिसाइल है, जिसे पायलट की दृष्टि से परे 100 किलोमीटर से अधिक की सीमा में हवाई लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वहीं, विचाराधीन बैलिस्टिक मिसाइलें विभिन्न प्रकार के पारंपरिक वारहेड ले जाने में सक्षम होंगी, जिससे भारतीय सेना की मारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और निजी भागीदारी रक्षा सचिव ने इस साल अप्रैल में राष्ट्रीय राजधानी में एक सुरक्षा शिखर सम्मेलन में बोलते हुए पारंपरिक मिसाइल बल स्थापित करने के विचार पर जोर दिया था। उन्होंने ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच संघर्षों और पाकिस्तान की घोषणा को इस कदम के पीछे के कारणों के रूप में बताया था। मई में एक उद्योग शिखर सम्मेलन में उन्होंने तर्क दिया था कि अब समय आ गया है कि विभिन्न प्रकार की बैलिस्टिक मिसाइलों की तकनीक को निजी क्षेत्र को हस्तांतरित किया जाए। उन्होंने ऐसे हथियारों के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला, जो कभी केवल परमाणु वितरण तक सीमित थे, और आश्वासन दिया कि सरकार इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाएगी।

भारत अब कम लागत नहीं, वैश्विक दवा नवाचार का रणनीतिक केंद्र

नई दिल्ली

वैश्विक दवा उद्योग के लिए भारत अब महज़ एक कम लागत वाले आउटसोर्सिंग गंतव्य से कहीं आगे निकलकर रणनीतिक नवाचार और निर्णायक केंद्र के रूप में तेज़ी से उभर रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अब अधिक मूल्य वाले क्लीनिकल अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) कार्यों को भारत स्थानांतरित कर रही हैं। वैश्विक क्लीनिकल अनुसंधान और दवा विकास सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पैरेक्सल ने इस बड़े बदलाव की पुष्टि की है। पैरेक्सल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार भारत अब केवल लागत लाभ तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि मूल्य सृजन का केंद्र बन गया है। पैरेक्सल के उदाहरण से ही इस बदलाव का अंदाज़ा लगाया जा सकता है, जहां कंपनी के 24,000 से अधिक वैश्विक कार्यबल में भारत की हिस्सेदारी 6,000 से अधिक कर्मचारियों यानी लगभग 25 से 30 प्रतिशत हो गई है। भारतीय परिचालन अब पारंपरिक सहायक कार्यों से आगे बढ़कर प्रमुख क्लीनिकल गतिविधियों की व्यापक श्रृंखला को संभाल रहे हैं। इनमें क्लीनिकल परिचालन, फार्माकोविजिलेंस, नियामकीय मामले,

बहुराष्ट्रीय कंपनियां उच्च-मूल्य क्लीनिकल अनुसंधान और आरएंडडी कार्यों को भारत भेज रहीं

वैश्विक दवा आरएंडडी में भारत की धाक: कम लागत से रणनीतिक नवाचार हब तक का सफर

बायोस्टैटिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और एआई-सक्षम स्वचालन जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कई बहुराष्ट्रीय दवा कंपनियों ने भारत में बड़े क्षमता हब स्थापित कर लिए हैं और अहम कार्य व निर्णायक जिम्मेदारियां धीरे-धीरे अमेरिका और यूरोप से भारतीय केंद्रों में आ रही हैं। पैरेक्सल को उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में भारत में उसके कर्मचारियों की संख्या 8,000 तक पहुंच सकती है। यह बदलाव ऐसे समय आया है, जब भारत का नियामकीय माहौल और क्लीनिकल परीक्षण का तंत्र लगातार परिपक्व हो रहा है। उन्होंने पुष्टि की कि भारत के क्लीनिकल परीक्षण संबंधी नियम लगातार अमेरिका के एफडीए, ब्रिटेन की एमएचआरए और यूरोपीय ईएमए जैसे वैश्विक मानकों के अनुरूप हो रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बंडी संग...

इस घटना के बाद 7 जनवरी 2026 को अचानक आरोपी ने उससे रिश्ता तोड़ दिया।

पीड़ित की मां ने आरोप लगाया कि बेटी की हालत देखकर हमने मार्च से अप्रैल 2026 के बीच कोर्ट और वकीलों से संपर्क किया, तो हमें शिकायत वापस लेने की धमकी मिलने लगी। 21 अप्रैल 2026 को भागीरथ के एक साथी ने निर्मल पुलिस स्टेशन में हमारे खिलाफ केस दर्ज करवाया। उसमें आरोप लगाया गया कि मेरी बेटी आरोपी को ब्लैकमेल कर रही है और उससे पैसों की उगाही की कोशिश कर रही है।

पीड़ित पक्ष ने अपने स्टेटमेंट के पॉइंट नंबर-8 में कहा है कि 22 अप्रैल 2026 को उनसे संगप्पा नाम का शख्स मिला। उसने एक दिन बाद 23 अप्रैल को उनकी मुलाकात केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार से करवाई। इस मुलाकात के दौरान हम लोगों पर समझौता करने का दबाव डाला गया। हमें सुरक्षा का भरोसा दिलाने के बजाय डराया और धमकाया गया।

पुलिस कार्रवाई पीड़ित पक्ष के सरकारी वकील नागेश्वर राव ने बताया कि 16 मई को साइबराबाद पुलिस ने आर-ोपी को अरेस्ट किया, तब पीड़ित परिवार को राहत मिली है। परिवार ने पुलिस को अपना स्टेटमेंट सौंप दिया है। इसके आधार पर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। वो 29 मई तक पुलिस रिमांड पर है।

12 मई को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार करीमनगर में हनुमान जयंती रैली में शामिल हुए। इस दौरान भाषण में उन्होंने बेटे पर लगे आरोपों का खंडन किया। उन्होंने इसे झूठी साजिश बताते हुए कहा, आपने मेरे समर्थकों को नाराज किया है और मेरी पार्टी को मुश्किल में डाल दिया। आप उसी आग में जलकर भस्म हो जाएंगे, जो आपने खुद लगाई है।

भागीरथ के वकील का पक्ष भागीरथ का पक्ष जानने के लिए उनके वकील करुणासागर से बात की गई। उनके मुताबिक, पीड़ित की मां के सभी आरोप मनगढ़ंत लगते हैं। उन्होंने कहानी की फ्रेमिंग ऐसे की है, जिससे लगता है कि किसी ने जानबूझकर या फिर राजनीतिक फायदे के लिए ऐसा किया हो।

करुणासागर आगे कहते हैं, तेलंगाना पुलिस साई भागीरथ की गिरफ्तारी का झूठा दावा कर रही है। जबकि केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के निर्देश पर मैंने और सीनियर एडवोकेट एंथनी रेड्डी ने साइबराबाद पुलिस स्टेशन के टेक पार्क के पास भागीरथ को खुद पुलिस के हवाले किया था।

पुलिस बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के मुताबिक जांच कर रही है। हमने पुलिस को भागीरथ से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां और फोन हैंडओवर कर दिया है।

तेलंगाना पुलिस ने पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन पर भागीरथ के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद 12 मई को एक नोटिस जारी किया। इसमें पुलिस ने बताया कि विक्टिम के बयान दर्ज होने के बाद पहले दर्ज की गई धाराओं में बदलाव किया गया है।

नोटिस में भागीरथ से 13 मई को दोपहर 2 बजे पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया, लेकिन वो पेश नहीं हुआ। उसकी जगह भागीरथ ने पुलिस को लिखे लेटर में कहा कि मैं पर्याप्त सबूतों के साथ पेश होऊंगा और अपनी दलीलें रखूंगा।

हालांकि, कुकटपल्ली की डिप्टी कमिश्नर आईपीएस रितिराज का कहना है, भागीरथ ने पुलिस के सामने सरेंडर नहीं किया, बल्कि 16 मई को एक पुलिस अधिकारी ने उसे गिरफ्तार किया है।पॉक्सो केस के बाद तेलंगाना आरएसएस ने बीजेपी से किनारा किया है। तेलंगाना के प्रांत प्रचारक कट्टा राजगोपाल कहते हैं, इस मामले में संघ के कुछ पदाधिकारियों को भी घसीटा गया। इस पर हमारे प्रांत संघचालक बार्ला सुंदर रेड्डी ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा है कि इस विवाद से आरएसएस का कोई लेना-देना नहीं है। अगर कोई हमारे पदाधिकारियों को इससे जोड़कर संघ की छवि खराब करने की कोशिश करेगा, तो हम उस पर कानूनी कार्रवाई करेंगे।

कर्नाटक...

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की इन मैराथन बैठकों के दौरान बताया गया कि पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर ओबीसी वोटों को मजबूत करने के लिए दिल्ली में सिद्धारमैया की जरूरत है। सिद्धारमैया का राजनीतिक कद कांग्रेस की चुनावी रणनीति में अहम भूमिका निभाएगा।

सूत्रों ने यह भी बताया कि अगर सिद्धारमैया पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा के ऑफर को स्वीकार करते हैं, तो पार्टी नेतृत्व उन्हें आश्वासन देता है कि उनकी बाकी सभी चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ देर बाद खबर आई कि सिद्धारमैया पद से इस्तीफा दे सकते हैं। लेकिन देर रात खबर आई कि सिद्धारमैया गुरुवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं।

बता दें कि कर्नाटक में कांग्रेस के भीतर सत्ता साझेदारी की अटकलें बार-बार लगती रही हैं। डीके शिवकुमार के समर्थकों का कहना है कि 2023 विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद देने का वादा किया गया था। कांग्रेस नेतृत्व ने कर्नाटक में किसी संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

एकला ...

भ्रष्टाचार के खिलाफ वो क्या करना चाहते हैं। ऐसा करने से उनके पहले की डीएमके और एआईएडीएमके सरकारें अपने आप निशाने पर आ जाती हैं।

राज्यसभा के साथ ही टीवीके नेतृत्व की नजर तमिलनाडु की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों पर है। एक सीट तो मुख्यमंत्री विजय ने ही खाली की है, जबकि तीन सीटें टीवीके में शामिल होने वाले विधायकों के एआईएडीएमके छोड़ने से खाली हुई हैं। एआईएडीएमके विधायक के. मरगथम कुमारवेल, एस. जयकुमार और पी. सत्यभामा ने तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर जेसीडी प्रभाकर से मुलाकात कर अपना इस्तीफा सौंप दिया। मरगथम कुमारवेल मदुरंतकम सीट से, पी. सत्यभामा धारापुरम सीट से और एस. जयकुमार पेरुनदुरई सीट से एआईएडीएमके के टिकट पर जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। धारापुरम और पेरुनदुरई को एआईएडीएमके का पारंपरिक गढ़ माना जाता है, जबकि मदुरंतकम चेन्नई के पास महत्वपूर्ण सीट मानी जाती है।

बांग्लादेशी ...

विदेशी नागरिकों की पहचान पूरी होने के बाद उन्हें सीमा सुरक्षा एजेंसियों को सौंपा जाएगा, ताकि उन्हें वापस उनके देश भेजा जा सके। हालांकि डिपोर्टेशन को लेकर अंतिम फैसला जिला मजिस्ट्रेट या वरिष्ठ अधिकारी करेंगे।

सरकार का कहना है कि यह कदम केंद्र सरकार की उस गाइडलाइन के तहत उठाया गया है, जिसमें अवैध बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं से निपटने की प्रक्रिया बताई गई है। इस आदेश की जानकारी पुलिस और संबंधित अधिकारियों को भी भेजी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, होल्डिंग सेंटर अस्थायी व्यवस्था होंगे। यहां उन लोगों को रखा जाएगा, जिन पर भारत में अवैध रूप से रहने का शक है। यह पूरी प्रक्रिया इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट 2025 के तहत की जा रही है।

इस कानून में निगरानी, हिरासत और डिपोर्टेशन की प्रक्रिया को तकनीक से जोड़ा गया है। साथ ही कुछ पुलिस अधिकारियों को बिना वारंट गिरफ्तारी का अधिकार भी दिया गया है।केंद्र सरकार ने सीएए के तहत 7 समुदायों को राहत दी है। अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से धार्मिक उत्पीड़न के कारण 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए लोगों पर कार्रवाई नहीं होगी और उन्हें नागरिकता कानून का लाभ मिलेगा। ऐसे लोगों को पुलिस हिरासत में नहीं ले सकेगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि जो लोग सीएए के दायरे में नहीं आते, उन्हें अवैध घुसपैठिया माना जाएगा। राज्य पुलिस ऐसे लोगों को गिरफ्तार कर बीएसएफ को सौंपेगी। इसके बाद बीएसएफ बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया पूरी करेगी।

बंगाल में ...

बीजेपी की इस बैठक में उत्तर 24 परगना, नदिया और हुगली जिलों के अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। हालांकि राजनीतिक पर्यवेक्षकों के लिए काकोली घोष की मौजूदगी केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण मानी गई है। बीजेपी की बैठक में शामिल हुई टीएमसी नेता बीना मंडल ने कहा कि मैं अपने क्षेत्र के विकास के लिए आई हूं। हमारे कुल छह विधायक बैठक में शामिल हुए हैं। वहीं, एक और टीएमसी नेता मोहम्मद अब्दुल मतीन ने कहा कि राज्य सरकार ने हमें आमंत्रित किया था, इसलिए मैं विधायक के रूप में आया हूं। इसके बाद पत्रकारों से बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने इसे पश्चिम बंगाल की पुरानी राजनीतिक संस्कृति से अलग एक नई पहल बताया। उन्होंने कहा कि जब हम विपक्ष में थे, तब हमें प्रशासनिक बैठकों में नहीं बुलाया जाता था। हमने तय किया कि सभी विधायकों को बुलाया जाएगा। बारासात सांसद ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बसीरहाट के कई विपक्षी विधायक भी यहां आए। हमने उनमें से एक को बोलने का मौका भी दिया। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि लोगों को डबल इंजन सरकार का लाभ मिले। राजनीतिक गतिविधियां सिर्फ चुनाव के समय होनी चाहिए, पूरे साल हम रचनात्मक सोच के साथ काम करेंगे।

लाहौर ने ...

इस फैसले के बारे में जानकारी दी थी। नवाज शरीफ जो फरवरी 2024 के आम चुनावों के बाद से अभी राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, एलएचएआर के प्रमुख हैं।

अब लाहौर प्रशासन ने नाम बदलने के इस फैसले पर यू-टर्न ले लिया है। उसका कहना है कि वह अभी भी लाहौर की सड़कों और गलियों के पुराने नाम बहाल करने पर विचार ही कर रही है। लाहौर के डिप्टी कमिश्नर कैप्टन आर. मुहम्मद अली एजाज़ ने सोमवार को डॉन को बताया, अभी तक ऐसा कोई फ़ैसला नहीं लिया गया है।

जब उनसे पूछा गया कि शरीफ और मरियम ने ही सड़कों और गलियों के पुराने नाम बहाल करने की मंजूरी दी थी और सीएम कार्यालय ने 20 मार्च को इस संबंध में बाकायदा एक प्रेस नोट भी जारी किया था, तो एजाज़ ने ज़ोर देकर कहा, अभी तक कोई फ़ैसला नहीं लिया गया है, क्योंकि यह मामला अभी भी विचाराधीन है।

हालांकि एक अधिकारी ने बताया कि कुछ कट्टरपंथी तत्वों ने, जिनमें व्लॉगर भी शामिल थे, लाहौर की सड़कों और गलियों के बंटवारे से पहले के हिंदू और सिख नामों को बहाल करने के लिए मरियम की कड़ी आलोचना की। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया, चूंकि आलोचकों ने सरकार के इस फैसले को धार्मिक रंग दे दिया, इसलिए मरियम नवाज प्रशासन बैकफुट पर आ गया और विरोध से बचने के लिए इस फैसले को टाल दिया। कट्टरपंथी तत्वों की ओर से हुए विरोध के बाद एलएचएआर ने हाल ही में विद्वानों, इतिहासकारों, आर्किटेक्टों, शहरी योजनाकारों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों की एक बैठक बुलाई और पूरे लाहौर की सड़कों, गलियों और मोहल्लों के मूल नामों को बहाल करने के प्रस्ताव पर उनके सुझाव मांगे। इस फोरम में शहर के पारंपरिक नामों को फिर से शुरू करने के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और नागरिक महत्व पर चर्चा की गई। यह एक बड़े अभियान का हिस्सा था, जिसका मकसद लाहौर की समृद्ध विरासत और पहचान को बचाना और बढ़ावा देना है।

बैठक के बाद एलएचएआर ने एक बयान में कहा, बैठक में शामिल लोगों ने शहर के अलग-अलग नामों के ऐतिहासिक महत्व, शहर के अतीत के दस्तावेज़ीकरण, और इस तरह के बदलाव का विरासत संरक्षण, पर्यटन और लोगों में जागरूकता पर पड़ने वाले संभावित असर पर अपने विचार साझा किए। बैठक इस आम सहमति के साथ खत्म हुई कि लाहौर की ऐतिहासिक पहचान एक अनमोल विरासत है, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए सोच-समझकर सहेज कर रखना जरूरी है। ज़्यादातर लोगों ने लाहौर की सड़कों और गलियों के ऐतिहासिक नामों को फिर से बहाल करने के पक्ष में बात की।

लाहौर की जिन ऐतिहासिक सड़कों और गलियों के नाम पिछली सरकारों द्वारा बदले गए हैं, उनमें कई ऐतिहासिक सड़कें शामिल हैं। ये सड़कें हैं - क्वीन्स रोड (जिसका नाम बदलकर फ़ातिमा जिन्ना रोड कर दिया गया), जेल रोड (अल्लामा इक़बाल रोड), डेविस रोड (सर आगा खान रोड), लॉरेंस रोड (बाग़-ए-जिन्ना रोड), एम्प्रेस रोड (शहराह-ए-अब्दुल हमीद बिन बादीस), कृष्ण नगर (इस्लामपुरा), संत नगर (सुन्नत नगर), धरमपुरा (मुस्तफ़ाबाद), ब्रैंडरेथ रोड (निस्तार रोड), टेम्पल स्ट्रीट (हमीद निज़ामी), लक्ष्मी चौक (मौलाना ज़फ़र अली खान चौक), जैन मंदिर रोड (बाबरी मस्जिद चौक), राम गली (रहमान गली), कुम्हारपुरा (ग़ाज़ीबाद) और आउटफ़ॉल रोड (जिलानी रोड)। इसी तरह, मोहन लाल बाज़ार, सुंदर दास रोड, भगवान पुरा, शांति नगर और कई अन्य सड़कों/गलियों के नाम भी बदले गए थे।

इधर बात...

जब दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की कोशिशें चल रही थीं। ऐसे में इसे तेहरान पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। असल में अमेरिका इस समय दो मोर्चों पर खेलता दिख रहा है। एक तरफ वह ईरान को बातचीत की मेज पर बनाए रखना चाहता है, दूसरी तरफ सैन्य दबाव के जरिए उसे अपनी शर्तें मानने को मजबूर भी करना चाहता है। खासतौर पर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका बेहद आक्रामक रुख में नजर आ रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ संकेत दिए हैं कि ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार को या तो अमेरिका को सौंपना होगा या फिर अंतरराष्ट्रीय निगरानी में नष्ट करना होगा। ट्रंप ने कहा कि यह प्रक्रिया अमेरिका और ईरान के 'सहयोग' से हो सकती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 27 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज द्वारा फिजियोथेरेपी समर कैम्प का आयोजन

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी सुझाव एवं एक्सरसाइज की जानकारी दी

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज द्वारा राघव रत्न टावर के 10वें माले पर फिजियोथेरेपी समर कैम्प का आयोजन किया गया। शिविर में लगभग 25 से 30 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ. श्रीलता एवं डॉ. मीता बजाज ने उपस्थित सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए विभिन्न उपयोगी एक्सरसाइज एवं फिजियोथेरेपी से जुड़े आवश्यक बिंदुओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. सुरुचि अग्रवाल ने भी प्रतिभागियों को स्वास्थ्य एवं दंत चिकित्सा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव प्रदान किए।

इस दौरान अग्रवाल समाज के वर्किंग प्रेसिडेंट नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष हरि गोविंद, अशोक केडिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समर कैम्प चेयरमैन मोनिका अग्रवाल, शीतल रूंगटा, रानी मित्तल एवं सुमन गुप्ता ने शिविर को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों को समाज के लिए उपयोगी बताया।

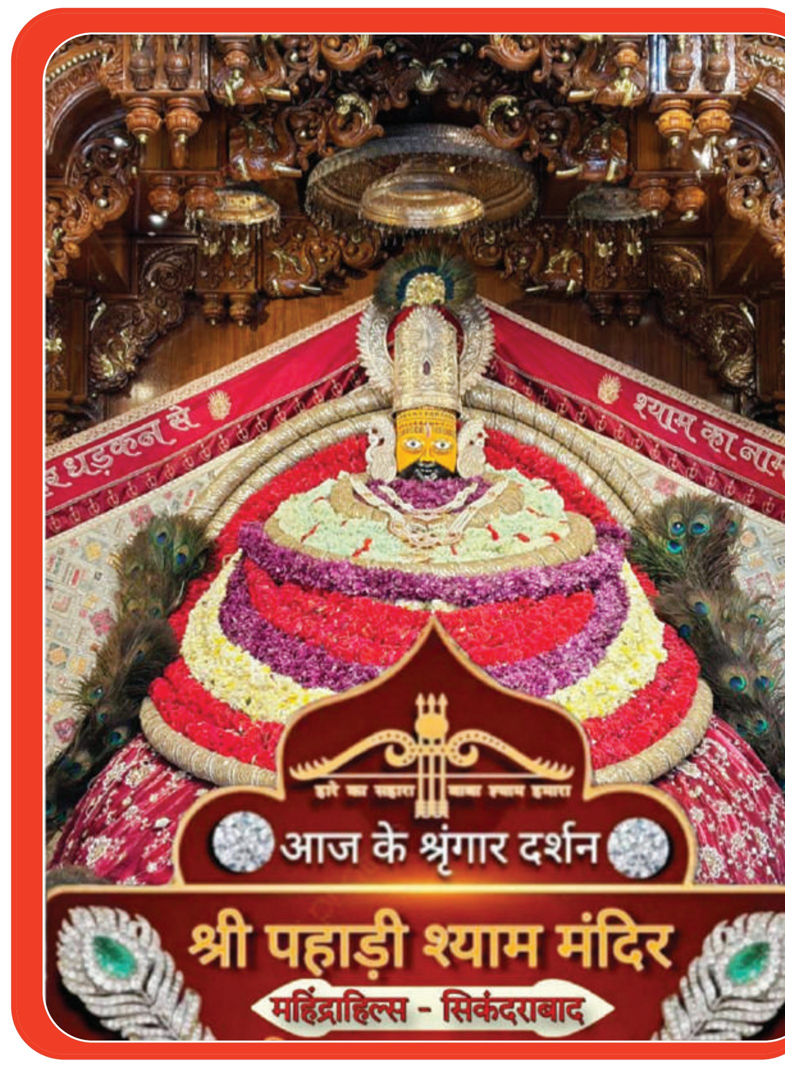

काचीगुडा पुलिस ने रेलवे ट्रैक पर खुदकुशी की कोशिश कर रहे युवक को बचाया

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर खुदकशी करने का प्रयास कर रहे 24 साल के एक युवक को पुलिस ने बचा लिया।

पुलिस के मुताबिक अनुभाग प्रभारी एचसी डी युगंधर को सोमवार की रात करीब 10:30 बजे आंध्र प्रदेश के ताड़िपत्री के वी नागराजू से एक आपातकालीन कॉल आया। उन्होंने बताया कि उनका बेटे निरंजन बहुत अधिक हताश हैं। उन्होंने एक वीडियो मैसेज भी भेजा, जिसमें दिखाया गया कि वह काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर रेलवे ट्रैक पर अपनी जान देने के इरादे से खड़ा है।

काचीगुडा थाना प्रभारी एस राजशेखर के कहने पर तुरंत ब्लू कोल्ट के जवान वी चंद्र पेद्दिराजू और एस बाला मल्लेश रेलवे स्टेशन पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया।

पुलिस टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर 5 के पास ट्रैक पर से निरंजन को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सूचित किया गया और युवक को जरूरी कार्रवाई के लिए सौंप दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने युवक की जान बचाने के लिए ब्लू कोल्ट के कर्मचारियों की सतर्कता और समय पर साथ देने के लिए सराहना की।

दादा के साथ सेवा संस्कार सीख रहे वंश अग्रवाल

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित प्राचीन भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवाभावी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया तथा मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर सेवा कार्य में विशेष रूप से पहुंचे युवा सदस्य वंश अग्रवाल शिमला वाले ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद केवल एक संगठन नहीं बल्कि सेवा, संस्कार, सहयोग और समर्पण का विशाल परिवार है। उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा निरंतर किए जा रहे अन्नदान, गौसेवा एवं सामाजिक कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। आज के समय में जहां लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त हैं, वहीं राधे-राधे ग्रुप के सदस्य निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सेवा कर मानवता का परिचय दे रहे हैं।

वंश अग्रवाल ने कहा कि उन्हें गर्व है कि उन्हें अपने दादा एवं राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल के साथ सेवा कार्य करने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि उनके दादाजी सदैव उन्हें धर्म, संस्कार और समाजसेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। उनके मार्गदर्शन के कारण ही उन्हें छोटी उम्र से ही सेवा कार्यों से जुड़ने का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने कहा कि जब भी वह जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान देखते हैं तो उन्हें आत्मिक शांति और खुशी का अनुभव होता है।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद वर्षों से निरंतर विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य कर रहा है। अन्नदान, धार्मिक आयोजन, गौसेवा एवं सामाजिक सहयोग जैसे कार्यों के माध्यम से ग्रुप समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचा रहा है। सदस्यों ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता अनुसार जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

सेवा कार्यक्रम के दौरान श्रद्धा एवं भक्ति का वातावरण बना रहा। सभी सदस्यों ने मिलकर जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया तथा समाज में प्रेम, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, वंश अग्रवाल, अनिल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा एवं मोहित अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

हाई टेक सिटी में दीप मुनि द्वारा लाइफ सेट है या अपसेट कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद की हाई टेक सिटी स्थित माई होम भुजा सोसायटी के जुम्बा होल में युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी ठाणा- 2 के सान्निध्य में लाइफ सेट है या अपसेट विषयक रविवारीय प्रवचन का आयोजन - तेरापंथी सभा- सिंकदराबाद द्वारा किया गया। माय होम भूजा के तेरापंथी परिवारों ने सारी जिम्मेदारियां को संभाला।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा- आज दुनिया को स्मार्ट जनता नहीं पीसफूल जनता चाहिए। आज दुनिया को रिच माइन्ड जनता नही, प्योर हार्ट चाहिए इसलिए लाइफ को केवल सेट ही नहीं बल्कि परफेक्ट बनाइए ।

आज का इंसान अपसेट क्यों हैं? क्योंकि उसने जिन्दगी को बाहर से सजाया लेकिन अन्दर से नहीं। बॉडी फिट है लेकिन माइन्ड गर्म है। पर्स फूल है लेकिन दिल खाली है। अध्यात्म से ही व्यक्ति की लाइफ सेट बन सकती है और कहीं घूम लो और तो भले हिल स्टेशन जाओ या विदेश जो जिंदगी में शांति नहीं मिलेगी । अध्यात्म का मतलब भागना नहीं हैं, स्वयं को पहचानना है, मौन में उतरना है, खुद से जुड़ना है। जिस दिन इंसान खुद को समझ लेता उसी दिन से जीवन बदलना शुरू हो जाता है । मुनि श्री ने लाइव सेट करने के सूत्रों की भी चर्चा की ।

इस अवसर पर मुनि काव्य कुमार जी ने कहा- चेहरे पर स्टाइल है,हाथ में महंगा मोबाइल है, सोशल मीडिया पोस्ट की फोटो पर बढ़िया स्माइल है लेकिन भीतर से व्यक्ति निराशा है हताश है टूटा हुआ है । लाइफ को केवल सेट ही नहीं करना है लाइफ को बेस्ट बनाना है। सरिता जैन ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी ।

हैदराबाद के सभी पासपोर्ट कार्यालय कल बंद रहेंगे

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बकरीद की सरकारी छुट्टी में बदलाव होने के कारण तेलंगाना में हैदराबाद के सभी पासपोर्ट दफ्तर 28 मई को बंद रहेंगे। पहले यह छुट्टी 27 मई को थी, लेकिन अब इसे बदलकर 28 मई कर दिया गया है। पासपोर्ट कार्यालय के मुताबिक, हैदराबाद के तहत आने वाले सभी पासपोर्ट ऑफिस और डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्र गुरुवार, 28 मई को बंद रहेंगे, जबकि बुधवार, 27 मई को ये सभी दफ्तर सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। जिन लोगों ने 28 मई के लिए पासपोर्ट का अपॉइंटमेंट लिया था, उन्हें अब 27 मई को बुला लिया गया है। सभी संबंधित आवेदकों को इस बदलाव की जानकारी मोबाइल पर मैसेज भेजकर दे दी गई है।

गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने और गौरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की माँग

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने तेलंगाना राज्य के पशु संवर्धन मंत्री वाकटी श्रीहरी, भाजपा विधायक पालवाई हरीशबाबु तथा साध्वी प्राची को स्मृति चिन्ह भेंट कर गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग की।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने आगामी 28 मई को मनाए जाने वाले बकरीद के दौरान गौरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का भी आग्रह किया।

फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने कहा कि गौसंरक्षण भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उन्होंने सरकार एवं जनप्रतिनिधियों से गौरक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की।

कार्यक्रम में भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के मंत्री शशि, पूर्व पार्षद वैकुंठम, आले भास्कर, संजय घनाटे, गोविंद राठी, श्रीराम, अविनाश देवड़ा, भभूतसिंह राजपुरोहित सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की एजीएम संपन्न

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज श्याम मंदिर शाखा की वार्षिक एजीएम ताज महल होटल, पंजागुट्टा में आयोजित की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसे सभी सदस्यों ने हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न किया। सभी सदस्यों ने हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में सक्रिय भागीदारी की।

मीटिंग में लगभग 45 से 50 सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने अपने-अपने विचारों को व्यक्त किया।

श्रीमती सीमा मोदी (प्रेसिडेंट) ने पूरे वर्ष का विस्तृत वार्षिक ब्यौरा प्रस्तुत किया। रमेश गुप्ता जी ने भी अपने विचार

और सुझाव सभी के समक्ष रखे।

शाखा के ट्रेजरर सौरभ जी ने पूरे वर्ष की बैलेंस शीट एवं आय-व्यय का विस्तृत विवरण सभी सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया।शाखा के सचिव सतीश कुमार गुप्ता जी ने पूरे वर्ष में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों " होली मिलन, सावन की सैर एवं अन्य कार्यक्रमों " का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया।

सभी सदस्यों के सहयोग और सक्रिय सहभागिता से यह मीटिंग अत्यंत सफल और उत्साहपूर्ण रही।सभा में सुरेश जी अग्रवाल, संजय जी मोदी, शिव शंकर बगड़िया, सुनील मोदी, आनंद चौधरी सहित सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज गच्चीबावली शाखा की साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज गच्चीबोली शाखा की साधारण सभा शुभम ब्लूम पार्टी हॉल, सुदर्शन नगर, कोंडापुर, श्रीलिंगमपल्ली में उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। प्रारंभिक संचालन शाखा कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने किया। इसके पश्चात केंद्रीय समिति सदस्य एडवोकेट सुरेश अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया।

शाखा अध्यक्ष एवं संस्थापक के.पी. अग्रवाल ने उपस्थित सभी गणमान्य सदस्यों, महिलाओं एवं बच्चों का स्वागत करते हुए

शाखा की उपलब्धियों एवं टीम द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि शाखा अगले वर्ष अपने 20 वर्ष पूर्ण करेगी तथा निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

मानद मंत्री प्रकाश अग्रवाल ने वर्षभर आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। शाखा कोषाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने पूरे वर्ष के आय-व्यय का विवरण सभा के समक्ष रखा। सहमंत्री वरुण अग्रवाल ने शाखा से नए सदस्यों को जोड़ने की प्रक्रिया की जानकारी दी, जबकि केंद्रीय समिति सदस्य सुरेश अग्रवाल ने केंद्र में संचालित विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। केंद्रीय समिति सदस्य संतोष टांटिया भी मंचासीन रहे।

इस अवसर पर शिवानी अग्रवाल, सुरुचि अग्रवाल एवं संजय अग्रवाल ने एनजीओ के माध्यम से किए जा रहे समाज-सेवा कार्यों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में सुरुचि अग्रवाल को दि प्योर इंडल्जेंस केक आर्टिस्ट इंडिया के खिताब हेतु नामांकन एवं फाइनलिस्ट बनने पर सम्मानित करते हुए बधाई दी गई।

सुशील अग्रवाल को श्री अग्रसेन जयंती के अवसर पर आयोजित कैरम प्रतियोगिता में लगातार विजय प्राप्त करने पर शुभकामनाएं दी गईं। गौरव गुप्ता ने अपने प्रेरणादायी विचारों से शाखा का मार्गदर्शन किया। शाखा अध्यक्ष के.पी. अग्रवाल ने नए सदस्यों का परिचय कराया, जिसमें छत्तीसगढ़ निवासी अमित अग्रवाल एवं उनके परिवार तथा हरियाणा निवासी डॉ. शुभम तायल का स्वागत एवं सम्मान किया गया। मनोरंजन कार्यक्रम के दौरान वरुण अग्रवाल, शिखा अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल एवं सुशील अग्रवाल ने गीत प्रस्तुत कर वातावरण को संगीतमय बना दिया।

गीता अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत स्वरचित ग़ज़ल को भी सभी ने खूब सराहा।

तेलंगाना सरकार ने कामकाजी महिलाओं के लिए सखी निवास, वन-स्टॉप सेंट का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की पंचायत राज, ग्रामीण विकास तथा महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानासरी अनसूया सीतक्का ने महिला सप्ताह समारोह के तहत मंगलवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित रोड नंबर-12 पर सखी निवास कार्यरत महिला छात्रावास और सखी केंद्रम वन-स्टॉप सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री सीतक्का ने कहा कि रोजगार की तलाश में ग्रामीण क्षेत्रों से हैदराबाद आने वाली महिलाओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार कार्यरत महिला छात्रावास स्थापित कर रही है। उन्होंने बताया कि नव उद्घाटित छात्रावास में लगभग 150 महिलाओं के रहने की व्यवस्था है तथा छोटे बच्चों के साथ आने वाली माताओं के लिए विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध करायी गयी हैं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और आर्थिक सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की प्रगति को सहन नहीं कर पाने वाले लोगों की आलोचनाएं महिलाओं की सामूहिक शक्ति के सामने टिक नहीं पाएंगी। महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए सुश्री सीतक्का ने कहा कि ब्याज मुक्त ऋण की सीमा पांच लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि राइस मिल, पेट्रोल पंप और महिला संचालित सुपरमार्केट जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर सृजित किये जा रहे हैं। मंत्री ने कहा, महिलाएं अब दैनिक खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपने परिवार का सहयोग कर रही हैं, बच्चों को शिक्षा दिला रही हैं और अन्य लोगों को रोजगार भी उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति सृजक बनाना है, क्योंकि महिलाओं की आय मजबूत होने से परिवार मजबूत होंगे और राज्य की समृद्धि में भी वृद्धि होगी। सुश्री सीतक्का ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी राज्य के प्रत्येक परिवार की हर महिला के सशक्तीकरण और विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि महिला स्वयं सहायता समूहों के तहत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों का उद्घाटन बुधवार को किया जाएगा, जिनमें उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क द्वारा मधिरा निर्वाचन क्षेत्र में एक संयंत्र का उद्घाटन भी शामिल है। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पांच जून को महिलाओं के परिवहन सेवाओं के लिए आरटीसी बसों का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। सुश्री सीतक्का ने महिला उत्थान ही तेलंगाना की प्रगति है पर बल देते हुए समाज से राज्यभर की महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानने और उनका सम्मान करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में सांसद अनिल कुमार यादव, विधायक दानम नागेंद्र, महिला आयोग की अध्यक्ष विजयलक्ष्मी, बाल आयोग की अध्यक्ष सीता दयाकर रेड्डी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हर महीने की 1 तारीख को मिलेगा ग्राम पंचायत कर्मियों का वेतन : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि लगभग 50,000 ग्राम पंचायत कर्मचारियों और अन्य अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारियों की तर्ज पर हर महीने के पहले दिन उनका वेतन मिल जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को डाकघरों के माध्यम से चेयुता सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित करने की मौजूदा मैनुअल प्रणाली को बंद करने और इसके बजाय पेंशन राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित (डायरेक्ट ट्रांसफर) करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग की एक समीक्षा बैठक के दौरान दिए। इस बैठक में पंचायत राज मंत्री दनसारी अनसूया (सीथक्का) और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य सरकार ग्राम पंचायत कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए हर महीने विशेष रूप से 50 करोड़ रुपये आवंटित करेगी।

रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी विभागों में काम करने वाले सभी कर्मचारियों, चाहे वे आउटसोर्सिंग पर हों या अनुबंध के आधार पर, उन्हें हर महीने के पहले दिन वेतन मिलना ही चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि वेतन भुगतान में एक दिन की भी देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा हटाए गए एक प्रावधान को बहाल करने पर भी सहमति जताई, जिसके बारे में उनका कहना था कि इसने अपने स्वयं के राजस्व स्रोतों के मामले में ग्राम पंचायतों की वित्तीय स्वतंत्रता को कमजोर कर दिया था। उन्होंने अधिकारियों को 'तेलंगाना पंचायत राज अधिनियम, 2018' की धारा 70(3) में संशोधन करने का निर्देश दिया, ताकि ग्राम पंचायतें अपने स्वयं के राजस्व को ट्रेजरी (खजाने) खातों के बजाय सीधे बैंक खातों में जमा करा सकें।

रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पेंशन केवल पात्र लाभार्थियों तक ही पहुंचनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे वोटर आईडी, आधार और SEEEPC डेटा का उपयोग करके पेंशन वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाएं। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि नई पेंशन स्वीकृत करने में एकल महिलाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भीषण गर्मी के बावजूद जू-पार्क में उमड़ रही सैलानियों की भारी भीड़

हैदराबाद, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): गर्मियों के इस सीजन में आसमान से बरसती आग और रिकॉर्ड तोड़ तापमान के बावजूद, हैदराबाद के मीर आलम टैंक के पास स्थित नेहरू जूलॉजिकल पार्क (चिड़ियाघर) में पर्यटकों का हुजूम उमड़ पड़ा। बीते शनिवार, 23 मई 2026 को चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बाद भी लगभग 30,000 दर्शक चिड़ियाघर पहुंचे। इसमें स्थानीय परिवारों और आम पर्यटकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में विदेशी सैलानी भी शामिल थे, जिन्होंने पूरे उत्साह के साथ वन्यजीवों को देखा और भीषण गर्मी के बीच गैंडों व अन्य जानवरों को पानी में ठंडक पाते हुए निहारा।

तेज धूप के बीच विदेशी सैलानी भी हैदराबाद की इस गर्मी का लुत्फ उठाते नजर आए। वे चिड़ियाघर के बाड़ों में बने पानी के कुंडों (पूल) में आराम कर रहे और तैर रहे बाघों व गैंडों को उत्सुकता से देखते हुए कैमरे में कैद करते दिखे। पूरे दिन दर्शकों के बीच टाइगर और सफारी सेक्शन सबसे बड़ा आकर्षण का केंद्र बने रहे, जहां लोगों की सबसे ज्यादा आवाजाही दर्ज की गई।भारी भीड़ को देखते हुए चिड़ियाघर प्रशासन (जू अथॉरिटीज़) ने सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त व्यापक इंतजाम किए। पर्यटकों की सहूलियत के लिए पीने के पानी की विशेष व्यवस्था, सुगम आवाजाही के लिए अतिरिक्त स्टाफ और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों (समर वेकेशन) का सीजन होने के कारण नेहरू जूलॉजिकल पार्क लगातार हैदराबाद के सबसे पसंदीदा हॉलिडे डेस्टिनेशन्स में से एक बना हुआ है।

राधे रानी की कृपा से सेवा कार्यों में निरंतर जुटा है राधे-राधे

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों को भोजन वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे सेवा कार्यों की स्थानीय लोगों ने भी सराहना की। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप केवल एक संगठन नहीं बल्कि सेवा, संस्कार और मानवता का एक परिवार बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदूजा, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

माकपा ने प्रो. नागेश्वर को गिरफ्तार करने के प्रयासों की कड़ी निंदा की

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की तेलंगाना प्रदेश समिति ने मंगलवार को राजनीतिक विश्लेषक एवं प्रोफेसर नागेश्वर को गिरफ्तार करने की आंध्र प्रदेश पुलिस की कोशिशों की कड़ी निंदा करते हुए इस कदम को अलोकतांत्रिक और अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करार दिया है। माकपा के प्रदेश सचिव जॉन वेस्ली ने अपने बयान में कहा कि पार्टी घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रोफेसर नागेश्वर को गिरफ्तार किया गया तो इसके 'गंभीर परिणाम' होंगे। उन्होंने बताया कि कई प्रमुख राजनीतिक विश्लेषकों, पत्रकारों और पूर्व विधायकों ने भी इस कार्रवाई की निंदा की है और बौद्धिक आवाजों को दबाने के किसी भी प्रयास का विरोध किया है।माकपा नेता ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और तेलंगाना सरकार से तुरंत हस्तक्षेप का आग्रह किया है। उन्होंने मांग की कि आंध्र प्रदेश पुलिस की ओर से की जा रही इस 'आक्रामक गिरफ्तारी कोशिशों' को रोका जाए।लोकतंत्र में राजनीतिक विश्लेषकों और पत्रकारों के सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा करने और उनके सामाजिक परिणामों की समीक्षा करने को स्वाभाविक बताते हुए माकपा ने कहा कि सरकारों की आलोचना और सार्वजनिक बहस को डरा-धमकाकर या पुलिसिया कार्रवाई के जरिये दबाया नहीं जाना चाहिए।

सत्य शक्ति महिला टीवी टॉवर शाखा की वार्षिक आम सभा एवं समर कैंप उत्साहपूर्वक संपन्न

समर कैंप में बच्चों को सिखाई गई रचनात्मक एवं आध्यात्मिक गतिविधियां

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की सत्य शक्ति महिला टी.वी. टॉवर शाखा द्वारा आबिड्स स्थित अग्रवाल समाज तेलंगाना मीटिंग हॉल में वार्षिक आम सभा (एजीएम) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

सभा में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल ने केंद्रीय सदस्य श्रीमती श्वेता जी का सम्मान किया। साथ ही शाखा से इस वर्ष जुड़ी नई सदस्यों का स्वागत एवं सम्मान भी किया गया। मनोरंजन के लिए आयोजित तंबोला खेल में सभी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों को स्नैक्स एवं फ्रूटी आदि वितरित किए गए।

शाखा की ओर से सभी सदस्यों को प्रिविलेज कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया गया तथा जिन सदस्यों के पास कार्ड नहीं थे, उनके कार्ड भी मौके पर बनवाए गए। इसके अतिरिक्त सभी सदस्यों को वार्षिक उपहार भी वितरित किए गए।

23 मई को आयोजित अग्रवाल समाज समर कैंप में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल द्वारा बच्चों एवं अभिभावकों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की गई। वहीं शाखा सचिव श्रीमती नीति अग्रवाल ने बच्चों को जाइंट पेपर फ्लावर बनाना सिखाया।

समर कैंप में विहंगम योग से जुड़े गुरु भाई श्री रामकृष्ण भूरिया एवं श्री शिव कुमार अग्रवाल ने बच्चों को प्रेरणादायक एवं आध्यात्मिक संबोधन दिया तथा ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास भी कराया।

इस एजीएम को सफल बनाने में श्रीमती रानी मित्तल, पुष्पा अग्रवाल, नीति अग्रवाल, कविता बंसल, संतोष अग्रवाल, लक्ष्मी बंसल, अलका अग्रवाल, आशा अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, जगदंबा अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, कमला अग्रवाल एवं श्वेता अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

इसके अतिरिक्त सत्य शक्ति महिला टी.वी. टॉवर शाखा द्वारा रविवार, 24 मई को कुकटपल्ली स्थित सतपाल महाराज आश्रम में भी समर कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा सचिव श्रीमती नीति अग्रवाल ने बच्चों को पपेट्स बनाना सिखाया, जबकि शाखा उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अग्रवाल ने बच्चों को टिफिन बॉक्स, स्नैक्स एवं फ्रूटी वितरित किए।

समर कैंप में भाग लेने वाले बच्चे कार्यक्रम से अत्यंत खुश एवं उत्साहित नजर आए तथा उन्होंने विभिन्न गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया।

कविता ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 26 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना रक्षण सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कल्वकुंतला कविता ने मंगलवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर वेलुगुमटला में मकान तोड़े जाने , ट्रिपल आर परियोजना से विस्थापित परिवार और परगी मंडल के कडलापुर में प्रस्तावित औद्योगिक पार्क के लिए भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे उठाये। इस दौरान उनके साथ इन परियोजनाओं से प्रभावित लोगों का प्रतिनिधिमंडल भी था।

उन्होंने बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार 'क्रूर' तरीके से काम कर रही है और गरीब परिवारों तथा किसानों की चिंताओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने वेलुगुमटला में मकान तोड़े जाने, ट्रिपल आर के मार्ग में बार-बार किए जा रहे बदलावों, रायगिरी में भूमि अधिग्रहण और कडलापुर में औद्योगिक पार्क के लिए जमीन छीनने के प्रयासों के संबंध में ज्ञापन सौंपे हैं।

SHED on RENT
FACTORY SHED
lease /Rent. 5000 sq feet
TIN SHED with 10 hp power
at JIYAGUDA.
Good for Wood furniture,
Iron furniture, Steel
furniture, Packing etc.
Contact:
9848225473,
9948137195
(9am to 9pm)

दसवीं पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती मधु अग्रवाल
(धर्मपत्नी : डॉ. अजय कुमार अग्रवाल)
पूर्व एजीएम-सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद
(स्वर्गवास : 27 मई, 2016)
स्नेह आपका था हम पर, करते है नमन आपको ।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको ।।
श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :
विजय-मंजु अग्रवाल (देवर-देवरानी),
कृति (पुत्री), केतन-सिरीषा (पुत्र-पुत्रवधू)
स्मित-शुभांगी (भतीजा-भतीजावधू),
किआन अग्रवाल (पौत्र)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.